E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 254 | गुवाहाटी | शनिवार, 13 अप्रैल, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

प्रधानमंत्री मोदी 16 अप्रैल को दो दिवसीय दौरे पर आएंगे असम — पेज 3

सीधी लोकसभा क्षेत्र की चुनावी सभा में बोले जेपी नड्डा-बौखला गए हैं ये घमंडिया... — पेज 4

सपा, बसपा और कांग्रेस ने हमेशा राम मंदिर का विरोध किया : अमित शाह — पेज 5

भारत के परमाणु हथियार समाप्त करना चाहता है इंडी गठबंधन : मोदी — पेज 8

सूचना

सभी एजेंटों, हॉकरों, ग्राहकों और विज्ञापनदाताओं को **विकसित भारत समाचार** परिवार की ओर से रंगाली बिहू और असमिया नववर्ष की शुभकामनाएं। इस उपलक्ष्य में 14 और 15 अप्रैल को कार्यालय में अवकाश रहेगा। हम 17 अप्रैल के अंक के साथ आपकी सेवा में पुन: प्रस्तुत होंगे।

- संपादक

सुप्रभात

धन का लालची श्रीविहीन हो जाता है।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

राष्ट्रपति ने दी बोहाग बिहू की बधाई

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 13 और 14 अप्रैल को मनाए जाने वाले वैसाखी, विशु, बिशुब, बोहाग बिहू, पोयला बोइशाख, वैशाखादि और पुतान्डु की देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि वैसाखी, विशु, बिशुब, बोहाग बिहू, पोयला बोइशाख, वैशाखादि और पुतान्डु के शुभ अवसर पर मैं भारत और अन्य देशों में रह रहे सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। उन्होंने कहा कि भारत के अलग-अलग भागों में मनाए जाने वाले ये पर्व हमारी विविधतापूर्ण सांस्कृतिक विरासत का जीवंत रूप हैं। ये सभी पर्व एकता, सद्भाव और भाईचारे का संदेश देते हैं। सामाजिक समरसता के प्रतीक ये त्योहार जनमानस में ऊर्जा और उत्साह का प्रसार करते हैं।

सीएए आंदोलन करने वालों पर चलेगा हत्या का मुकदमा : सीएम

बिश्वनाथ (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि यदि नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरुद्ध आंदोलन के दौरान शाहिद हुए पांच लोगों के परिवारों से आंदोलन करने वाले नेता माफी नहीं मांगते हैं तो उनके खिलाफ हत्या का मुकदमा चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि झूठ को आधार बनाकर आंदोलन करना निश्चित रूप से अपराध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि का लागू होने *-शेष पृष्ठ दो पर*

पीएम मोदी के सत्ता में रहते असम में कोई घुसपैठ नहीं हो सकती : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को दावा किया कि केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा के सत्ता में रहते हुए राज्य में बांग्लादेश से घुसपैठ की कोई कोशिश नहीं होगी। डिब्रूगढ़ में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं राज्य के लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि भारत के प्रधान मंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के रहते बांग्लादेश से एक पक्षी भी असम में घुसपैठ नहीं कर सकता। उन्होंने विपक्षी नेता अखिल गोगोई पर यह दावा करने के *-शेष पृष्ठ दो पर*

हीटवेव : पीएम मोदी ने स्थिति से निपटने के लिए समीक्षा बैठक की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हीट वेव से को लेकर स्थिति से निपटने के लिए तैयारियों की समीक्षा बैठक की। गर्मी अब धीरे-धीरे अपने चरम पर पहुंच रही है। वहीं, बैठक के दौरान अधिकारियों द्वारा प्रधान मंत्री को आगामी गर्म मौसम के मौसम (अप्रैल से जून) के पूर्वानुमान सहित अप्रैल से जून 2024 की अवधि के लिए तापमान दृष्टिकोण के बारे में जानकारी दी गई। देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावना है, विशेष रूप से मध्य भारत में इसकी उच्च संभावना है। पीएमओ ने कहा कि बैठक में आवश्यक दवाओं, तरल पदार्थ, आइस पैक, ओआरएस और पीने *-शेष पृष्ठ दो पर*

राज भवन, गुवाहाटी
पिन-781 001

13 अप्रैल, 2024

गुलाब चन्द कटारिया
राज्यपाल, असम

संदेश

मैं रंगाली बिहू और असमिया नववर्ष के पावन अवसर पर, सभी असमवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

रंगाली बिहू हमारी समृद्ध संस्कृति का प्रतीक है। यह एक ऐसा त्योहार है, जो असमिया नववर्ष के प्रारंभ का आभास कराता है तथा बुवाई के मौसम के आगमन की सूचना भी देता है। यह प्राणी और प्रकृति के बीच के अटूट संबंध को भी दर्शाता है। प्रकृति के मनमोहक दृश्य, खिले हुए कपौ फूल तथा ढोल, पेपा और गगना की गूंजती ध्वनि के बीच हर्षोल्लास के साथ मनाया जाने वाला इस बिहू में हर व्यक्ति का मन उत्साह व प्रसन्नता से भर उठता है।

यह त्योहार जाति, पंथ और धर्म से ऊपर उठकर हमारी एकता, बंधुता एवं प्रेम के बंधन को और अधिक सशक्त करता है। इस त्योहार में असम की समृद्ध संस्कृति एवं गौरवशाली परंपरा की छटा दिखाई देती है। यह हमारे तन, मन और आत्मा को अतुलनीय आनंद की अनुभूति कराता है।

मेरा पूर्ण विश्वास है कि रंगाली बिहू का यह आनंदोत्सव असम में शांति, समृद्धि और खुशहाली लाएगा और हम सब मिलकर अपनी विरासत के संरक्षण व संवर्धन के साथ-साथ विकास कार्यों को भी निरंतर आगे बढ़ाने में सफलता प्राप्त करेंगे। आइए, रंगाली बिहू के इस पारंपरिक त्योहार को आनंदपूर्वक मनाएँ और राज्यवासियों के बीच एकता और भाईचारे की भावना को और अधिक मजबूत करें।

आप सभी को रंगाली बिहू की बहुत-बहुत बधाई।

जय हिंद !

(गुलाब चन्द कटारिया)

-- Janasanyog /D/250/ 24/13-Apr-24

सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय, असम द्वारा प्रचारित | Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in

असम वार्ता सब्सक्राइब करने के लिए 7636834943 पर Assam लिखकर व्हाट्सएप करें

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD,
S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866,
94018-06952

ईद में नमाज पढ़ने वाले गौरव गोगोई का रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा के समय धरना क्यों : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कांग्रेस के निवर्तमान सांसद तथा जोरहाट के प्रत्याशी गौरव गोगोई द्वारा ईद के मौके पर नमाज पढ़ने से संबंधित तस्वीर सोशल मीडिया के जरिए शेयर करते हुए सवाल उठाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ईद पर नमाज पढ़ने वाले गौरव गोगोई उस समय राहुल गांधी के साथ नगांव में धरना पर बैठे हुए थे, जिस समय अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा हो रही थी। उन्होंने कहा कि गौरव गोगोई ने हिंदुओं की भावना को ठेस पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि वोट के लिए ईद में नमाज पढ़ना राज्य के मुस्लिम वोटरों को खुश करने के अलावा और कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि असम में हिंदू वोटर भी हैं, उन्हें खुश करने के लिए गौरव गोगोई को मंदिरों में भी जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस्लाम धर्म के लोगों को ईद के मौके पर शुभकामनाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, स्वयं मुख्यमंत्री डॉ शर्मा से लेकर तमाम भाजपा नेताओं ने दी है। लेकिन, किसी ने नमाज नहीं पढ़ा। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि गौरव गोगोई को मुस्लिम समाज के लोगों की भलाई से कोई लेना देना नहीं है। गौरव गोगोई को कभी मुसलमानों के नौकरी मिलने की चिंता नहीं हुई। उन्होंने कभी मुसलमान बच्चियों के बाल विवाह को लेकर चिंता जाहिर नहीं की। उन्होंने कभी तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं की चिंता नहीं की। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि गौरव को राहुल गांधी की चमचागिरी करने के लिए रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के समय धरने पर बैठ गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी किस धर्म के हैं यह उन्हें पता नहीं है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस दिन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा ने भगवान कृष्ण को लव जिहादी करार दिया, उस दिन गौरव गोगोई ने उसका विरोध नहीं किया। पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने गौरव गोगोई पर इस प्रकार के कई आरोप लगाए।

मणिपुर में अज्ञात बंदूकधारियों की गोलीबारी में एक व्यक्ति घायल

इंफाल। मणिपुर में एक बार फिर से गोलीबारी हुई है। इस गोलीबारी में एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना है। पुलिस ने यह जानकारी दी है। पुलिस ने बताया कि यह गोलीबारी थौबल जिले के हिरोक गांव के पास शुक्रवार को सशस्त्र ग्रामीण स्वयंसेवकों और अज्ञात बंदूकधारियों के बीच हुई है। उन्होंने आगे बताया कि गोलीबारी पहले अज्ञात बंदूकधारियों ने की, जिसके बाद गांव के स्वयंसेवकों को जवाबी कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक, दोनों के बीच गोलीबारी एक घंटे तक जारी रही। हालांकि, इसके बाद भी इलाके में छिटपुट गोलीबारी हुई। उन्होंने बताया कि इस हादसे में निंगथौजम जेम्स सिंह नाम का एक व्यक्ति की गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गया। घायल को इंफाल के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी इलाज की जा रही है। वहीं, स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए अतिरिक्त राज्य और केंद्रीय पुलिस बलों को हिंसा वाले इलाके में भेजा गया है। वहीं, एक अन्य घटना में संदिग्ध बदमाशों ने शुक्रवार तड़के थौबल जिले से सटे काकचिंग जिले के पल्लेल के पास एक आरा मिल में आग लगा दी। पुलिस के मुताबिक, आग की इस घटना के बाद मिल पुरी तरह से जलकर खाक हो गई। पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बलों ने अपराधियों को पकड़ने के लिए अभियान तेज कर दिया है। उधर घटना के बाद से पूरे इलाके में सन्नाटा पसरा हुआ है, बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सब घरों में कैद हैं। पुलिस इलाके के आस-पास छानबीन कर रही है, वहीं स्थानीय लोगों से भी पूछताछ कर रही है। सुबह हुई गोलीबारी की आवाज से स्थानीय लोग भी सदमे में हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह की है, लगभग एक घंटे तक गोलीबारी जारी रही। गोलीबारी की सूचना मिलते ही केंद्रीय और राज्य पुलिस दल को भेजा गया था।

आग में दो दुकानें जलकर राख, लाखों का नुकसान

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के पानीखाइती थाने इलाके में लगी आग के दौरान देखते ही देखते दो व्यापारिक प्रतिष्ठान पूरी तरह जलकर राख हो गये। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि आज तड़के थाना क्षेत्र के रेल गेट इलाके में एक किराने और एक मोटरसाइकिल की गैराज में आग लगने की खबर मिली। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची अग्निशमन की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। आग बुझाए जाने तक दोनों दुकान पूरी तरह जल गयी। आग के दौरान गैराज में रखीं कई बाइकें पूरी तरह जल गयीं। आग की वजह से लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। हालांकि, आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस ने आशंका व्यक्त की है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पंजाब के सीएम का स्वागत, उन्हें हमारे चाय बागानों का आनंद लेना चाहिए : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पंजाब के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) नेता भगवंत मान का गर्मजोशी से स्वागत किया, जो चुनाव प्रचार के लिए असम में हैं। शर्मा ने एक बयान में मान की यात्रा पर प्रसन्नता व्यक्त की और उन्हें असम के प्रसिद्ध चाय बागानों का अनुभव लेने के लिए आमंत्रित किया। शर्मा ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान प्रचार के लिए असम आए हैं, उनका स्वागत है। उन्हें हमारे चाय बागानों का आनंद लेना चाहिए। इससे पहले दिन में, पंजाब के मुख्यमंत्री भागवत मान ने डिब्रूगढ़ लोकसभा क्षेत्र में आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार मनोज धनवार के लिए रैली करके समर्थकों में उत्साह जगाया। भीड़ को संबोधित करते हुए मान ने कहा कि जिस देश का राजा व्यापारी हो, उस देश की जनता भिखारी होती है। मान का प्रचार अभियान डिगबोई के गोपनारी बंगाली बालिजन मैदान में शुरू हुआ, जहां उन्होंने आम आदमी पार्टी के सिद्धांतों और लक्ष्यों को व्यक्त किया। अपने संबोधन के दौरान, मान ने मीडिया पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यदि किसी राज्य में टेलीविजन चैनलों को मुख्यमंत्री द्वारा नियंत्रित किया जाता है, तो वे स्वाभाविक रूप से उन्हें एक अनुकूल छवि में चित्रित करेंगे। उन्होंने मजाकिया अंदाज में मौजूद मीडिया को चुनौती देते हुए कहा कि क्या सीएम के चैनल से कोई है? तो कृपया उन्हें यह दिखाएं।

पीएम मोदी ने राजनीति की परिभाषा बदल डाली : नड्डा

सीधी/छिंदवाडा (हि.स.)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को मध्यप्रदेश के सीधी और छिंदवाड़ा में आयोजित जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने इंडी गठबंधन को परिवारवादी और भ्रष्टाचारी बताते हुए हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपमानजनक टिप्पणी करने वाले नेताओं पर जम कर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जनता का उमंग, उत्साह देखकर यह भरोसा होता है कि जनता ने मन बना लिया है-एक बार फिर मोदी सरकार बनेगी और प्रचंड बहुमत से 400 पार सीट जीतेगी। पहले राजनीति जाति के आधार पर होती थी, कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति करती है और जब सरकार किसी जाति, वर्ग और समुदाय के आधार पर बनती थी तब संपूर्ण भारत के विकास के लिए कार्य नहीं करती थी, मगर प्रधानमंत्री मोदी ने 10 वर्षों में राजनीति की परिभाषा बदल डाली है। अब वोट बैंक की नहीं, रिपोर्ट कार्ड की राजनीति होती है। नड्डा ने कहा कि भारत अर्थव्यवस्था में विश्व में 11वें स्थान पर था, लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की 5वीं अर्थव्यवस्था बन चुका है। मोदी तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री चुने जाएंगे और 2027 तक भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनकर उभरेगा। ऑटोमोबाइल उद्योग में भारत ने जापान को पीछे छोड़कर तीसरे स्थान पर आ गया है। उन्होंने कहा कि 10 वर्ष पहले मोबाइलों पर *मेड इन चाइना* लिखा जाता था कि लेकिन आजकल *मेड इन इंडिया* लिखा जाता है। भारत अब दुनिया की डिस्पेंसरी बन चुका है, और यहां सबसे सस्ती और प्रभावी दवाइयां उत्पन्न हो रहे हैं और दुनिया के अन्य देशों में निर्यात हो रहा है, जिसके परिणामस्वरूप 138 प्रतिशत दवाइयां उत्पादन में बढ़ोतरी हो गई है। पहले के समय में भगवान की मूर्तियां और बच्चों के खिलौने चीन से आते थे, लेकिन आज भारत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में खिलौने उत्पादन में भारत ढाई गुना बढ़ गया है। भाजपा सरकार, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, हाइवे, इंटरनेट, रेलवे, और एयरवेज के माध्यम से पूर्वोत्तर के विकास के लिए आगे बढ़ रही है। 10 वर्षों में 1 लाख 65 हजार किलोमीटर नेशनल हाईवे देश में बन गया है, गांव में इंटरनेट सुविधा पहुंचाने के लिए ऑप्टिकल फाइबर की सुविधा पहुंच गई है। भारत के विकास के लिए हर दृष्टि से कार्य किया गया हैं, मध्यप्रदेश में रेलवे में 24 गुना बजट में बढ़ोतरी हो गई है। उन्होंने कहा कि आज मोदी के नेतृत्व में देश पूरी तरह सुरक्षित है। कांग्रेस के शासन में पहले हर दिन पाकिस्तान से आतंकवादी आकर बम धमाके करते थे लेकिन मोदी के नेतृत्व में हमने एयर स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक कर के पाकिस्तान के घर में घुस कर उन्हें मुंह तोड़ जवाब दिया है। आज सुरक्षा की दृष्टि से भी हमारा देश मजबूत हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 10 वर्षों में ग्रामीण, गरीब, शोषित, वंचित, पीड़ित, दलित, युवा, महिला और किसान की चिंता की है और इन्हें मुख्य धारा में जोड़ा है। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत गांव-गांव तक पक्की सड़क पहुंच गई है। नड्डा ने इंडी गठबंधन पर प्रहार करते हुए कहा आगामी चुनावों में अपनी स्पष्ट हार से हताशा के कारण प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपमानजनक भाषा का सहारा लेना पड़ रहा है।

कुछ सालों में डायनासोर की तरह विलुप्त हो जाएगी कांग्रेस : राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को दावा किया कि कांग्रेस कुछ सालों में डायनासोर की तरह विलुप्त हो जाएगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष सिंह ने कांग्रेस के अंदर चल रही गुटबाजी को टेलीविजन के रियल्टी शो *बिग बॉस* के घर में होने वाली लड़ाई से तुलना करते हुए कहा कि पार्टी के नेता रोजाना एक दूसरे के कपड़े फाड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस से नेताओं का बाहर निकलना जारी है। एक के बाद एक नेता पार्टी छोड़ रहे हैं और भाजपा में शामिल हो रहे हैं। मुझे डर है कि आज से कुछ सालों में कांग्रेस डायनासोर की तरह विलुप्त न हो जाए।

हिमाचल में 52 श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में बड़ा हादसा हुआ है। यहां कांगड़ा सुरंग के पास 52 श्रद्धालुओं से भरी एक बस पलट गई। श्रद्धालु मां ब्रजेश्वरी देवी के दर्शन कर घर वापिस लौट रहे थे। इस हादसे में 21 यात्री घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को इलाज के लिए टांडा अस्पताल पहुंचाया गया है। जिला कांगड़ा की एसपी शालिनी अग्निहोत्री ने कहा, यूपी के श्रद्धालु मां ब्रजेश्वरी देवी के दर्शन करने के लिए कांगड़ा पहुंचे हुए थे। उन्होंने बताया कि सभी श्रद्धालु शुक्रवार को दोपहर बाद मां ब्रजेश्वरी देवी के दर्शन करने के उपरांत वापिस यूपी जाने के लिए बस में सवार हुए। उन्होंने कहा कि कुछ दूर जाने पर ही बस का ड्राइवर बस पर से नियंत्रण खो बैठा और बस सड़क पर ही पलट गई। राहत की बात यह है कि कोई भी यात्री गंभीर रुप से घायल नहीं है। एसपी ने बताया कि इस हादसे में 21 यात्रियों को चोटें आई है, जिन्हें इलाज के लिए टांडा मैडिकल कॉलेज में भर्ती करवा दिया गया है। बस को मैकेनिकल जांच के लिए जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। एसपी ने कहा इन दिनों नवरात्रि का पर्व चल रहा है और ऐसे में बाहरी राज्यों से भारी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन करने के लिए पहुंच रहे है और कुछ श्रद्धालु गाड़ियों में ओवर लोड हो कर भी आ रहे हैं। अगर कोई भी व्यक्ति गाड़ियों में ओवरलोडिंग करते हुए पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध एमवी एक्ट के तहत कड़ी करवाई की जाएगी।

हॉस्टल के कमरे में लटका पाया गया आईआईटी गुवाहाटी का छात्र

गुवाहाटी/रंगिया। आईआईटी-गुवाहाटी के दूसरे सेमेस्टर का एक छात्र अपने होटल के कमरे में मृत पाया गया। पुलिस ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। कामरूप के पुलिस अधीक्षक रंजन भुइयां ने कहा कि शव बुधवार को दिहिंग छात्रावास में उनके कमरे के अंदर लटका हुआ पाया गया। वहां से एक सुसाइड नोट भी मिला है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि उन्होंने नोट में लिखा है कि उनकी मौत के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है। प्रथम दृष्टया से ऐसा नहीं लगता कि इसमें कोई गड़बड़ी शामिल है। हालांकि, हम अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए अपनी जांच जारी रख रहे हैं। एसपी ने कहा कि पोस्टमार्टम और उचित कानूनी औपचारिकताओं के बाद शव को उसके माता-पिता के साथ उसके गृहनगर बिहार के समस्तीपुर भेज दिया गया है। मृतक छात्र की पहचान कंप्यूटर साइंस विभाग में पढ़ने वाले सौरभ के रूप में हुई है।

मणिपुर पुलिस ने 225 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय दंड संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 225 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर 103 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 178 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है।

पति ने पत्नी और सात बच्चों को कुल्हाड़ी से मार डाला

पंजाब (पाकिस्तान)। गरीबी से जूझ रहे एक व्यक्ति ने पंजाब प्रांत में अपनी पत्नी और सात नाबालिग बच्चों की कथित तौर पर कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी, क्योंकि वह अब उन्हें खिलाने में असमर्थ था। आरोपी सज्जाद खोखर पेशे से एक मजदूर है और उसने अपना अपराध कबूल कर लिया क्योंकि वह परिवार का भरण-पोषण करने में असमर्थ था। चौंकाने वाली घटना पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की है। लाहौर से 350 किलोमीटर दूर मुजफ्फरगढ़ जिले के अलीपुर में खोखर ने अपनी 42 वर्षीय पत्नी कौसर और 7 बच्चों - 4 बेटियों और 3 बेटों, जिनकी उम्र आठ महीने से 10 साल के बीच थी- पर कुल्हाड़ी से हमला किया और उन्हें मार डाला। पुलिस ने कहा कि आरोपी आर्थिक तौर पर मानसिक रूप से परेशान था और उसका अक्सर अपनी पत्नी से झगड़ा होता था। अधिकारियों के मुताबिक, शख्स को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. पुलिस ने कहा कि संदिग्ध ने अपना अपराध कबूल करते हुए दावा किया कि उसने यह चरम कदम इसलिए उठाया क्योंकि वह अपने बच्चों को खाना नहीं खिला सकता था। इस बीच, पंजाब प्रांतीय मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने घटना पर दुख व्यक्त किया और पुलिस से रिपोर्ट मांगी। पाकिस्तान उच्च मुद्रास्फीति, धीमी आर्थिक वृद्धि और अस्थिर ऋण के साथ गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रहा है।

अगली सूचना तक ईरान और इजरायल की यात्रा करने से बचें : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने ईरान और इजरायल के लिए यात्रा सलाह जारी की है। विदेश मंत्रालय ने भारतीयों को सलाह दी है कि अगली सूचना तक ईरान और इजरायल की यात्रा न करें। विदेश मंत्रालय ने उन सभी भारतीयों से भी अनुरोध किया है, जो वर्तमान में ईरान और इजरायल में रह रहे हैं। मंत्रालय ने कहा है कि इन देशों में रह रहे भारतीय तुरंत दूतावास से संपर्क करें और अपना पंजीकरण कराएं। मंत्रालय ने अनुरोध किया है कि वे अपनी सुरक्षा को लेकर सावधानी बरतें और अपनी गतिविधियों को कम लोगों के साथ ही साझा करें। विदेश मंत्रालय का यह फैसला इजरायल और हमास के बीच जारी युद्ध के कारण आया है। आशंका है कि इजरायल हमास के बीच जारी युद्ध में ईरान भी हस्तक्षेप कर सकता है। हमास ने 7 अक्तूबर 2023 को इजरायल की अभेद्य मानी जाने वाली सुरक्षा व्यवस्था को तोड़ते हुए इसके इलाकों में हमला किया था। इस हमले में 1200 से ज्यादा इस्राइलियों की जानें गई थीं। इस दौरान हमास लड़ाके 240 लोगों को बंधक बनाकर गाजा ले गए थे। वहीं इजरायल के जवाबी हमलों में हजारों फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है। गाजा के 24 लाख लोगों में से 19 लाख अपने घरों से विस्थापित हो गए हैं, उनमें आधे बच्चे शामिल हैं। 7 अक्तूबर 2023 के हमले के बाद इजरायल ने हमास को जड़ से मिटाने का संकल्प लिया था। इसके लिए इजरायली सेना ने गाजा में हवाई और जमीनी हमले किए। इस तरह से हमास और इजरायल के बीच बीते छह महीने से खूनी जंग जारी है। हालांकि, हाल ही में जो बाइडन के एक बयान से दोनों पक्षों में युद्धविराम को लेकर अटकलें शुरू हो गईं। एक अप्रैल को सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला हुआ था। इससे दूतावास का एक खंड पूरी तरह ध्वस्त हो गया था। वहीं, ईरान के दो शीर्ष सैन्य जनरल और पांच अन्य अधिकारी भी मारे गए थे। इस हमले का ईरान इजरायल पर आरोप लगा रहा है। साथ ही उसने जवाबी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई ने बुधवार को चेतावनी दी थी कि इजरायल को सजा दी जानी चाहिए। उस पर इजरायली विदेश मंत्री ने कहा था कि अगर ईरान हमला करता है तो हम कड़ा जवाब देंगे। चेतावनी को देखते हुए इजरायल गुरुवार को अलर्ट पर था। ईरानी राष्ट्रपति के राजनीतिक मामलों के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद जमशीदी ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि अमेरिका को बीच में नहीं आना चाहिए ताकि वह हमले की चपेट में न आ जाए। अमेरिका ने भी ईरान और उसके सहयोगियों द्वारा हमला किए जाने की चेतावनी दी है। हमले की संभावना को देखते हुए मध्य पूर्व तनाव बढ़ गया है। वहीं हाल ही में इजरायल ने अपनी हवाई सुरक्षा को मजबूत करने और लड़ाकू इकाइयों को छुट्टी न देने का फैसला लिया।

एनआईए की अदालत ने चार माओवादियों को सुनाई कैद की सजा

नई दिल्ली (हि.स.)। केरल पुलिस कर्मियों के खिलाफ धमकी, हमले और आगजनी के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने चार माओवादियों को कैद की सजा सुनाई है। एनआईए की ओर से शुक्रवार को जारी एक बयान के मुताबिक वर्ष 2014 के इस मामले में अदालत ने इन सभी आरोपितों को 9 अप्रैल को सजा सुनाई थी। एनआईए की अदालत ने आरोपित रूपेश को 10 साल की कैद एवं 2.35 लाख रुपए जुर्माने, आरोपित कन्या कुमारी को 6 साल की कैद एवं 1.05 लाख रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है जबकि आरोपित अनूप को 8 साल की कैद एवं 60 हजार रुपए के जुर्माने एवं इब्राहिम को 6 साल की कैद और 40 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। इस मामले में स्थानीय वेलमुंडा थाने की पुलिस ने मामला दर्ज किया था। इसके बाद एनआईए ने इसे अपने हाथ में ले लिया था। घटना 24 अप्रैल 2014 की है। एनआईए ने इन आरोपितों के खिलाफ 30 जनवरी 2018 को चार्जशीट दाखिल की थी। एनआईए ने इनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के साथ, यूएपीए और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था। एनआईए के मुताबिक इस दिन विभिन्न आठ लोग एक गैर-कानूनी ढंग से बैठक में शामिल हुए। इसके बाद वे केरल के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एबी प्रमोद के घर पहुंच कर जबरन त्याग पत्र देने का दबाव बनाया। इसमें पांच माओवादी संगठन के सदस्य भी शामिल थे। इनके पास एके 47 जैसे घातक हथियार भी था। इन्होंने पुलिस अधिकारी की मोटरसाइकिल में आग लगा दी थी।

पृष्ठ एक का शेष

सीएए आंदोलन करने ...

से दो करोड़ लोग असम में विदेशों से आ जाएंगे, ट्रक से असम में घुसने के लिए विदेश नागरिक असम की सीमा पर रुके हुए हैं आदि प्रकार के झूठ प्रचार के जरिए किए गए आंदोलन का पोल खुल गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौरव गोगोई, अखिल गोगोई, लुरिन ज्योति गोगोई आदि नेता इस प्रकार की झूठी बातों से लोगों की भावनाओं को भड़काया था। इसी वजह से लोग शहीद हुए। मुख्यमंत्री आज बिश्वनाथ में एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि असम की कुल 14 सीटों में से 13 सीटें जीतना निश्चित है। 14वें सीट को जीतने की भी चेष्टा की जाएगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पत्रकारों के कई प्रश्नों के उत्तर दिए।

पीएम मोदी के ...

लिए भी निशाना साधा कि केंद्र द्वारा नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लागू होने के बाद लाखों लोग असम में प्रवेश करेंगे। वे लोग कहां हैं? उन्होंने दावा किया कि सीएए में निर्धारित प्रावधानों के तहत नागरिकता मांगने के लिए पोर्टल पर केवल एक आवेदन डाला गया था। मुख्यमंत्री ने असम में सीएए विरोधी प्रदर्शनों का नेतृत्व करने वाले अखिल गोगोई और अन्य विपक्षी नेताओं से माफी की भी मांग की। सीएए विरोधी प्रदर्शनों के दौरान पांच निर्दोष लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि अखिल गोगोई जैसे लोगों को जानमाल के नुकसान के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। हिमंत शर्मा के मुताबिक पहले असमिया लोग गोलियों और ग्रेनेड की आवाज के बीच बिहू मनाते थे। अब हमने बोड़ो शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जबकि अल्फा कैडर भी मुख्यधारा में लौट आए हैं।

हीटवेव : पीएम मोदी ...

के पानी के संदर्भ में स्वास्थ्य क्षेत्र में तैयारियों की समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र, राज्य और जिला स्तर पर सरकार के सभी अंगों और विभिन्न मंत्रालयों को इस पर तालमेल के साथ काम करने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने अस्पतालों में पर्याप्त तैयारी के साथ-साथ जागरूकता सृजन पर भी जोर दिया। उन्होंने जंगल की आग का त्वरित पता लगाने और उसे बुझाने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। बैठक में प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव, गृह सचिव, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों ने भाग लिया।

विशेषाधिकार प्राप्त वंशावली को कानून के शासन के प्रति जवाबदेह बना दिया गया है : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि यह जानना सुखद है कि विशेषाधिकार प्राप्त वंशावली को कानून के शासन के प्रति जवाबदेह बना दिया गया है। उन्होंने कहा कि जब कानून ऐसे लोगों के करीब आता है, जिनके साथ बहुत अलग व्यवहार किया जाता था तो विरोध होना स्वाभाविक है। उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में प्रो. रमन मित्तल और डॉ. सीमा सिंह की पुस्तक *द लॉ एंड स्पिरिचुअलिटी: रीकनेक्टिंग द बॉन्ड* का विमोचन करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने भारत को दुनिया का आध्यात्मिक केंद्र बताया। उन्होंने आगे कहा कि भारत ने अपनी 5000 वर्षों की सभ्यता के साथ अपने कालजयी ग्रंथों, दार्शनिक ग्रंथों और सांस्कृतिक प्रथाओं के माध्यम से लगातार दुनिया में धर्म और अध्यात्म का संदेश प्रसारित किया है। कड़ी मेहनत से अर्जित की गई इस विरासत का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने सभी को यह प्रतिबिंबित करने की आवश्यकता व्यक्त की कि हम अपनी सदियों पुरानी विरासत को कैसे बनाए रख सकते हैं। कानून के शासन के पालन को लोकतंत्र का अमृत बताते हुए उपराष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि अगर कानून के समक्ष समानता नहीं है तो लोकतंत्र का कोई मतलब नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में देखे गए परिवर्तनकारी परिवर्तन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि अब हर कोई कानून के अधीन है। उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि किसी समाज में, जब कोई कानून का उल्लंघन करके बच जाता है, तो वह एकमात्र लाभार्थी होता है, लेकिन पूरा समाज पीड़ित होता है। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह, प्रो. रमन मित्तल और डॉ. सीमा सिंह और अन्य गण्यमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

आप की बात करना पाप है : मंत्री सिंगल

दरंग (हिंस)। असम सरकार के शहरी विकास मंत्री अशोक सिंघल ने आम आदमी पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि आप की बात करने से पाप लगेगा। सिंघल शुक्रवार को यहां एक चुनावी कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बात करना है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा की, असम और पूरे देश के विकास की, व्यापक पैमाने पर आम लोगों के लिए किए जा रहे सुधार के कार्यों की चर्चा करें। उन्होंने कहा कि आपकी कोई बात नहीं करें। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में अतिरिक्त ईवीएम मशीन देने की रिटर्निंग ऑफिसर से गुहार लगाएंगे, क्योंकि यहां हंड्रेड परसेंट भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में मतदान होगा।

प्रधानमंत्री मोदी 16 अप्रैल को दो दिवसीय दौरे पर आएंगे असम

गुवाहाटी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दो दिवसीय असम दौरे पर 16 अप्रैल को असम आएंगे। मोदी 17 अप्रैल को नलबाड़ी में जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता मनोज बरुवा ने शुक्रवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रधानमंत्री यहां 16 अप्रैल को पहुंचेंगे। 17 अप्रैल को प्रधानमंत्री निचले असम के नलबाड़ी में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। भाजपा प्रवक्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री के आगमन की तैयारियां व्यापक पैमाने पर की जा रही हैं। प्रधानमंत्री नलबाड़ी से ही पूरे असम की जनता को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा 400 से अधिक सीटें जीतकर तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनने के कार्यकर्ता जुटा है। भाजपा नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी की सभा में दो लाख से अधिक लोगों की भीड़ जुटने का दावा किया है। उल्लेखनीय है कि ऊपरी असम की पांच सीटों पर पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान होना है।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा आज डिमापुर में करेंगे सभा

कोहिमा (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 13 अप्रैल को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की चुनावी रैली में भाग लेने के लिए नगालैंड पहुंचेंगे। प्रदेश भाजपा के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा नगालैंड के मुख्य वाणिज्यिक शहर डिमापुर के निकटवर्ती चुमुकडिमा के एग्री एक्सपो में एक रैली को संबोधित करेंगे। नड्डा के कार्यक्रम के लिए व्यापक पैमाने पर तैयारियां की जा रही हैं। नगालैंड भाजपा के अध्यक्ष बेंजामिन येपथोमी राष्ट्रीय अध्यक्ष की रैली की तैयारियों को लेकर लगातार बैठकें कर रहे हैं। अध्यक्ष येपथोमी के आवास पर हुई बैठक में पार्टी के कई नेताओं ने भाग लिया। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की यात्रा के लिए आवश्यक प्रोटोकॉल और अन्य आवश्यक व्यवस्था करने पर विचार-विमर्श किया गया। जानकारी के अनुसार जेपी नड्डा 13 अप्रैल को दोपहर लगभग 12:45 बजे डिमापुर हवाई अड्डे पर उतरेंगे। वे नगालैंड में एनडीए के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। उसके बाद एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लेंगे। उल्लेखनीय है कि नगालैंड की एकमात्र सीट के लिए मतदान 19 अप्रैल को होना है। वोटों की गिनती 4 जून को होगी। वर्ष 2019 के चुनाव में यहां से नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) के उम्मीदवार तोखेहो येपथोमी विजयी हुए थे।

पूसीरे ने माल अनलोडिंग में निरंतर प्रगति की

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) माल अनलोडिंग में निरंतर वृद्धि दर्ज कर रही है। मार्च, 2024 के दौरान पूसीरे द्वारा मालगाड़ी के 1306 रेकों की अनलोडिंग की गई। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने बताया कि पूसीरे द्वारा बीते महीने फरवरी में अनलोड किए गए 1238 रेकों की तुलना में यह लगभग 5.49 फ़ीसदी अधिक है। वास्तव में, पूसीरे ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान मालगाड़ियों के कुल 14056 रेक अनलोड किए हैं। पूसीरे ने उक्त महीने के दौरान एफसीआई चावल, चीनी, नमक, खाद्य तेल, खाद्यान्न, उर्वरक, सीमेंट, कोयला, सब्जियां, ऑटो, टैंक, कंटेनर और अन्य वस्तुओं का परिवहन किया है और इसे अपने क्षेत्राधिकार के विभिन्न गुड्स शेडों में अनलोड किया है। चालू वर्ष के मार्च माह के दौरान असम में मालगाड़ियों के कुल 746 रेक अनलोड किए गए, जिनमें से 367 आवश्यक वस्तुओं से लोड थे। उक्त महीने के दौरान त्रिपुरा में 106 रेक, नगालैंड में 24 रेक, अरुणाचल प्रदेश में 9 रेक, मणिपुर में 2 रेक और मिजोरम में 7 रेक अनलोड किए गए। इसके अलावा, पूसीरे के क्षेत्राधिकार के अधीन उसी महीने में पश्चिम बंगाल में 230 और बिहार में 182 फ्रेट रेकों को भी अनलोड किया गया। आवश्यक और अन्य वस्तुओं का नियमित रूप से परिवहन न केवल आम लोगों की जरूरी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, बल्कि क्षेत्र की स्थानीय आर्थिक गतिविधि को चालू और विकसित रखने के लिए भी किया जा रहा है। उन्नत टर्मिनल हैंडलिंग सुविधाओं और अधिक गुड्स शेडों के चालू होने से ग्राहकों और अन्य स्टेकधारकों के लिए सीमित समय सीमा के भीतर आवक रेकों को उतारने और खाली करने के लिए अनलोडिंग का कार्य अधिक सुविधाजनक हुआ है।

असम बंगाली युवा छात्र फेडरेशन का आमसभा आयोजित

कोकराझाड़ (विभास)। जिले के केसीए के भावन में आज सारा असम बंगाली युवा छात्र फेडरेशन का एक आम सभा का आयोजन किया गया। यह सभा असम बंगाली युवा छात्र फेडरेशन के बीटीआर क्षेत्रीय समिति के महासचिव इंद्रजीत देबनाथ की अध्यक्षता में जिला समिति और आंचलिक समिति को लेकर आयोजित किया गया। इस सभा में लोकसभा चुनाव को लेकर बंगाली लोगों के भूमिकाओं पर विस्तार से चर्चा किए गए। इस सभा में सर्वसम्मति से प्रस्ताव लिया गया कि जो राजनीतिक दल बंगाली जाति के हक में काम करेगा फेडरेशन उस दल का समर्थन करेगा। इस सभा में असम बंगाली युवा छात्र फेडरेशन के कोकराझाड़ जिले के मुख्य सालाहकार के रूप में फनी पंडित, कानूनी सालाहकार संजय देबनाथ, सहसचिव के रूप में उज्जल बर्मन को लिया गया।

ब्रह्मपुत्र में 17 फीट की ऊंचाई पर बनाई शिव की मूर्ति

बिश्वनाथ (हिंस)। ब्रह्मपुत्र नद में बिश्वनाथ घाट पर एक लैंप पोस्ट, जो लगभग 200 वर्षों से जाना जाता है, को एक विशिष्ट पहचान मिली। लैंप पोस्ट आकर्षण का केंद्र रहा है। लेकिन, कुछ साल पहले, यह लैंप पोस्ट ब्रह्मपुत्र की शक्तिशाली धारा के कारण अर्ध-जीर्ण-शीर्ण अवस्था में था। इस 17 फुट ऊंचे गुंबद पर शिव मूर्ति का निर्माण शाइनिंग ग्रीन आसियान वेलफेयर फाउंडेशन की पहल पर आठ लाख रुपए की लागत से किया गया है।

बंगाईगांव में सोल्लास गणगौर विसर्जन संपन्न

बंगाईगांव। राजस्थान की गौरवशाली संस्कृति का प्रतीक एवं आस्था और पारिवारिक सौहार्द्र के लोकपर्व गणगौर उत्सव विसर्जन के साथ सम्पूर्ण हुआ। ज्ञात हो कि होली के दूसरे दिन से प्रारंभ होकर 16 दिनों तक भगवान शिव पार्वती के रूप में ईशर गणगौर की पूजा विभिन्न लोकगीतों के साथ घरों में बड़े धूमधाम से की जाति है। बंगाईगांव के पास आई नदी के घाट पर मारवाड़ी समाज की महिलाओं एवं युवतियों ने बड़े धूमधाम से हर्षोल्लास के साथ गणगौर का विसर्जन किया। सभी गणगौर की पूजा करने वाली महिलाओं एवं युवतियों ने एक से बढ़कर एक मनमोहक ढंग से ईशर गणगौर को सजाकर घाट पर विसर्जन के लिए उपस्थित हुई थी। गणगौर को विसर्जन करने के पहले महिलाओं ने जल, दूध, रोली, मोली, हल्दी, काजल व प्रसाद सहित अन्य पूजन सामग्री अर्पित की। सोलह दिनों तक शिव पार्वती के रूप में गणगौर की पूजा अर्चना करने के बाद बृहस्पतिवार को ईशर गणगौर को रीति रिवाज तथा विदाई गीतों के साथ नदी में विसर्जन किया गया। यह गणगौर की पूजा सुहागिनों एवं नवविवाहिताओं द्वारा सोलह श्रृंगार कर अखंड सुहाग के लिए और युवतियां अपने लिए अच्छा वर पाने के लिए करती हैं। घाट का दृश्य देखने लायक था जब समाज की स्त्रियां एवं युवतियों पारंपरिक परिधान में परीलक्षित हो रही थी। इस मौके पर उपस्थित सभी ने जमकर सेल्फी ली। इस अवसर पर अच्छी संख्या में पुरुष एवं बच्चे भी घाट पर उपस्थि थे। सभी ने एक दूसरे को गणगौर की शुभकामनाएं दी तथा अगले वर्ष भी इसी तरह उल्लास से गणगौर उत्सव मनाने के लिए भगवान से आशीर्वाद मांगा ।

भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला बारूद की बरामदगी का सिलसिला लगातार जारी है। इसी सिलसिले में भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद संयुक्त सुरक्षा बलों के अभियान में बरामद किया गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि सुरक्षा बलों द्वारा पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र प्रभुत्व चलाया गया। तलाशी अभियान के दौरान एक .303 एलएमजी लोकल, एक मैगजीन के साथ एक राइफल, दो स्थानीय निर्मित सिंगल बैरल, सात बिना डेटोनेटर के 36 हैंड ग्रेनेड, चार स्मोक ग्रेनेड, आठ 2 इंच मोटर शेल, एक ग्रेनेड प्रोजेक्टर, दो ट्यूब लांचिंग, पांच ग्रेनेड रिंग, तीन .303 चार्जर, सात बीपी जैकेट और चार चावल के बैग हियांगलाम लुकाक यांगबी क्षेत्र, काकचिंग जिले से बरामद किया गया।

रंगिया में भी गणगौर उत्सव पर निकली बंदोरियां

रंगिया (निसं)। राजस्थान का प्राचीन लोकपर्व और राजस्थानी कला संस्कृति की अनूठी परंपरा और सौंदर्य का पर्व गणगौर उत्सव रंगिया में भी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर गाए जाने वाले सुमधुर लोकगीत इस लोकोत्सव की रौनक में चार चांद लगाते दिखाई पड़े। शहर में जगह-जगह बंदोरियां निकाली गई। ईशर-गोरा के गाए जाने वाले इन लोकगीतों पर मारवाड़ी महिलाएं खूब झूमती नजर आई। विवाहित महिलाओं ने कुंडों में सजाई शिव पार्वती, माली मालन की छोटी-छोटी मूर्तियां और उनका अलौकिक श्रृंगार किया, जैसे कि यह मूर्तियां बोल रही थी। करीब 16 दिन की पूजा के बाद गत बृहस्पतिवार को गणगौर का विधिवत विसर्जन हुआ। विसर्जन शहर के छठ पूजा घाट पर किया गया। स्थानीय श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर परिसर में मेले का माहौल देखा गया और रंग-बिरंगे परिधान पहनकर महिलाएं, युवती, बच्चे मेले का आनंद लेते नजर आए। उल्लेखनीय है कि गणगौर एक ऐसा लोक पर्व है, जो होली के दूसरे दिन से ही शुरू हो जाता है और चैत्र नवरात्र के तीसरे दिन तक मनाया जाता है। पर्व से जुड़ी पौराणिक कथा के अनुसार मां पार्वती ने शिव को पति के रूप में पाने के लिए घोर तपस्या की थी। उनके कठोर तप से प्रसन्न होकर महादेव शिव ने उनसे वरदान मांगने को कहा था और मां पार्वती ने वरदान में उनको पति रूप में प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त की थी। शिव पार्वती के विवाह के रूप में वह वरदान फलित हुवा था। कहा जाता है कि इसी दिन भगवान शिव ने मां पार्वती को तथा मां पार्वती ने गौर माता के रूप में सुहागिन स्त्रियों को अखंड सौभाग्य का वरदान दिया था। तभी से कुंआरी कन्याओं द्वारा इच्छित वर पाने की कामना से और सुहागिनों द्वारा पति की दीर्घायु व सुखी स्वस्थ पारीवारिक जीवन की प्रार्थना से इस व्रत पर्व की परंपरा शुरू हो गई जो आज तक अनवरत जारी है।

मायुमं, नगांव समृद्धि शाखा ने गणगौर के उपलक्ष्य पर की प्रतियोगिताएं

नगांव (निसं)। राजस्थानी लोक संस्कृति के आस्था व उल्लास का पर्व गणगौर वृहस्पतिवार को नगांव में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। होलिका दहन के दूसरे दिन से प्रारंभ इस पर्व को नवविवाहिता महिला और कुंवारी कन्याओं ने धूमधाम से अपने अपने घरों में मनाया। वृहस्पतिवार को सुबह से ही महिलाओं-युवतियों व नव विवाहितों द्वारा घरों में ईसर और गवरजा (शिव पार्वती) की पूजा करते देखा गया ड्ड इसी अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच नगांव समृद्धि शाखा एवं नगांव शाखा ने संयुक्त रूप से स्थानीय श्री कृष्णाश्रम शिव मंदिर प्रांगण में विशेष रूप से कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। जिसके अंतर्गत सास बहू की जोड़ी, सबसे सुंदर बहू, बेटी, एवं सर्वश्रेष्ठ गणगौर सजावट हेतु प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में काफी संख्या में महिलाओं एवं युवतियों ने अंश ग्रहण किया। निर्णायक मंडली की सदस्य ललिता शोभासरिया एवं कुमकुम सोनी ने काफी सोच विचार कर अंक आधार पर अपना निर्णय दिया। दोनों निर्णायको का समृद्धि शाखा की ओर से फुलाम गमोछा पहनाकर अभिनंदन किया। सास बहू की जोड़ी का प्रथम पुरस्कार मानसी बजाज एवं सरिता बजाज को, द्वितीय पुरस्कार प्रियंका एवं उषा जाजोदिया को दिया गया। गणगौर सजावट हेतु प्रथम पुरस्कार गणगौर की साखियां टीम (वर्षा भातरा दत्त, रितिका माहेश्वरी, मधु पारिक) को द्वितीय पुरस्कार जया खेतान तृतीय पुरस्कार मानसी अग्रवाल को दिया गया। राजस्थानी वेशभूषा में सजी सर्वश्रेष्ठ बहू का प्रथम पुरस्कार जया खेतान, द्वितीय मानसी अग्रवाल, तृतीय पुरस्कार गरिमा आलमपुरिया चांदगोठिया ने प्राप्त किया। इसी कड़ी में सर्वश्रेष्ठ बेटी का प्रथम पुरस्कार गिरिजा खेतावत, द्वितीय मधु पारीक एवं तृतीय पुरस्कार अर्चना अग्रवाल को मिला। सभी विजेताओं को मारवाड़ी युवा मंच समृद्धि शाखा एवं नगांव शाखा की ओर से पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर समृद्धि शाखा की काफी मात्रा में सदस्याएं उपस्थित थी। समृद्धि शाखाध्यक्ष ममता सिंघी व सचिव सपना पेड़ीवाल ने सभी विजेताओं को बधाई प्रेषित की है एवं कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी सदस्याओ का आभार व्यक्त किया है। इस आशय की जानकारी समृद्धि शाखा की जनसंपर्क अधिकारी पिंकी नागरका द्वारा दी गई है।

100 युवा कलाकारों ने *सनराइज होइते बिहू अदोरुगोई बोला* गीत पर किया नृत्य

गुवाहाटी। बिहू नृत्य की जीवंत भावना को प्रस्तुत करते हुए 100 युवा कलाकारों के मनमोहक प्रदर्शन के माध्यम से आज जीएस रोड स्थित सिटी सेंटर परिसर में संस्कृति का बेजोड प्रदर्शन किया गया, जिसे देख उपस्थित लोग स्वयं भी झूमने लगे। यह आयोजन आईटीसी सनराइज स्पाइसेस के बिहू विशेष गीत *सनराइज होइते बिहू अदोरुगोई बोला* की मधुर लय पर पूरी तरह से समन्वित प्रदर्शन था। प्रसिद्ध असमिया संगीतकार बिजय शंकर दास द्वारा रचित, संगीत वीडियो विशेष रूप से बिहू की भावना का जश्न मनाने के लिए बनाया गया था। रितिशा शर्मा, नितुल दधोरा द्वारा गाया गया। इसमें प्रसिद्ध असमिया अभिनेता मधुस्मिता धिहिंग्या और प्रतिभाशाली नील तमुली भी हैं। संगीत वीडियो को नीचे दिए गए लिंक पर देखा व सुना जा सकता है

वृहत्तर पल्टन बाजार रंगाली बिहू सम्मेलन का सांस्कृतिक कार्यक्रम आज

गुवाहाटी। वृहत्तर पल्टन बाजार रंगाली बिहू सम्मेलन प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी 13, 14 और 15 अप्रैल को रंगारंग कार्यक्रम के साथ रंगाली बिहू का आयोजन कर रही है। इस सिलसिले में सम्मेलन के अध्यक्ष पंकज कलिता व महासचिव किशन चौधरी का कहना है कि वृहत्तर पल्टन बाजार रंगाली बिहू सम्मेलन इस वर्ष अपना 46 वां साल मना रहा है। उन्होंने कहा कि वृहत्तर पल्टन बाजार रंगाली बिहू सम्मेलन पुराने बिहू सम्मेलन की सूची में भी शामिल है। 13 अप्रैल सुबह 10 बजे बिहू सम्मेलन का झंडोत्तोलन विशिष्ठ लेखिका व साहित्यिक सुमती डेका करेंगी। सुबह 10.30 बजे स्मृति तर्पण सम्मेलन के पंकज कलिता करेंगे। इस मौके पर एक पदयात्रा भी निकाली जाएगी। इस बीच बच्चों के लिए चित्रांकन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। शाम 7.30 बजे से सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का उद्घाटन विशिष्ठ कलाकाल व बिहू नृत्य विशारत गीताश्री डेका करेंगी। वहीं 14 अप्रैल की शाम 7.30 बजे से आरंभ सांस्कृतिक कार्याक्रम में विशिष्ठ कलाकार अंशुमन देवान और प्रणिता तालुकदार अपनी प्रस्तुति देंगे। 15 अप्रैल को आयोजित सांस्कृतिक संध्या में डोली तालुकदार अपने सुरों से समां बाधेगी। इस मौके पर विशिष्ठ अतिथि के रुप में गुवाहाटी सासंद क्वीन ओजा, विशिष्ठ अतिथि में श्रीमंत शंकर कृष्टि विकास समिति के अध्यक्ष दिनेश चंद्र दत्त, महासचिव कुलजीत बरुवा, सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष कृष्ण सोनोवाल, विशिष्ठ समाजसेवी देवाशिष सेन गुप्ता, राज्य के लोकप्रिय फुटबॉलर गिलवार्डसन संगमा और मलंग आउ उपस्थित रहेंगे।

अपोलो एक्सेलकेयर अस्पताल में पूर्वोत्तर में पहली बार दुर्लभ कार्डियक सर्जरी का प्रदर्शन

गुवाहाटी। स्वास्थ्य देखभाल में उत्कृष्टता की निरंतर खोज में अपोलो एक्सेलकेयर हॉस्पिटल ने हाल ही में एक बहुत ही दुर्लभ और जटिल कार्डियक सर्जरी का प्रदर्शन किया, जिसने क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा में एक नया मानदंड स्थापित किया। ओजाकी प्रक्रिया का उपयोग करके जटिल वाल्व मरम्मत सर्जरी डॉ. मनुज सैकिया और डॉ. इंतेखाब आलम के नेतृत्व में अपोलो एक्सेलकेयर अस्पताल की सीटीवीएस टीम द्वारा डॉ. बिभाष भगवती, डॉ. अजॉय कुमार डेका, डॉ. एनेस्थेटिस्ट की टीम के सहयोग से की गई थी। नबरूप दत्ता बरुवा और परफ्यूजनिस्ट-सयान विश्वास सीटीवीएस ओटी और आईसीयू के समर्पित नर्सिंग स्टाफ के साथ। पूरे पूर्वी भारत में इस तरह का मामला सामने आने का यह पहला मामला है। मीडिया से बातचीत के दौरान डॉ. सुरिंदर भाटिया डॉ. सीमा कुंवर और मानस दास भी मौजूद थे। मरीज, डिब्रूगढ़, असम की एक 19 वर्षीय लड़की अस्पताल में आई और पिछले छह महीनों से सांस लेने में कठिनाई, घबराहट और सीने में अत्यधिक परेशानी की शिकायत कर रही थी। पूरी तरह से मूल्यांकन करने पर, उसके हृदय में बाईं और के वाल्व के एक प्रतिबंधित उद्घाटन का पता चला, जिसे महाधमनी वाल्व के रूप में जाना जाता है। इस स्थिति को गंभीर महाधमनी स्टेनोसिस के रूप में जाना जाता है, जिसका अगर लंबे समय तक इलाज नहीं किया जाता है, तो दिल की विफलता हो जाति है और सामान्य जीवन जीना और सामान्य नियमित गतिविधियां करना असंभव हो जाता है। मुख्य कार्डियक सर्जन डॉ. मनुज कुमार सैकिया ने कहा कि परंपरागत रूप से ऐसी स्थितियों में मूल रोगग्रस्त वाल्व को हटा दिया जाता है और एक यांत्रिक वाल्व प्रत्यारोपित किया जाता है और इन रोगियों को जीवन भर रक्त पतला करने वाली दवाएं लेनी पड़ती हैं। चूंकि मरीज युवा है और अभी भी अविवाहित है, हमने मरीज के लिए ओजाकी प्रक्रिया सफलतापूर्वक की। इस प्रक्रिया में, रोगी के

स्वयं के ऊतक (पेरीकार्डियम) का उपयोग करके वाल्व की मरम्मत की गई थी। इससे मरीज को जीवनभर खून पतला करने वाली दवाएं लेने की जरूरत नहीं पड़ती। रक्त को पतला करने वाली ऐसी दवाएं लेने से जुड़े सभी जोखिम जैसे जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाला रक्तस्राव और गर्भावस्था के दौरान संभावित जटिलताएं, बच्चे में टेराटोजेनिसिटी अब इस नई प्रक्रिया के कारण दूर हो गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान में प्रतिस्थापन के लिए बाजार में दो प्रकार के वाल्व उपलब्ध हैं। एक मैकेनिकल है जो पायरोलाइटिक कार्बन से बना है और दूसरा बायो-प्रोस्थेसिस है जो जानवरों के ऊतकों से बना है। जहां मैकेनिकल वाल्व के रोगियों को आजीवन रक्त पतला करने वाली दवा पर रखना पड़ता है, वहीं 55 से 60 वर्ष से अधिक उम्र के रोगियों में बायो-प्रोस्थेसिस प्रत्यारोपित किया जाता है। इनमें से कोई भी वाल्व इस रोगी को प्रत्यारोपित नहीं किया जा सका क्योंकि उसके मूल वाल्व का कुंडलाकार आकार उसके शरीर की सतह के क्षेत्र की तुलना में छोटा था और छोटे आकार के वाल्व उपलब्ध नहीं हैं।

सीधी लोकसभा क्षेत्र की चुनावी सभा में बोले जेपी नड्डा- बौखला गए हैं ये घमंडिया गठबंधन वाले

सीधी, (हि.स.)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि ये घमंडिया गठबंधन वाले बौखला गए हैं, इनको हार सामने दिख रही है। बौखलाहट में ये मोदी जी को पता नहीं क्या-क्या गालियां दे रहे हैं। कल मीसा भारती ने कहा कि 'हमारी सरकार आएगी तो हम मोदी को जेल भेज देंगे।' मोदी जी 12 साल मुख्यमंत्री रहे और 10 साल से प्रधानमंत्री हैं, उन पर एक भी दाग नहीं है और ये लोग उनके लिए इस तरह की भाषा का प्रयोग करते हैं। भाजपा अध्यक्ष नड्डा शुक्रवार को मध्यप्रदेश के सीधी लोकसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार डॉ. राजेश मिश्रा के समर्थन में बहरी सिंहावल में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान कांग्रेस पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के जमाने में पनडुब्बी घोटाला, चीनी घोटाला, चावल घोटाला, कॉमनवेल्थ घोटाला, कोयला घोटाला हुआ, हेलीकॉप्टर वेस्टलैंड घोटाला, 2जी, 3जी का घोटाला हुआ। कांग्रेस ने न अंतरिक्ष छोड़ा, न धरती छोड़ी और न पाताल, तीनों लोक में घोटाला किया। इंडी घमंडिया गठबंधन में सभी भ्रष्टाचारी एक जगह इकट्ठा हो गए। इनके आधे नेता बेल पर हैं या जेल में हैं। उन्होंने पूछा कि क्या राहुल गांधी बेल पर नहीं है, क्या अरविंद केजरीवाल जेल में नहीं है? नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश के 10 करोड़ 74 लाख परिवारों, यानी 55 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत योजना के

तहत हर वर्ष पांच लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा दी है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत पूरे देश में 11 करोड़ 30 लाख कनेक्शन दिए गए। जिनमें से 55 लाख कनेक्शन मध्य प्रदेश में और 1.60 लाख कनेक्शन यहां सीधी में दिए गए। मोदी जी ने पिछले 10 साल में गांव, गरीब, वंचित, पीड़ित, शोषित, दलित, युवा, महिला और किसान सबकी चिंता की है, सबको आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में अमेरिका जैसे देश की भी आर्थिक स्थिति लड़खड़ा रही है। आज सारे यूरोप, जापान और ऑस्ट्रेलिया की भी आर्थिक स्थिति लड़खड़ा रही है लेकिन आईएमएफ को सबसे सुनहरा भविष्य भारत का दिख रहा है। आज भारत 11वें से पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था बन चुका है। अब मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद 2027 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले राजनीति लोगों को बांटकर होती थी। कांग्रेस ने लंबे समय तक भाई-भाई को बांटा। वोट बैंक की राजनीति की, फिर वोट लेने के बाद सरकार किसी जाति, समुदाय या वर्ग की बन जाती थी, वह सबकी सरकार नहीं होती थी, लेकिन मोदी जी ने पिछले 10 वर्षों में भारत की राजनीति की परिभाषा बदल डाली है। अब राजनीति होगी, तो केवल विकास और रिपोर्ट कार्ड की होगी। अब काम की बात पर चुनाव हो रहा है। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि आज दवाइयां और मोबाइल भारत में ही बन रहे हैं। पहले मोबाइल पर मेड इन चाइना लिखा होता, अब मेड इन इंडिया लिखा होता है। पहले गणेशजी भी चाइना से आते थे। अब आप जो गणेशजी लाकर दिवाली पर लाकर पूजा करते हैं, वो भारत में बन रहे हैं। आज भारत दुनिया को खिलौने बेच रहा है, जबकि पहले चीन के खिलौने आते थे। मध्य प्रदेश में 1 लाख 65 हजार किलोमीटर हाईवे बन गए हैं। गांव-गांव तक इटरनेट पहुंचाने के लिए फाइबर लाइनें बिछाई गईं। रेल से लेकर हवाई संपर्क भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले पाकिस्तान जब पुंछ में गोली चलता था तो वो नगरोटा सेंटर पर रिपोर्ट करते थे। नगरोटा चंड़ी मंदिर को रिपोर्ट करता था और चंड़ी मंदिर दिल्ली में रिपोर्ट करता था और वहां से आदेश आता था अभी रुको, अभी रुको। जब से मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, आपके यहां से गए हुए जवान को आदेश है, जहां गोली चले, वहीं भून डालो। हमारे जवानों ने सर्जिकल स्ट्राइक किया। पुलवामा की घटना पर प्रधानमंत्री ने खुले मंच से कहा था कि पाकिस्तान तुमने गलती कर दी है, खामियाजा तो भुगतना पड़ेगा। फिर 10 दिन के अंदर एयर स्ट्राइक करके हमारी सेना ने पाकिस्तान में घुसकर जितने हमारे खिलाफ चल रहे थे, सभी को ध्वस्त कर दिया। देश हर दृष्टि से आगे बढ़ रहा है। इसलिए ये नारा सही है अबकी बार 400 पार।

आप भरोसा कीजिए, मैं 60 वर्षों की समस्या का समाधान करके दिखाऊंगा : मोदी

उधमपुर, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को उधमपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बहुत जल्द जम्मू-कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव होंगे और जम्मू-कश्मीर को वापस राज्य का दर्जा मिलेगा। अब तक जो हुआ वह केवल ट्रेलर था, मुझे तो नए जम्मू कश्मीर की नई और शानदार तस्वीर बनाने में जुट जाना है। मोदी विकसित भारत के लिए जम्मू-कश्मीर के निर्माण की गारंटी दे रहा है लेकिन कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी, जम्मू-कश्मीर को फिर उन पुराने दिनों की तरफ ले जाना चाहती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सत्ता के लिए पूर्व सरकारों ने जम्मू-कश्मीर में 370 की दीवार बनाई थी। यहां के नेताओं ने लोगों में खौफ भर दिया था लेकिन मोदी ने अनुच्छेद 370 की दीवार को ध्वस्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह लोग कहते थे कि 370 हटी तो आग लग जाएगी, जम्मू कश्मीर हमें छोड़कर चला जाएगा लेकिन जम्मू-कश्मीर की जनता ने इन्हें आईना दिखाते हुए इनको इनकी असलियत बता दी। यही लोग अब जम्मू-कश्मीर के बाहर देश के लोगों के बीच भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैंने आपसे कहा था कि आप मुझ पर भरोसा कीजिए, मैं 60 वर्षों की समस्या का समाधान करके दिखाऊंगा। तब मैंने यहां माताओं-बहनों के सम्मान की गारंटी दी थी, गरीब को दो वक्त के खाने की चिंता न करनी पड़े, इसकी गारंटी दी थी। आज जम्मू-कश्मीर के लाखों

परिवारों के पास अगले पांच साल तक मुफ्त राशन की गारंटी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं भारत के किसी भी राजनीतिक दल, विशेषकर कांग्रेस को चुनौती देता हूं कि वे घोषणा करें कि वे अनुच्छेद 370 को वापस लाएंगे, यह देश उनकी ओर देखेगा भी नहीं। उन्होंने कहा कि इन परिवारवादी पार्टियों ने जम्मू कश्मीर का जितना नुकसान किया, उतना नुकसान किसी ने नहीं किया। जम्मू-कश्मीर अब पर्यटन के साथ स्टार्टअप के लिए जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विकास और विरासत विरोधी है। कांग्रेस और उनका गठबंधन राम मंदिर का विरोध करता रहा, तुष्टिकरण की राजनीति कर एक बड़े वर्ग को चिढ़ाता रहा। वर्षों तक लोगों ने अपनी ही आस्था के लिए क्या-क्या नहीं झेला। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के नेता बड़े-बड़े बंगलों में रहते थे लेकिन जब रामलला का टेंट बदलने की बात आती थी, तो लोग मुंह फेर लेते थे, अदालतों की धमकियां देते थे। बारिश में रामलला का टेंट टपकता रहता था और रामलला के भक्त टेंट बदलवाने के लिए अदालतों के चक्कर काटते रहते थे। राम मंदिर चुनावी मुद्दा न था, न होगा, ये मुद्दा तो भाजपा के जन्म से पहले का है। उन्होंने कहा कि जम्मू हो या कश्मीर अब यहां रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक और श्रद्धालु आने लगे हैं। ये सपना यहां की अनेक पीढ़ियों ने देखा है और मैं आपको गारंटी देता हूं कि आपका सपना, मोदी का संकल्प है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 10 साल के अंदर-अंदर जम्मू कश्मीर पूरी तरह बदल चुका है। सड़क, बिजली, पानी, यात्रा, प्रवास ये सब तो है ही लेकिन सबसे बड़ी बात है कि जम्मू कश्मीर का मन बदला है। जनता निराशा से आशा की ओर बढ़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को उधमपुर-कठुआ-डोडा के भाजपा प्रत्याशी डॉ. जितेंद्र सिंह के पक्ष में प्रचार करने पहुंचे थे। उनका स्वागत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र रैणा ने डोगरी पगड़ी व मंच पर मौजूद महिलाओं ने चुनरी पहनाकर किया।

बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे बम धमाके के आरोपितों की गिरफ्तारी पर बंगाल में राजनीतिक तूफान

कोलकाता, (हि.स.)। बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट मामले के दोनों मुख्य आरोपितों को पश्चिम बंगाल के कांथी से गिरफ्तार किए जाने को लेकर बंगाल में राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया है। एक तरफ भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया है कि पश्चिम बंगाल आतंकवादियों के लिए सबसे सुरक्षित पनाहगाह बन चुका है तो दूसरी तरफ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इनकी गिरफ्तारी की क्रेडिट लेने की कोशिश की है। कूचबिहार में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता ने इन दोनों की गिरफ्तारी का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बंगाल में छिपने के लिए दो लोग आए थे लेकिन दो घंटे के अंदर हमने उसे गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने कहा कि एनआईए के साथ पश्चिम बंगाल पुलिस ने मिलकर दोनों को गिरफ्तार किया है। बंगाल में जो लोग छुपे थे

उन्हें दो घंटे के अंदर पुलिस ने ढूंढकर गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेंगलुरु में बम ब्लास्ट हुआ था। वे दोनों कर्नाटक के रहने वाले हैं। बंगाल के लोग नहीं है। बंगाल में छिपे हुए थे। इसके बाद भाजपा पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि हम लोगों ने उन दोनों को पकड़ा है और वे (भाजपा) कह रहे हैं कि बंगाल सुरक्षित नहीं है। तब क्या गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार सुरक्षित है। सच्चाई ये है कि बंगाल के लोग शांति से रहते हैं जो भाजपा को बर्दाश्त नहीं होता।

मनीष सिसोदिया की अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई

ईडी और सीबीआई से 20 अप्रैल तक जवाब तलब

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले के आरोपित और दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए ईडी और सीबीआई को नोटिस जारी किया है। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने ईडी और सीबीआई को 20 अप्रैल तक जवाब दाखिल करने का आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई 20 अप्रैल को होगी। मनीष सिसोदिया ने लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत की मांग की है। सिसोदिया ने सीबीआई और ईडी दोनों के मामले में अंतरिम जमानत की मांग की है। आज ही कोर्ट ने दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े सीबीआई के मामले में मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 24 अप्रैल तक बढ़ाने का आदेश दिया है। आज सीबीआई के मामले में सिसोदिया की न्यायिक हिरासत खत्म हो रही थी, जिसके बाद उन्हें वीडियो कान्फ्रेंसिग के जरिये कोर्ट में पेश किया गया। सिसोदिया ने कोर्ट में नियमित जमानत याचिका भी दायर की है, जो लंबित है। नियमित

जमानत याचिका पर 15 अप्रैल को सुनवाई होनी है। 10 अप्रैल को नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा था कि कोर्ट को ये तय करने की जरूरत है कि क्या मुकदमा काफी धीमी गति से आगे बढ़ रहा है। ईडी ने कहा था कि कोर्ट अभी इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकता कि सिसोदिया दोषी नहीं है। ईडी ने इस मामले में मनीष सिसोदिया को 9 मार्च, 2023 को पूछताछ के बाद तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। सिसोदिया को पहले सीबीआई ने 26 फरवरी, 2023 को गिरफ्तार किया था। इस मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री न्यायिक हिरासत में हैं जबकि आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी है।

दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने का षड्यंत्र रच रही है भाजपा-आतिशी

नई दिल्ली, (ईएमएस)। दिल्ली शराब घोटाले में तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल की मुशिकलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं वही अब आम आदमी पार्टी ने आज दावा किया कि आने वाले दिनों में दिल्ली में राष्ट्रपित शासन लगने जा रहा है। दिल्ली की केजरीवाल सरकार की मंत्री और पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने कहा है कि उन्हें सूत्रों से पता चला है कि दिल्ली की सरकार को गिराने के लिए यह दिखाने का प्रयास किया जा रहा है कि संवैधानिक संकट उत्पन्न हो गया है। शुक्रवार को एक पत्रकारवार्ता में आतिशी ने दावा किया कि केजरीवाल सरकार को गिराने और राष्ट्रपति शासन लगाने की साजिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमें विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि आने वाले कुछ दिनों में केंद्र सरकार दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने की तैयारी में है। इसके कई संकेत पिछले कुछ दिनों से देखने को मिल रहे हैं। दिल्ली में अफसरों की पोस्टिंग नहीं की जा रही है। कई विभाग में पद खाली है, लेकिन वहां किसी की तैनाती नहीं की जा रही है। एलजी साहब पिछले एक सप्ताह से गृह मंत्रालय को बिना किसी कारण बार-बार पत्र लिख रहे हैं। एलजी का कहना है कि आप के मंत्री बैठक में नहीं आ रहे हैं। दिल्ली सरकार में तैनात अफसरों ने आदर्श आचार संहिता का हवाला देकर बैठकों में शामिल होना बंद कर दिया है और वहीं 20 साल पुराने केस का बहाना बनाकर दिल्ली के मुख्यमंत्री के निजी सचिव को बर्खास्त कर दिया गया। दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाना गैर कानूनी होगा, गैर संवैधानिक होगा। दिल्ली की जनता के जनादेश के खिलाफ होगा। दिल्ली की जनता ने केजरीवाल को स्पष्ट जनादेश दिया है। यह साफ है कि संविधान के तहत किसी सरकार को बहुमत होते हुए राष्ट्रपति शासन नहीं लगाया जा सकता है। 2016 में जब उत्तराखण्ड में राष्ट्रपति शासन लगाया गया तो हाई कोर्ट ने फ्लोर टेस्ट का आदेश दिया था और बहुमत साबित होने के बाद राष्ट्रपति शासन के आदेश को खारिज कर दिया था। केजरीवाल सरकार के पास प्रचंड बहुमत है। यदि भाजपा राजनीतिक साजिश की कोशिश करती है तो वह गैर कानूनी और जनादेश के खिलाफ होगा। आतिशी ने आगे कहा, अरविंद केजरीवाल जेल में रहें या जेल से बाहर रहें वह दिल्ली के लोगों के लिए काम करते रहेंगे। उन्होंने दिल्ली की महिलाओं को जो एक हजार रुपये देने का वादा किया है कि वह मिल कर रहेगा, महिलाएं घबराएं नहीं। आतिशी ने दावा किया कि उनकी पार्टी के खिलाफ राजनीतिक षड्यंत्र चल रहा है। आम आदमी पार्टी, मंत्री और विधायक पद से राजकुमार आनंद का इस्तीफा और पार्टी छोड़ने को उसी षड्यंत्र का हिस्सा मान रही है।आम आदमी पार्टी कह रही है कि यह अप्रत्याशित घटना है।आप के अनुसार, ईडी से दबाव बनवाकर राजकुमार आनंद का इस्तीफा कराया गया है। आतिशी ने ये भी दावा किया है कि आने वाले कुछ दिनों में दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लग सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा दिल्ली में चुनाव नहीं जीत सकती है, इसलिए साजिश के तहत केजरीवाल की सरकार गिराने की कोशिश की जा रही है। दिल्ली सीएम केजरीवाल को झूठे आरोपों में केंद्र सरकार ने ईडी द्वारा गिरफ्तार करवाया है। क्योंकि भाजपा यह जानती है कि दिल्ली के लोग केजरीवाल को पसंद करते हैं और आम आदमी पार्टी को वोट देते हैं। भाजपा को पता चल गया है कि दिल्ली में चुनाव नहीं जीत सकते हैं, इसलिए चुनी हुई सरकार को गिराने की कोशिश में जुटे हैं।

दिल्ली के मुख्य सचिव व एक अन्य अधिकारी के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुआ मुकदमा

अल्मोड़ा, (हि.स.)। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अल्मोड़ा की अदालत ने दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार और उनके अधीनस्थ काम करने वाले अधिकारी वाईवीवीजे राजशेखर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश के बाद राजस्व पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। अदालत ने बीते 2 मार्च को अधिकारियों के खिलाफ एक गैर सरकारी संगठन प्लेजेंट वैली फाउंडेशन की शिकायत को स्वीकार किया था। साथ ही न्यायालय ने राजस्व पुलिस को उनके खिलाफ मामला दर्ज करने और आरोपों की जांच करने के आदेश भी दिए थे। शिकायतकर्ता प्लेजेंट वैली फाउंडेशन ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने 14 फरवरी को डांडा-कांडा गांव में एनजीओ द्वारा संचालित एक स्कूल में चार लोगों को भेजा। वहां पहुंकर इन लोगों ने एनजीओ के संयुक्त सचिव के कार्यालय कक्ष में तोड़फोड़ की और फाइलें, रिकॉर्ड, दस्तावेज और पेन ड्राइव अपने साथ ले गए, जिनमें कथित तौर पर घोटाले से जुड़े सबूत थे। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उन्हें सतर्कता विभाग और अन्य जगहों पर घोटालों से जुड़ी दर्ज कराई गई शिकायत को वापस लेने की धमकी दी गई है, ऐसा न करने पर एनजीओ के अधिकारियों को फंसाने की भी धमकी दी गई है। शिकायतकर्ता संस्था ने अपनी

शिकायत में आरोप लगाया कि अधिकारियों की ओर से भेजे गए लोगों ने टाइप किए गए दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर करने की भी कोशिश की। ये कागजात वे अपने साथ लाए थे। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाए थे कि जब उसने विरोध किया तो वे लोग दराज में रखी 63,000 रुपये की नकदी भी लेकर चलते बने। इधर, अल्मोड़ा के जिला मजिस्ट्रेट विनीत तोमर ने कहा कि अधिकारियों के खिलाफ मामला अल्मोड़ा के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर गोविंदपुर के राजस्व पुलिस उप-निरीक्षक द्वारा दर्ज किया गया। राजस्व पुलिस ने दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार और अन्य के खिलाफ आईपीसी और एससी एक्ट की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

के. कविता की सीबीआई हिरासत की मांग पर अदालत ने फिलहाल फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने बीआरएस नेता के. कविता की पांच दिन की हिरासत की सीबीआई की मांग पर फैसला सुरक्षित रख लिया। स्पेशल जज कावेरी बावेजा आज ही फैसला सुनाएंगी। सीबीआई ने कविता को 11 अप्रैल को गिरफ्तार किया था। सीबीआई के मुताबिक दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में के. कविता भी साजिश में शामिल थी। इसके पहले के. कविता आबकारी घोटाला मामले के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में न्यायिक हिरासत में थी। सीबीआई ने इस मामले में कविता से 6 अप्रैल को न्यायिक हिरासत में पूछताछ की थी। पांच अप्रैल को कोर्ट ने सीबीआई को के. कविता से न्यायिक हिरासत में पूछताछ की अनुमति दी थी। ईडी ने कविता को 15 मार्च को हैदराबाद से गिरफ्तार किया था। ईडी के मुताबिक इंडोस्पिरट्स के जरिये 33 फीसदी लाभ कविता को पहुंचता था। कविता शराब कारोबारियों की लॉबी साउथ ग्रुप से

जुड़ी हुई थीं। ईडी ने कविता को पूछताछ के लिए दो समन भेजे लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज कर दिया और पेश नहीं हुईं। इसके बाद छापेमारी कर उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

उज्जैन के उन्हेल में लगे इजराइल के खिलाफ नारे, एसपी ने दिए जांच के आदेश

उज्जैन, (हि.स.)। उज्जैन जिले के उन्हेल में इजराइल के खिलाफ नारेबाजी का वीडियो सामने आया है। 35 सेकंड के इस वीडियो में लोग ह्यइजराइल तू बर्बाद होगाह्न नारे लगाते सुनाई दे रहे हैं। ये वीडियो गुरुवार का है। ईद की नमाज के बाद धर्म विशेष के लोगों ने यह नारेबाजी की गई। हिन्दू संगठनों की मांग पर उज्जैन पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने इस मामले में जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ गलत हुआ है, तो केस दर्ज किया जाएगा। दरअसल, गुरुवार को देश के साथ ही मध्य प्रदेश में भी ईद का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान उज्जैन जिले के उन्हेल में ईद की नमाज के बाद कुछ लोगों ने इजराइल तू बर्बाद होगा के नारे लगाए। इसका वीडियो सामने आने के बाद हिंदूवादी संगठनों ने मामले में एफआईआर की मांग की है। ज्ञापन देने वालों ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती है तो फिर उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। हिन्दू सेना रक्षा दल गोरक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष लाखन सिंह पिपावद ने बताया कि मुस्लिम समाजजनों द्वारा

कस्बा उन्हेल में काजी मोहल्ला, शहर काजी के दफ्तर के सामने, सोनी मंदिर के पास एक जुलूस निकाला गया था, जिसमें लगभग 150 से 200 लोग शामिल थे, जो कि आपत्तिजनक नारे लगा रहे थे। लाखन सिंह ने बताया कि इसका वीडियो मेरे पास दोपहर 12.30 से एक बजे के बीच आया था, जिसके बाद हिन्दू सेना रक्षा दल गोरक्षा प्रकोष्ठ मध्यप्रदेश ने वीडियो फुटेज के आधार पर ज्ञापन देकर देश विरोधी नारे लगाने वालों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग करते हुए गिरफ्तारी की मांग की है। साथ ही यह चेतावनी भी दी है कि अगर समय रहते इस मामले में कार्रवाई नहीं होती है तो हिन्दू सेना रक्षा दल गोरक्षा प्रकोष्ठ मध्यप्रदेश उग्र प्रदर्शन करेगा। वीडियो उन्हेल का बताया गया। इसमें जुलूस के दौरान युवाओं की भीड़ कुछ नारे लगाते दिख रही है। आरोप है कि ये नारे आपत्तिजनक एवं धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले हैं। उन्हेल में हिंदूवादी संगठन द्वारा दिए गए ज्ञापन को लेकर जब पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा से चर्चा की गई तो उनका कहना था कि ऐसा मामला मेरे संज्ञान में आया है। जिसकी जांच टीम द्वारा की जा रही है। हिंदूवादी संगठन ने एक वीडियो भी ज्ञापन के साथ सौंपा है जिसकी ऑडियो मैट्री करवाई जा रही है। इस जांच के बाद ही इस मामले में आगामी कार्रवाई हो सकेगी। इस मामले में उन्हेल थाना प्रभारी रामसिंह भाभोर से हिंदू संगठन द्वारा दिए गए ज्ञापन के बारे में बात की गई तो उन्होंने कहा कि पूरे मामले के अभी जांच की जा रही है। जांच के बाद ही इस मामले में कोई कार्रवाई होगी। बता दें कि वर्तमान में लोकसभा चुनाव 2024 की आचार संहिता लगी हुई है, जिसमें जुलूस निकालना तो दूर, एक साथ लोगों का एकत्रित होना भी प्रतिबंधित है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर यह जुलूस किसी की परमिशन से निकाला जा रहा था या फिर इसकी जानकारी प्रशासन को भी नहीं थी?

वायु सेना के लिए और खरीदे जाएंगे 97 एलसीए मार्क 1ए लड़ाकू विमान

- रक्षा मंत्रालय से एचएएल को 65 हजार करोड़ रुपये का टेंडर जारी
- स्वदेशी सैन्य हार्डवेयर के लिए यह अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय वायु सेना के लिए 97 और लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) मार्क-1ए खरीदने के लिए रक्षा मंत्रालय ने टेंडर जारी कर दिया है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के लिए जारी टेंडर की कीमत 65 हजार करोड़ रुपये से अधिक होने की उम्मीद है। यह स्वदेशी सैन्य हार्डवेयर के लिए सबसे बड़ा ऑर्डर होगा, क्योंकि 83 एलसीए मार्क-1ए के लिए पिछला ऑर्डर 48 हजार करोड़ रुपये का था। भारतीय वायु सेना के लिए 83 तेजस मार्क-1ए फाइटर जेट के सौदे पर 03 फरवरी, 2021 को बेंगलुरु में एयरो इंडिया के दौरान हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ हस्ताक्षर हुए थे। तेजस एमके-1ए की आपूर्ति इसी साल से शुरू होगी और 2027 तक पूरे 83 विमान वायु सेना को मिल जाएंगे। इनमें 73 लड़ाकू विमान और 10 ट्रेनर विमान होंगे। वायु सेना को इसी सौदे का पहला ट्विन-सीटर ट्रेनर पिछले साल 04 अक्टूबर को एचएएल ने वायुसेना को सौंप दिया

था। वायु सेना की जरूरत को देखते हुए केंद्र सरकार ने लंबे इंतजार के बाद पिछले साल 30 नवंबर को 97 तेजस एमके-1ए खरीदने को मंजूरी दी थी। एचएएल के साथ अतिरिक्त 97 तेजस एमके-1ए के सौदे पर हस्ताक्षर होने के बाद कुल 180 विमानों का उत्पादन किया जाना है। एचएएल ने 83 विमानों का ऑर्डर मिलने पर प्रति वर्ष 16 जेट तैयार करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन 97 विमानों का और ऑर्डर मिलने पर प्रति वर्ष 32 जेट का उत्पादन करने की तैयारी है। रक्षा मंत्रालय ने हाल ही में एचएएल को निविदा जारी की गई थी और उन्हें इसका जवाब देने के लिए तीन महीने का समय दिया गया है। यह कार्यक्रम भारतीय वायुसेना को मिग-21, मिग-23 और मिग-27 के अपने बेड़े को बदलने में मदद करेगा। वायु सेना की जरूरतों को देखते हुए तैयार किये जा रहे एलसीए तेजस एमके-1ए फाइटर जेट में एवियोनिक्स, हथियार और रखरखाव में 43 तरह के सुधार किये गए हैं। एचएएल के मुताबिक अब तेजस एमके-1ए में अत्याधुनिक एईएसए रडार होगा, जो तेजस एमके-1 के इजरायली ईएल/एम-2032 राडार से बेहतर होगा। पहले बैच में इजरायली ईएल/एम-2052 राडार होगा, जबकि बाकी में स्वदेशी 'उत्तम' राडार होगा। तेजस एमके-1ए में इजरायली ईएलएल-8222 जैमर पॉड होगा, जो बीवीआर या एसएएम मिसाइलों के राडार सिग्नल को बाधित करेगा। आधुनिक वायु युद्ध के लिहाज से यह सुधार काफी महत्वपूर्ण है। तेजस एमके-1ए में युद्ध के लिए नजदीकी, बीवीआर और लंबी दूरी की बीवीआर बेहतर मिसाइलें होंगी। इसमें हवा से जमीन पर हमला करने के लिए 500 किलोग्राम एलजीबी और बिना गाइड वाले बम भी होंगे।

अवसाद में अखिलेश यादव, स्वीकार कर ली है हार : ब्रजेश पाठक

मेरठ, (हि.स.)। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि अखिलेश यादव अपने घर पर बैठकर ही चुनावी प्रक्रिया को पूरा होता देख रहे हैं। अखिलेश ने हार स्वीकार कर ली है। एनडीए पश्चिमी उत्तर प्रदेश में प्रचंड बहुमत से चुनाव जीत रहा है। 400 पार सीटें हासिल करके नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। सूरजकुंड पार्क के सामने स्थित भाजपा मीडिया सेंटर में शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने विपक्षी गठबंधन पर जमकर प्रहार किए। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने से किसानों का सम्मान हुआ है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार। मोदी सरकार ने किसानों के हित में बड़े कार्य किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। सपा पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव सामने हार को देखकर अवसाद में आ गए हैं। वे अभी तक चुनाव प्रचार पर नहीं निकल पाए। ऐसा प्रतीत होता है कि वह अपनी संभावित हार को

देखकर घर में बैठे हैं और प्रचार तक को नहीं निकल रहे। उन्होंने अपनी हार स्वीकार कर ली है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले और दूसरे चरण में भाजपा को प्रचंड जीत हासिल होगी और इंटरनेट मीडिया से भी इंडी गठबंधन गायब हो जाएगा। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सभी सीटों पर जीत हासिल करेगा और इंडी गठबंधन का सफाया हो जाएगा। परिवारवाद पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने जितने भी टिकट यादव समाज को दिए हैं, उनमें चार टिकट अपने परिवार के लोगों को ही दिए हैं। सपा परिवार में एकता नहीं है। चाचा-भतीजे आपस में ही एक-दूसरे को निपटा रहे हैं। सपा और कांग्रेस पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि एक चाचा-भतीजे की पार्टी है तो वहीं दूसरी जीजा-साले और दामाद की पार्टी है, जिन्हें जनता ने नकार दिया है। उन्होंने कहा कि एनडीए गठबंधन 400 पार सीटें हासिल कर-के नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाएगा।

उत्तम प्रदेश बन चुका है उत्तर प्रदेश – ब्रजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास की बयार आई हुई है। प्रदेश से गुंडे-माफिया पलायन कर चुके हैं। भाजपा सरकार ने दंगाइयों के होश ठिकाने लगा दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विक-सित उत्तर प्रदेश बन रहा है, जो देश को विकसित भारत बनाएगा। 2017 से पहले उत्तर प्रदेश के नाम से दिल्ली में कमरा तक नहीं मिलता था, लेकिन अब यूपी का नाम सुनते ही लोग हाथ मिलाने आ जाते हैं। भाजपा को विकास के नाम पर वोट मिल रहे हैं। इस अवसर पर एमएलसी धर्मेंद्र भा-रद्वाज, कैंट विधायक अमित अग्रवाल, महानगर अध्यक्ष सुरेश जैन रितुराज, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी गजेंद्र शर्मा आदि उपस्थित रहे।

सपा, बसपा और कांग्रेस ने हमेशा राम मंदिर का विरोध किया : अमित शाह

मुरादाबाद, (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण का संकल्प भाजपा सरकार ने पूरा किया। पांच सौ साल बाद रामलला टेंट से निकल कर भव्य मंदिर में विराजे। आगामी रामनवमी पर पहली बार भगवान राम का जन्मोत्सव भव्य मंदिर में मनाया जाएगा। सपा, बसपा और कांग्रेस ने हमेशा राम मंदिर का विरोध किया। इन दलों ने राम मंदिर उद्घाटन का भी विरोध किया। अमित शाह श-ुक्रवार को मुरादाबाद और संभल लोकसभा क्षेत्र की संयुक्त रैली को संबोधित कर रहे थे। मुरादाबाद जिले के सेंट मैरी स्कूल के पीछे मैदान में आयोजित जनसभा में अमित शाह ने कहा कि मेरे उप्र ने वर्ष 2014 में 73 सीटें दीं और वर्ष 2019 में 65 सीटें। इसकी वजह से नरेन्द्र मोदी दो बार प्रधानमंत्री बने।

इस बार मुरादाबाद और संभल लोकसभा सीट भाजपा की झोली में डालकर लगातार तीसरी बार मोदी को प्रधानमंत्री बनाना है। वर्ष 2014 से पूर्व भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में ग्यारहवें स्थान पर थी। बीते 10 वर्षों में मोदी के कार्यकाल में भारत की अर्थव्यवस्था पांचवें स्थान पर आ गई। अब तीसरी बार मोदी को प्रधानमंत्री बना दो तो मोदी की गारंटी है कि इस बार भारत की अर्थव्यस्था दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। उन्होंने कहा कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और रहेगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कहते हैं कि राजस्थान और उत्तर प्रदेश वालों को कश्मीर से क्या लेना। सुन लो खड़गे जी, मुरादाबाद का बच्चा-बच्चा कहता है कि कश्मीर हमारा है और हमारा रहेगा। पीएम मोदी ने कहा था कि हम सत्ता में आएंगे तो अनुच्छेद 370 मिटाएंगे। सरकार बनने के पांच साल बाद 05 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए समाप्त कर दी गई। अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उप्र में दंगे, हत्याएं, गो तस्करी होती थी। वर्ष 2017 में योगी आदित्यनाथ के सत्ता संभालने के बाद मेरा उप्र दंगा मुक्त हो गया। अपराध खत्म हो गया, गो तस्करी बंद हो गई। पहले उप्र से हिंदू पलायन करता था लेकिन उप्र में भाजपा सरकार बनने के बाद गुंडे पलायन कर रहे हैं। सपा-कांग्रेस वाले कहते हैं कि हम तीन तलाक फिर से शुरू कर देंगे, अनुच्छेद 370 को फिर से लागू कर देंगे। यह लोग उप्र को जातियों में बांट देंगे। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, प्रदेश सह प्रभारी सांसद रमेश विधूड़ी, माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी, प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंश, क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र सिसौदिया, क्षेत्रीय महामंत्री हरिओम शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष आकाश पाल, रालोद जिलाध्यक्ष मनोज चौधरी आदि उपस्थित रहे।

बेहतर भारत निर्माण के लिए जरुरी है पीएम मोदी का नेतृत्व : बुलेट रानी

कानपुर, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों पर तीसरी बार दिल्ली की सत्ता रहे इसको लेकर बुलेट रानी के नाम से देश में मशहूर शिव भक्त राजलक्ष्मी मंदा तमिलनाडु से दिल्ली की यात्रा बुलेट से शुरू कर दी है। शुक्रवार को कानपुर पहुंची बुलेट रानी ने कहा कि बेहतर भारत निर्माण के लिए प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व जरुरी है। दक्षिण भारत में भाजपा 40 से अधिक सीटों पर विजय प्राप्त करेगी। अबकी बार राहुल गांधी का वायनाड से भी सफाया जो जाएगा और भाजपा अबकी बार 400 से ज्यादा सीटें जीतेगी। बुलेट रानी नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार पीएम बनाने के संकल्प को पूरा करने के उद्देश्य से 21 फरवरी 2024 को तमिलनाडु से बुलेट पर सवार होकर निकली। श-ुक्रवार को वह कानपुर पहुंची और शहर पहुंचने पर भाजपा कार्यकताओं ने बुलेट रानी का फूल मालाओं से स्वागत किया। बुलेट रानी ने भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकताओं के साथ शास्त्री नगर, मोतीझील, काकादेव, पाण्डुनगर, स्वरूप नगर, आर्य नगर सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बुलेट पर सवार होकर भ्रमण किया। यात्रा के दौरान राजलक्ष्मी लोगों से बेहतर भारत के निर्माण के लिए मोदी के नेतृत्व में वोट करने की अपील कर रही हैं। उन्होंने इस यात्रा को मिशन मोदी 2024 का नाम दिया है। राजलक्ष्मी मंदा प्रेस वार्ता कर इस यात्रा के पीछे का उद्देश्य बताते हुए कहा कि वह प्रधानमंत्री मोदी के कार्यशैली से बेहद प्रभावित हैं। उनके नेतृत्व में भारत का भविष्य उज्ज्वल और अधिक समृद्धशाली है।

चुनाव प्रचार में अर्जुन मुंडा और कालीचरण मुंडा का फोकस तमाड़ और खरसावां पर

खूंटी, (हि.स.)। लोकसभा चुनाव के लिए मतदान की तिथि जैसे-जैसे निकट आती जा रही है, वैसे-वैसे जनजातियों के लिए सुरक्षित खूंटी संसदीय क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां भी तेज होती जा रही हैं। इस संसदीय सीट के लिए 13 मई को मतदान होना है। हालांकि अभी चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई, लेकिन भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवार ने अपना चुनाव प्रचार और जन संपर्क अभियान तेज कर दिया है। झारखंड पार्टी या अन्य दलों ने अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा नहीं की है। वैसे असंवैधानिक पत्थलगड़ी को लेकर चर्चा में आई और पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बहिष्कार का आह्वान करने वाली बेलोसा बबिता कच्छप ने भी भारत आदिवासी पार्टी के प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतरने की घोषणा की है और अपने चुनावी अभियान की शुरूआत भी कर दी है, पर राजनीति के जानकार उनकी उम्मदीवारी को अधिक गंभीरता से नहीं लेते। भाजपा के प्रत्याशी और जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और महागठबंधन के उम्मीदवार कालीचरण मुंडा ने अपना चुनावी दौरा तेज कर दिया। 2019 में के चुनाव में भी दोनों मुंडा एक दूसरे के आमने-सामने थे। लोकसभा चुनाव के प्रचार में भाजपा और कांग्रस दोनों के ही उम्मीदवारों ने इस बार अपना सारा फोकस तमाड़ और खरसावां विधानसभा क्षेत्र पर केंद्रित कर दिया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में मोदी की प्रचंड लहर के बाद भी अर्जुन मुंडा हरते-हारते 1445 मतों से जीत गये थे। उनकी जीत में तमाड़ और खरसावां विधानसभा क्षेत्र ने ही भाजपा की इज्जत बचाई थी। अर्जुन मुंडा को खरसावां और तमाड़ विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी की तुलना में अच्छी खासी बढ़त मिल गई थी और वे किसी प्रकार चुनाव जीत गए, अन्यथा छह में से चार विधानसभा क्षेत्रों सिमडेगा, कोलेबिरा, तोरपा और खूंटी में तो कांग्रेस प्रत्याशी कालीचरण मुंडा भाजपा प्रत्याशी से अच्छी खासी बढ़त हासिल कर जीत की दहलीज पर पहुंच गए थे। तमाड़ और खरसावां में भाजपा को मिली बढ़त ही अर्जुन मुंडा की जीत और कालीचरण मुंडा की हार का कारण बनी थी। अर्जुन मुंडा पिछले कई दिनों से तमाड़ विधानसभा क्षेत्र के बुंडू, तमाड़,सोनाहातू के ग्रामीण इलाकों का तूफानी दौरा कर रहे हैं और लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धियों की चर्चा कर भाजपा को वोट देने की अपील कर रहे हैं। भाजपा को भी इस बात की भनक है कि कुछ समुदायो में नाराजगी है और उसे दूर करने के लिए अर्जुन मुंडा लगातार उस क्षेत्र का दौरा कर रह हैं। इसके पहले अर्जुन मुंडा ने खरसावां क्षेत्र में जमकर चुनाव प्रचार किया था। कांग्रेस प्रत्याशी कालीचरण मुंडा भी अपना अधिकांश समय तमाड़ और खरसावां विधानसभा क्षेत्र में दे रहे हैं। कांग्रेस कार्यकताओं को भरोसा है कि तोरपा, खूंटी, कोलेबिरा और सिमडेगा विधानसभा क्षेत्र में कालीचरण मुंडा को बढ़त मिल जाएगी, यदि तमाड़ और खरसावां में भी अच्छा खासा वोट मिल जाए, तो कालीचरण मुंडा की लगातार हार का सिलसिला टूट सकता है। कालीचरण मुंडा कांग्रेस के टिकट पर तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं। इसके पहले 2009 में कड़िया मुंडा और 2014 के लोकसभा में अर्जुन मुंडा ने उन्हें मात दी थी।

बड़े भाई के अरोप पर विश्वास करें मतदाता या छोटे भाई के दावों पर – लोकसभा चुनाव के दौरान इन दिनों बाजार में एक बात की जोरदार चर्चा है। एक ओर खूंटी के विधायक और राज्य के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री और कांग्रेस प्रत्याशी के सगे छोटे भाई नीलकंठ सिंह मुंडा चुनाव की घोषणा के पहले से ही दावा करते आ रहे हैं कि जितना विकास खूंटी विधानसभा क्षेत्र का हुआ है, उतना विकास पूरे राज्य में किसी विधानसभा क्षेत्र का नहीं हुआ है। इसके विपरीत कांग्रेस प्रत्याशी अपनी चुनावी सभाओं और इंटरव्यू में आरोप लगा रहे हैं कि पिछले दस वर्षों से खूंटी का विकास पूरी तरह ठप है। ऐसे जनता पूछ रही है कि वे किस पर भरोस करें, नीलकं ठ सिंह मुंडा के दावों पर या उनके बड़े भाई कालीचरण मुंडा के आरोपों पर। खैर फैसला तो जनता को ही करना है।

बसपा ने धौरहरा में श्याम किशोर अवस्थी को उतारकर बढ़ाई भाजपा की मुश्किलें

सीतापुर, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी ने आज अधिकृत रूप से धौराहरा से अपने प्रत्याशी के नाम की घोषणा कर दी। पार्टी ने इस सीट पर कुछ माह पूर्व भाजपा छोड़कर आए श्याम किशोर अवस्थी को मैदान में उतारा है पार्टी द्वारा आज जारी सूची में नाम घोषित होते ही अब राजनैतिक उहापोह की स्थिति समाप्त हो गई है। माना जा रहा है कि अब इस सीट पर त्रिकोणात्मक संघर्ष होगा। जानकारी हो कि भाजपा ने पहले ही अपनी मौजूदा सांसद व पार्टी की राष्टीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा व सपा-कांग्रेस गठबंधन ने आनन्द भदौरिया को मैदान में उतार कर चुनावी हलचल बढ़ा दी है गठबंधन में यह सीट समाजवादी पार्टी के कोटे में आई है। श्याम किशोर अवस्थी मोहम्मदी इलाके में अपनी पकड़ रखते है,वे भाजपा में सक्रिय थे, 2017 से विधानसभा मोहमदी का टिकट भी मांग रहे थे,फिर 2022 में इन्होंने नगरपालिका का टिकट भी मांगा था। श्री अवस्थी रेखा

वर्मा व मोहम्मदी विधायक लोकेंद्र सिंह के काफी निकट माने जाते थे,परन्तु चुनावी अनबन के कारण इन्होंने बसपा का दामन थाम कर अब भाजपा के सामने एक चुनौती पेश कर दी है। बसपा द्वारा शुक्रवार को जारी सूची में अधिकृत तौर पर प्रत्याशी बनने पर श्याम किशोर अवस्थी ने हिन्दुस्थान समाचार से बसपा सुप्रीमो बहन मायावती को धन्यवाद देते हुए कहा कि वे पिछले 15 वर्षों से भाजपा में सक्रिय थे,बूथ अध्यक्ष से लेकर विधानसभा स्तर तक कई प्रमुख जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया है भाजपा ने धोखा दिया है,अब जनता के सहयोग व बहन मायावती के आशीर्वाद से इस सीट पर बसपा का कब्जा होगा।

बदायूं में सपा पर जमकर गरजे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद

बदायूं, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य आज शुक्रवार को सहसवान व बिल्सी विधानसभा के उझानी में बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे। यहां पर केशव प्रसाद मौर्य ने मंच से कहा कि समाजवादी पार्टी को लेकर कहा कि सपाइयों का नारा खाली प्लाट हमारा, खाली मकान हमारा, सपा के शासनकाल में जिस गाड़ी में सपा का झंडा उस गाड़ी में बैठा गुंडा। उप मुख्यमंत्री ने मंच से भाषण खत्म करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि मैं सपा को समाप्तवादी पार्टी कहता हूं, बीएसपी को बिल्कुल समाप्त पार्टी कहता हूं और कांग्रेस को भारत मुक्त कहता हूं अरुणाचल

प्रदेश में हमारे 10 विधायक निर्विरोध जीत गए। वहां कांग्रेस को प्रत्याशी भी नहीं मिला। उन्होंने लालू प्रसाद यादव के परिवार को लेकर कहा कि उनके परिवार में अधिकतम लोग जमानत पर हैं। भ्रष्टाचार के आरोपी हैं जो जैसा करेगा वैसा भरेगा उन्हें जवाब जनता ही देगी। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा उनके पिता राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे तब कहते थे हम दिल्ली से एक रुपया भेजते हैं तो 15 पैसा पहुंचता है। मोदी जी ने पूरा 34 लाख करोड़ रूपया भेज पूरा का पूरा रुपया पहुंचा अगर मौके राहुल गांधी को मिलता तो लोगों के पास 5 लाख करोड़ पहुंचता और राहुल गांधी के गैंग की जेब में 29 लाख करोड़ पहुंच जाता। वहीं उन्होंने समाजवादी पार्टी को लेकर कहा कि चाचा भतीजे की बात नहीं मान रहे हैं। अखिलेश यादव ने शिवपाल सिंह यादव को यहां से प्रत्याशी बनाया उन्होंने चिट्ठी लिखकर भेज दी कि मेरे बेटे को यहां से प्रत्याशी बनाओ इनक। परिवार अंतरकलह का शिकार है जीतने का काम बीजेपी कर रही है और हारने की पूरी स्थिति समाजवादी पार्टी की बन रही है।

झारखंड पार्टी (एनोस) ने तीन लोस सीट पर उम्मीदवारों का किया ऐलान

रांची, (हि.स.)। झारखंड पार्टी (पूर्व मंत्री एनोस एक्का गुट) प्रदेश में छह लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ेगी, जिसमें से तीन लोकसभा सीट के लिए पार्टी ने उम्मीदवार का ऐलान कर दिया है। चाईबासा से चित्रसेन सिंकू, चतरा से दर्शन गंजू और हजारीबाग से राजकुमार कुशवाहा पार्टी के उम्मी-दवार होंगे। यह घोषणा पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एनोस एक्का और पार्टी के केंद्रीय प्रधान महासचिव अशोक कुमार भगत ने संसदीय बोर्ड की बैठक के बाद शुक्रवार को आयोजित पत्रकार सम्मेलन में दी। अशोक कुमार भगत ने कहा कि पार्टी खूंटी, लोहरदगा और राजमहल से चुनाव लड़ेगी। खूंटी लोकसभा के लिए सभी संभावित उम्मीदवारों पर मंथन चल रहा है। लोहरदगा और राजमहल से पार्टी अभी इंतजार करेगी। राजमहल

से पार्टी लोबिन हेम्ब्रम और लोहरदगा से चमरा लिंडा को समर्थन दे सकती है, यदि ये दोनों चुनाव लड़ते हैं तब, क्योंकि इन दोनों नेताओं की विचारधारा और लड़ाई झारखंड पार्टी से मेल खाती है। भगत ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा जुमलेबाजी में माहिर है। इन लोगों ने देश को बर्बाद करके रख दिया है। महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है। साथ ही प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में गठबंधन की सरकार ने झारखंड को चार साल में सिर्फ लूटने का काम किया है।

जमीन घोटाला मामले में सद्दाम हुसैन की रिमांड अवधि 16 तक बढ़ी

रांची, (हि. स.)। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े जमीन घोटाले मामले में फर्जी दस्तावेज तैयार करने के मास्टरमाइंड मोहम्मद सद्दाम हुसैन की रिमांड अवधि समाप्त होने पर ईडी कोर्ट में पेश किया गया। शुक्रवार को ईडी के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत से ईडी के विशेष लोक अभियोजक रमित सत्येंद्र ने सद्दाम से पांच दिनों तक पूछताछ की अनुमति मांगी। इसका आरोपित की अधिवक्ता स्नेह सिंह ने विरोध किया। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने ईडी को सद्दाम से चार दिनों (16 अप्रैल) तक पूछताछ की अनुमति दे दी। सद्दाम ईडी के कांड संख्या 5/2023 और 1/2023 में भी आ-

रोपित है। मोहम्मद सद्दाम को ईडी ने पहली बार बरियातू के सेना की जमीन घोटाले में 13 अप्रैल 2023 को गिरफ्तार किया था। इसके बाद फिर ईडी ने अदालत से बड़गाई अंचल से जुड़े मामले में अनुमति मिलने पर नौ अप्रैल को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था। उसे चार दिनों तक पूछताछ के बाद कड़ी सुरक्षा में कोर्ट में पेश किया था। फिर से अदालत ने रिमांड अवधि बढ़ाते हुए सद्दाम को चार दिनों की पूछताछ की अनुमति दी है।

नए मतदाता 25 अप्रैल तक वोटर लिस्ट में दर्ज करा सकते हैं नाम

रांची, (हि.स.)। लोकसभा चुनाव 2024 में मतदान के लिए रांची लोकसभा क्षेत्र के छूटे हुए 18 वर्ष के योग्य नागरिक 25 अप्रैल तक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए बीएलओ के माध्यम से फॉर्म-6 या ऑनलाइन https://voters.eci.gov.in/ माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इस-के साथ नागरिक वोटर हेल्पलाइन एप्प डाउनलोड कर आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। लोकसभा चुनाव में मतदान के लिए मतदाताओं को इपिक (मतदाता

फोटोयुक्त पहचान पत्र) प्रस्तुत करना रहता है। अगर किसी कारणवश मतदाता मतदान केंद्र में इपिक प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं तो 12 अन्य मान्य दस्तावेज दिखा कर अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकते हैं, जिसमें आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंकों, डाकघरों द्वारा जारी किए गए फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेन्स, पैन कार्ड, एनपीआर अंतर्गत आ-रजीआई द्वारा जारी किए गए स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केन्द्र,राज्य स-रकार,लोक उपक्रम,पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों, विधायकों, विधान परिषद सदस्यों को जारी किए गए स-रकारी पहचान पत्र और यूनिक डिसएबिलिटी आईडी कार्ड।

400 से ज्यादा सांसदों की बहुमत से मोदी तीसरी बार बनेंगे पीएम : अनिल सिंह

भाजपा प्रत्याशी विवेक ठाकुर की जीत को ले पूर्व विधायक ने झोंकी ताकत

नवादा, (हि .स.)। तीन बार हिसुआ विधानसभा से विधायक रहे पूर्व विधायक अनिल सिंह ने कहा है कि 400 से भी अधिक सांसदों की बहुमत के साथ नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे,जिसके लिए नवादा संसदीय क्षेत्र से विवेक ठाकुर को भारी बहुमत से जीताना जरूरी है। वे शुक्रवार को विवेक ठाकुर के साथ हिसुआ विधानसभा क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क अभियान चला रहे थे। उन्होंने कहा कि उनके कुछ विरोधियों ने निर्दलीय उम्मीदवार के पक्ष में मदद अपने समर्थकों से कराने की झूठी अफवाहें फैला रखी । ताकि उन्हें राजनीतिक लाभ मिल सके ।जिसमें विरोधियों की हताशा दिख रही है।उन्होंने कहा कि तीन बार लगातार भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर हिसुआ विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहा हूं ।जीवन में जो भी

कुछ दिया भारतीय जनता पार्टी ने ही दिया है। उन्होंने कहा कि हर कीमत पर भारी बहुमत से विवेक ठाकुर की जीत होगी। एक दर्जन गांव के दौरे पर साथ रहे समथकों नव भी पूर्व विधायक अनिल सिंह के नेतृत्व में विवेक ठाकुर को भारी बहुमत से जीतने का संकल्प लिया है। भाजपा प्रत्याशी विवेक ठाकुर ने भी कहा है कि पूर्व विधायक अनिल सिंह मुझे जिताने एड़ी चोटी का पसीना एक कर रहे हैं। इसके काफी बेहतर परिणाम सामने देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हिसुआ विधानसभा क्षेत्र से लाखों मतों से बढ़त बनाकर चुनाव जीतेंगे। पूर्व विधायक अनिल सिंह के नेतृत्व में हिसुआ के सभी गांव में कमेटियों का गठन कर दिया गया है। ताकि शत - प्रतिशत वोट भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी विवेक ठाकुर को दिलाया जा सके।

प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने ग्रामीणों को मतदान में भाग लेने के लिए दिलाई शपथ

भागलपुर, (हि.स.)। जिले के जगदीशपुर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अरविंद कुमार तथा जगदीशपुर पुलिस द्वारा शुक्रवार को प्रखंड क्षेत्र के मध्य विद्यालय कोला नारायणपुर (दक्षिण) पहुंचकर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने ग्रामीणों को आगामी लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदान करने के लिए जागरूक किया। साथ ही शपथ दिलाया कि लोकतंत्र में पूर्ण आस्था रखते हुए अपने लोकतंत्र की मयार्दा को रखते हुए स्वतंत्र, निष्पक्ष, धर्म और जाति से ऊपर उठकर बिना किसी प्रलोभन के मतदान का प्रयोग करेंगे। इस अवसर पर स्कूली छात्र छात्राओं के साथ मतदाता जागरूकता रैली भी निकल गई। इस रैली में छात्र-छात्राएं, शिक्षक शिक्षिका सहित काफी संख्या में ग्रामीण महिला पुरुष शामिल थे। इस मौके पर जगदीशपुर थाना के पुलिस पदाधिकारी, मध्य विद्यालय कोला नारायणपुर के प्रधानाध्यापक सोमेश्वर प्रसाद यादव, शिक्षक प्रदीप कुमार, सिंह, जय नंदन सिंह, उत्तम कुमार, शिक्षका संगीता कुमारी, कल्याणी कुमारी, सिया जानकी कुमारी, कोमल कुमारी, ऋतुराज, नवल कुमार राजकिशोर पासवान सहित ग्रामीण एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

रामनवमी को लेकर विहिप ने गठित किया 11 सदस्यीय समिति

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। जिले के सभी 27 प्रखंडो मे श्रीराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए विहिप के बिहार झारखंड के विधि प्रकोष्ठ के प्रमुख अधिवक्ता अशोक श्रीवास्तव ने बताया कि श्रीराम महोत्सव के आयोजन को लेकर शुक्रवार को हनुमान गढी मंदिर परिसर में विहिप के जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता मे तैयारी समिति की बैठक हुई। बैठक में जिला मंत्री मुन्ना तिवारी के नेतृत्व में ग्यारह सदस्यीय संचालन समिति बनाया गया।जो जिले के सभी प्रखंडो में आयोजित कार्यक्रम मे सहयोग करेगे। उन्होने बताया कि इस बार अयोध्या मे प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा होने से हिन्दू समाज में काफी उत्साह है, जिससे आशा है,कि इस बार कार्यक्रम भव्य होगा। रामनवमी के दिन जिले भर में शोभा यात्रा के साथ अन्य कार्यक्रम आयोजित होगे। उन्होने बताया संचालन समिति मे बजरंगदल के

विभाग संयोजक जितेन्द्र कुशवाहा जिला संयोजक हेमंत कुमार नगर संयोजक राहुल सिंह,सचिन कुमार, अंशु श्रीवासतव, रक्सौल अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह प्रचार प्रसार प्रमुख आनन्द प्रकाश जिला सह संयोजक उद्धेश्य गुप्ता आनन्द सिंह ढाका से सत्येन्द्र सिंह कार्याध्यक्ष हरिश्चंद्र उपाध्याय को शामिल किया गया है। विभिन्न प्रखंडो के साथ जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर में 17 अप्रैल को 2 बजे गाजे बाजे के साथ गायत्री मंदिर से भव्य शोभा यात्रा निकाली जायेगी, जिसमे हजारो की संख्या मे महिलाएं न पुरूष शामिल होगे। पूरे शहर को भगवा धवज से सजाया जाएगा। सभी मंदिरो मे भजन-कीर्तन और भंडारा का आयोजन होगा। वंही ढाका व रक्सौल मे 9 बजे से शोभा यात्रा निकलेगा और अरेराज पहाड़पुर मधुबन तुरकौलिया व पीपरा सहित सभी प्रखंडो मे शोभा यात्रा निर्धारिय समयानुसार निकलेगी। बैठक में रत्नेश राज गणेश सचिन नीतीश मधुरेन्द्र सिंह आशुतोष कुमार अंकित श्रीवास्तव अंकुर श्रीवास्तव धर्मेन्द्र ठ-ाकुर संजीव कुमार डा दिलीप कुमार सिंह शेखर पांडेय राजन तिवारी सुबोध कुमार मनीष कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संपादकीय

अब हेपेटाइटिस का संक्रमण

विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रपट में भारत में हेपेटाइटिस की चुनौतियों और खतरों का उल्लेख है। लिवर से जुड़ी यह बीमारी घातक भी साबित हो सकती है और बाद में कैंसर का रूप भी धारण कर सकती है। हेपेटाइटिस बी और सी को लेकर भारत में जागृति बहुत कम है, क्योंकि इनके लक्षण ही पेचीदा हैं। चूंकि यह भी वायरल संक्रमण की बीमारी है, लिहाजा डॉक्टर भी लक्षणों का अध्ययन करते समय गलत निष्कर्ष पर पहुंच जाते हैं। भारत में हेपेटाइटिस बी के करीब 3 करोड़ संक्रमित मरीज हैं, जबकि हेपेटाइटिस सी के 50 लाख से अधिक लोग बीमार हैं। लिवर की सूजन और संक्रमण के साथ इन बीमारियों का बोझ उठाने वाला भारत विश्व में ऐसा दूसरा देश है। वह दिन दूर नहीं, जब विश्व में सर्वाधिक हेपेटाइटिस संक्रमण भारत में होगा। भारत में ही 2022 में हेपेटाइटिस ने एक लाख से अधिक जिंदगियां छीन ली थीं। चिंताजनक पक्ष यह है कि बहुत कम संक्रमित लोगों के लक्षण स्पष्ट हो पाते हैं, लिहाजा वे निदान और इलाज के दायरे में नहीं आ पाते। हेपेटाइटिस सी के 30 फीसदी से कम मामलों की पहचान हो पाती है, लिहाजा लिवर का यह संक्रमण ज्यादा घातक, यहां तक कि जानलेवा, साबित हो सकता है। हेपेटाइटिस बी के आंकड़े मात्र 3 फीसदी ही बताए जाते हैं। नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम का लक्ष्य 2030 तक भारत को हेपेटाइटिस सी से मुक्त कराना है। हेपेटाइटिस बी से जुड़ी रुग्णता, मृत्यु-संख्या और मृत्यु-दर को भी 2030 तक ही काफी कम करना है। इसे लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार काफी आशान्वित हैं कि यदि 2024 और 2026 के बीच स्थितियों में सुधार लाया जाए, तो हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम पटरी पर लाया जा सकता है। नतीजतन लक्ष्य भी कमोबेश हासिल किए जा सकते हैं। कई बीमारियां प्रदूषित रक्त के जरिए फैलती हैं। हेपेटाइटिस की दोनों किस्में भी दूषित रक्त के जरिए विस्तार पाती हैं। हेपेटाइटिस बी लिवर के ऊतकों पर चोट करता है और कैंसर के जोखिम को बढ़ाता है। लक्षण और निदान पेचीदा हैं, लिहाजा वायरस कई सालों तक छिपा रह सकता है। वे दूसरों को प्रभावित करते हैं। लक्षण तब सामने आने लगते हैं, जब रोगाणु ज्यादा आक्रामक रुख अख्तियार कर लेते हैं। हालांकि हेपेटाइटिस की किस्मों का कोई इलाज नहीं है, लेकिन जो इलाज किया जाता है, उससे कुछ हद तक लक्षणों का बंदोबस्त किया जा सकता है। यानी इलाज से बीमारी कुछ सीमा तक काबू में की जा सकती है। हालांकि 2018 में नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम की शुरुआत की गई थी, जिसके तहत टेस्टिंग और दवाएं निःशुल्क हैं, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन की यह रपट भी है कि प्रोग्राम ज्यादातर मरीजों के पास पहुंचा ही नहीं है। बीते 20 सालों में खून की जांच के प्रोटोकॉल बहुत सख्त किए गए हैं, लिहाजा रक्त के संक्रमण का जोखिम कम हुआ है। भारत में हेपेटाइटिस बी संक्रमण मामलों का अभी तक जो विश्लेषण किए गए हैं, उनमें संक्रमण मां से शिशु की ओर गया है। टीकाकरण से भी इस बीमारी और संक्रमण के विस्तार को रोका जा सकता है। भारत में टीकाकरण भी काफी अनियमित है और शिशु के जन्म लेने के तुरंत बाद जो टीकाकरण किया जाना चाहिए, उसके प्रति अशिक्षित और अज्ञानी जमात गंभीर नहीं है, लिहाजा शिशु की इम्युनिटी प्रभावित होती है। भारत में 50 फीसदी से कम शिशुओं को सभी आवश्यक टीके समयानुसार दिए जाते हैं। बहरहाल हेपेटाइटिस सी का इलाज अपेक्षाकृत आसान और संभव है। एंटी-वायरल बीमारी का इलाज कर सकते हैं और दीर्घकाल में लिवर को क्षतिग्रस्त होने से बचाया जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, भारत में हेपेटाइटिस का उपलब्ध इलाज दुनिया में सबसे सस्ता है। करीब 70 फीसदी मरीज निदान और इलाज नेटवर्क से दूर भागते रहते हैं और प्राथमिक चिकित्सा को दोष देते रहते हैं। चूंकि यह चेतावनी विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से आई है, लिहाजा सरकारों के स्तर पर इस संक्रमण को संबोधित किया जाना चाहिए। बेशक हेपेटाइटिस हो अथवा टीबी हो, इन संक्रामक बीमारियों को लेकर जरा-सी भी कोताही नहीं बरतनी चाहिए।

भारत में ही 2022 में हेपेटाइटिस ने एक लाख से अधिक जिंदगियां छीन ली थीं। चिंताजनक पक्ष यह है कि बहुत कम संक्रमित लोगों के लक्षण स्पष्ट हो पाते हैं, लिहाजा वे निदान और इलाज के दायरे में नहीं आ पाते। हेपेटाइटिस सी के 30 फीसदी से कम मामलों की पहचान हो पाती है, लिहाजा लिवर का यह संक्रमण ज्यादा घातक, यहां तक कि जानलेवा, साबित हो सकता है। हेपेटाइटिस बी के आंकड़े मात्र 3 फीसदी ही बताए जाते हैं। नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम का लक्ष्य 2030 तक भारत को हेपेटाइटिस सी से मुक्त कराना है। हेपेटाइटिस बी से जुड़ी रुग्णता, मृत्यु-संख्या और मृत्यु-दर को भी 2030 तक ही काफी कम करना है। इसे लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार काफी आशान्वित हैं कि यदि 2024 और 2026 के बीच स्थितियों में सुधार लाया जाए, तो हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम पटरी पर लाया जा सकता है। नतीजतन लक्ष्य भी कमोबेश हासिल किए जा सकते हैं। कई बीमारियां प्रदूषित रक्त के जरिए फैलती हैं।

पुरुष आपस में इतने मिलेजुले हैं कि किसी को पहचान पाना ही मुश्किल है

विपक्षी गठबंधन और कांग्रेस की प्रासंगिकता

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, सोनिया गांधी और कम्युनिस्ट। प्रश्न पूछा जा सकता है कि मैंने अन्य दलों का नाम न लिख कर, उन दलों के प्रमुख व्यक्ति का नाम लिखा है, लेकिन कम्युनिस्टों के मामले में व्यक्ति का नाम न लिख कर केवल कम्युनिस्ट शब्द का प्रयोग क्यों किया है। उसका कारण है। हमारे भारत में कम्युनिस्ट सदा किसी शरीर की तलाश में रहते हैं। जब कम्युनिस्ट अपने शरीर में प्रकट होते हैं तो भारत के लोग उन्हें तुरंत पहचान लेते हैं और नकार देते हैं। इसलिए वे निरंतर किसी दूसरे शरीर, जिंदा या मुर्दा, की तलाश में रहते हैं और अपनी सुविधानुसार उसे पा भी लेते हैं।

भारतीय जनता पार्टी को हराने के लिए विपक्षी पार्टियों में जो सर्वाधिक व्याकुल प्राणी थे, उनमें से चार शिखर पर थे। नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, सोनिया गांधी और कम्युनिस्ट। प्रश्न पूछा जा सकता है कि मैंने अन्य दलों का नाम न लिख कर, उन दलों के प्रमुख व्यक्ति का नाम लिखा है, लेकिन कम्युनिस्टों के मामले में व्यक्ति का नाम न लिख कर केवल कम्युनिस्ट शब्द का प्रयोग क्यों किया है। उसका कारण है। हमारे भारत में कम्युनिस्ट सदा किसी शरीर की तलाश में रहते हैं। जब कम्युनिस्ट अपने शरीर में प्रकट होते हैं तो भारत के लोग उन्हें तुरंत पहचान लेते हैं और नकार देते हैं। इसलिए वे निरंतर किसी दूसरे शरीर, जिंदा या मुर्दा, की तलाश में रहते हैं और अपनी सुविधानुसार उसे पा भी लेते हैं। उनकी ऐसी पृष्ठभूमि में उनके किसी शीर्ष पुरुष का नाम पहचान पाना या तलाश करना बहुत मुश्किल है। उनके शीर्ष पुरुष आपस में इतने मिलेजुले हैं कि किसी को पहचान पाना ही मुश्किल है। इसलिए मैंने किसी व्यक्ति विशेष का नाम न लिख कर नंगा चिट्टा कम्युनिस्ट शब्द का प्रयोग ही किया है। अब आगे बढ़ा जाए। लेकिन हमारे आगे बढने से पहले ही नीतीश कुमार इंडी मोहल्ला छोड़ कर वापस अपने घर लौट गए हैं। ममता बनर्जी हैं अभी भी इंडी मोहल्ला में ही, लेकिन उस मोहल्ला के बाकी लोगों से उन्होंने बोलचाल बंद कर दी है। उनकी पार्टी ने पश्चिम बंगाल की सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी खड़े कर दिए हैं। लेकिन वैसे वे बराबर कह रही हैं कि वे इंडी के साथ मजबूती से खड़ी हैं और बंगाल को छोड़ कर बाकी सभी जगह उसका समर्थन कर रही हैं। लेकिन सोनिया गांधी इतना तो जानती हैं कि उनकी पार्टी को यदि ममता बनर्जी की जरूरत थी तो केवल बंगाल में थी। शेष भारत में, सोनिया गांधी तो क्या, ममता बनर्जी खुद भी जानती हैं कि उनकी हैसियत ही नहीं है। एक दूसरी पार्टी है जो इंडी गठबंधन में सर्वत्र विद्यमान है, लेकिन दिखाई नहीं देती। यह पार्टी अब भारत में 'अशरीरी' हो गई है। उसका नाम मुस्लिम लीग है। यह कांग्रेस के पैदा होने के कुछ साल बाद 1905 में पैदा हुई थी। कहा जाता है कि अंग्रेजों ने इस पार्टी को पैदा करने

के लिए ही बंगाल का विभाजन किया था। मुस्लिम लीग को पैदा करने के बाद बंगाल विभाजन को भी खत्म कर दिया था। 1916 में कांग्रेस और मुस्लिम लीग ने अंग्रेजों से भारत के मुसलमानों के लिए अलग निर्वाचन मंडल की मांग की थी। बाद में संबंध बनते बिगड़ते गए, लेकिन कांग्रेस ने 1947 में अपनी कार्यसमिति की अंतिम बैठक में मुस्लिम लीग की भारत विभाजन की मांग का समर्थन करने के लिए 'भारत विभाजन' का प्रस्ताव पारित किया था। भारत विभाजन के बाद जब बचे-खुचे भारत में मुस्लिम लीग के लिए रहना मुश्किल हो गया, तो उसने अपनी शक्ल में प्लास्टिक सर्जरी करवा कर रूप बदल लिया था। उससे चेहरा तो बदल गया था, लेकिन भारत के लोग उनकी आवाज अच्छी तरह पहचानते ही हैं। इसलिए वे बराबर चिल्ला रहे हैं। यह बदल रहे चेहरे से घूम रही वही मुस्लिम लीग है जिसने भारत का विभाजन करवाया था। लेकिन सोनिया जी का कहना है कि यह पुराने वाली मुस्लिम लीग नहीं है। यह नई ताजा मुस्लिम लीग है जिसका पुरानी मुस्लिम लीग से कोई ताल्लुक नहीं है। पता चला है कि कुछ पुराने कांग्रेसियों ने कान में बताया भी कि मैडम, आपको पुरानी वाली का पता नहीं है, क्योंकि आपकी पृष्ठभूमि इटली की है। यह मुस्लिम लीग शत प्रतिशत पुराने वाली मुस्लिम लीग ही है। लेकिन सोनिया गांधी नहीं मानी। वह उसी को सच मानती हैं जो राहुल-प्रियंका-राबर्ट वाड्रा बताते हैं। अब यह नई वाली मुस्लिम इंडी का हिस्सा है। उसका परिणाम भी सामने आने लगा है। सोनिया जी की पार्टी ने अपना जो चुनाव घोषणा पत्र जारी किया है, यदि उसको ध्यान से पढ़ा जाए, जिससे अंग्रेजी वाले 'टू रीड बिटवीन दी लाईन्ज' कहते हैं, तो वह काफी हद तक 1947 से पहले का मुस्लिम लीग के चुनाव घोषणा पत्र का नया संस्करण लग रहा है। अब तवलीन सिंह का कहना है कि आधा हिस्सा कम्युनिस्ट पार्टी का ही है। सोनिया गांधी जी की एक दूसरी समस्या भी है। वह मुस्लिम लीग का समर्थन तो लेना चाहती हैं, लेकिन यह नहीं चाहती कि लोग इसको जान लें। वैसे पूछा जा सकता है कि 'गुड़ तो खाएं, लेकिन गुलगुलों से परहेज' की इस नीति का कारण क्या है। जब अपने चुनाव घोषणा पत्र में मुस्लिम लीग का घोषणा पत्र समेट लिया, अयोध्या में राम मंदिर में आने के निमंत्रण को सार्वजनिक रूप से ठुकरा दिया और मुस्लिम लीग को मंच पर भी बिठा लिया तो अब बचा क्या है? फिर यह हिचकिचाहट कैसी? यह संकट केरल के वायनाड में आया। राहुल गांधी अब उत्तर प्रदेश को छोड़ कर केरल चले गए हैं। केरल में भी मुस्लिम बहुल क्षेत्र वायनाड को उन्होंने अपने लिए चुना है। सारे देश में उन्हें लोकसभा में जाने के लिए अपनी पार्टी की विचारधारा और उसके अनुरूप मित्रों के कारण वायनाड ही सुरक्षित लगता है। यह पांच साल पहले ही स्पष्ट हो गया था जब राहुल गांधी को उत्तर प्रदेश की जनता ने अमेठी में ठुकरा दिया था और वायनाड ने उन्हें संकट के उस काल में सुरक्षा चक्र प्रदान किया था। तब बहुत से राजनीतिक विश्लेषक मानने लगे थे कि राहुल गांधी अब पांच साल मेहनत करके उत्तर प्रदेश के लोगों का विश्वास जीतेंगे। लेकिन शायद सोनिया परिवार ने यह लंबा रास्ता अख्तियार करने की बजाय वायनाड का सुरक्षा चक्र लेना ही उचित समझा। लेकिन इस बार एक झंझट हो गया। राहुल गांधी दिल्ली से वायनाड तक की लंबी दूरी तय करके लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने वायनाड पहुंचे, तो स्वाभाविक ही मन में आया होगा कि शक्ति प्रदर्शन के लिए रोड शो भी कर लिया जाए।

दृष्टि कोण

सिंथेटिक ट्रैक्स को तबाह मत करो

आज हिमाचल प्रदेश में बहुत संघर्ष के बाद बहुत अधिक धन व श्रम खर्च करके एथलेटिक्स के लिए विश्वस्तरीय प्ले फील्ड उपलब्ध है, मगर प्रशासन की खेलों के प्रति बेरुखी व अज्ञानता के कारण सब बरबाद होता जा रहा है। राज्य में तीन जगह सिंथेटिक ट्रैक बन कर तैयार हैं, मगर उन पर कहीं तो पार्क की तरह लोग सैर कर रहे हैं और कहीं पर जिला खेल अधिकारी व उपायुक्त फौज के हवाले कर कई दिनों के लिए भर्ती की स्वीकृति दे देते हैं। हमीरपुर का ट्रैक अब भारतीय खेल प्राधिकरण के पास है, मगर वहां भी हालत ठीक नहीं है। आजकल वहां मनोरंजन के लिए क्रिकेट देखने वालों के लिए बीच मैदान में स्क्रीन लगा दी है। जब क्रिकेट वाले अपने मैदानों में किसी को एक कदम भी नहीं रखने देते हैं, अच्छी बात है, मगर दूसरे की अंतरराष्ट्रीय प्ले फील्ड को बरबाद करना कहां तक सही है। सोचो राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने वाले हिमाचल के एथलीट पंद्रह दिन कहां ट्रेनिंग करेंगे। हिमाचल प्रदेश में खेल के साथ इस तरह की बदतमीजी आम बात हो गई है। करोड़ों रुपयों से बने सिंथेटिक ट्रैकों को हिमाचल प्रदेश के प्रशासनिक अधिकारी बरबाद करने पर क्यों आमादा हैं। क्या हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री व खेल मंत्री इस बात का संज्ञान लेंगे, ताकि इन अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाओं को बचाया जा सके। प्रदेश के पास आज से दो दशक पहले तक खेल ढांचे के नाम पर सैंकड़ों साल पहले राजा-महाराजाओं द्वारा मेले व उत्सवों के लिए बनाए गए चंद, मगर बेहतरीन मैदान चंबा, मंडी, नादौन, सुजानपुर, जयसिंहपुर, कुल्लू, अनाडेल, रोहडू, रामपुर, सोलन, चैल, नाहन आदि जगहों पर थे। इन मैदानों पर हिमाचल प्रदेश की खेल गतिविधियां कई दशकों से मेलों, उत्सवों व राजनीतिक रैलियों से बचे समय में चलती रही हैं। इन पुराने व ऐतिहासिक मैदानों का हाल कुछ ठीक नहीं है। कहीं अतिक्रमण व कहीं पर अव्यवस्था का बोलबाला साफ नजर आता है। वैसे तो हिमाचल प्रदेश की तरक्की में विभिन्न सरकारों का योगदान रहा है, मगर हिमाचल प्रदेश में पहली बार नई सदी के शुरुआती वर्षों में प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल की सरकार ने राज्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल ढांचे को खड़ा करने की शुरुआत की और आज हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड एथलेटिक्स, क्रिकेट, हाकी, तैराकी व इंडोर खेलों के लिए उपलब्ध है। क्रिकेट में अनुराग ठाकुर की सोच ने हिमाचल प्रदेश को क्रिकेट के अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर लाकर खड़ा कर दिया है जो काबिले तारीफ है। लुहणू का खेल परिसर पूर्व मंत्री ठाकुर रामलाल के प्रयत्नों से बिलासपुर में सामने आया है। एथलेटिक्स सभी खेलों की जननी है। इसी से सब खेल निकले हैं और इसके प्रशिक्षण के बिना किसी खेल में दक्षता नहीं मिल सकती है। हिमाचल प्रदेश में आज हमीरपुर, बिलासपुर व धर्मशाला में तीन सिंथेटिक ट्रैक बन कर तैयार हैं। शिलारू के साई सैंटर में दो सौ मीटर का प्रैक्टिस ट्रैक बन कर तैयार है। सरस्वतीनगर में काम हो रहा है। किसी किसी राज्य के पास अभी तक एक भी ट्रैक नहीं है। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर व धर्मशाला सिंथेटिक ट्रैकों पर लोग टहलते नजर आते हैं। भर्ती के लिए बाहर कच्चे पर केवल ट्रायल के लिए स्वीकृत किया जा सकता है। शेष ट्रेनिंग बाहर के अन्य मैदानों व सडक़ों पर हो सकती है। सिंथेटिक ट्रैक पार्क बन चुके हैं। वहां आम लोगों का प्रवेश वर्जित कर देना चाहिए, केवल एथलीट के लिए ही प्रवेश रखना चाहिए। तभी इन प्ले फील्ड को लंबे समय तक खिलाडियों के लिए उपलब्ध करवाया जा सकता है। कल जब हिमाचल प्रदेश के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर के एथलीट होंगे और प्रशिक्षण के लिए उखड़ा हुआ ट्रैक होगा तो फिर पहाड़ की संतान को पिछडने का दंश झेलना पड़ेगा। इसलिए इस बरबादी को अभी से रोकना होगा। तभी हम अपनी आने वाली पीढियों से न्याय कर सकेंगे। इस कॉलम के माध्यम से इस विषय पर कई बार लिखने के बाद भी हिमाचल सरकार इन विश्व स्तरीय खेल सुविधाओं पर ध्यान नहीं दे रही है। हिमाचल में ट्रेनिंग कर पहाड़ की संतानें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए कुछ लोगों के जुनून ने बिना सुविधाओं के मिट्टी पर ट्रेनिंग कर राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दस्तक दी थी, तभी यह अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधा आने वालों को मिल पाई हैं। हिमाचल प्रदेश में इस समय हर जिला स्तर सहित कई जगह उपमंडल स्तर पर भी इंडोर स्टेडियम बन कर तैयार हैं, मगर उन स्टेडियमों में बनी प्ले फील्ड का उपयोग प्रशिक्षण के लिए खिलाडियों को ठीक से करना नहीं मिल रहा है। वहां पर अधिकतर शहर के लाला व अधिकारी अपनी फिटनेस करते हैं। ऊना व मंडी में तरणताल बने हैं, मगर वहां पर भी कोई प्रशिक्षण कार्यक्रम आज तक शुरू नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश में तैराक ही नहीं हैं। यहां पर भी प्रशिक्षण न होकर गर्मियों में मस्ती जरूर हो जाती है। ऊना में हाकी के लिए एस्ट्रोटर्फ बिछी हुई है, मगर उसकी तो पहले ही दुर्गति हो गई है। हिमाचल प्रदेश सरकार का युवा सेवाएं एवं खेल विभाग अभी तक करोड़ों रुपए से बने इस खेल ढांचे के रखरखाव में नाकामयाब रहा है। उसके पास न तो चौकीदार हैं और न ही मैदान कर्मचारी, पर्याप्त प्रशिक्षकों की बात तो बहुत दूर की बात है।

कुछ अलग

जिसकी लाठी, उसकी भैंस

मेहता साहब सवेरे-सवेरे ही आए और बोले ''माफ करना शर्मा, मैंने तुमसे कल भला-बुरा कहा।'' मैं आश्चर्य के साथ बोला, ''क्या बात कर रहे हैं मेहता साहब, आपने मुझे कभी भला-बुरा नहीं कहा।'' ''तुम्हें याद नहीं है शर्मा, तुम भूल जाते हो। मैंने कल तुमसे बदतमीजी की थी। इसलिए भाई माफी मांगता हूं।'' ''चलो आपने भला-बुरा कहा भी होगा, लेकिन आप बड़े हैं, क्या हुआ अगर कह दिया तो। आप और मुझसे माफी मांगेंगे। ऐसा नहीं हो सकता।'' मैंने कहा तो मेहता जी बोले, ''अरे भाई हो रहा है। संसद में ही देख लो, पहले जानबूझ कर बदतमीजी करते हैं और बाद में माफी मांग लेते हैं।'' ''संसद की बात अलग है मेहता साब। वहां तो रोज ऐसा होता है। वहां बदतमीजों की क्या कमी है। आखिर उन्हें हमने ही तो चुनकर भेजा है। वे हमारे लिए लड़ते हैं, झगड़ते हैं। यहां तक कि दलगत राजनीति से प्रेरित होकर मनमुटाव तक कर लेते हैं। इसलिए हमारे लौकिक जीवन में बड़ा छोटे से माफी मांगे, शर्मसार करने वाली बात है।'' मैंने कहा तो मेहता साहब बोले, ''भाई शर्मा, मैं तो संसद का समाचार पढक़र दौड़ा चला आया। पता नहीं मैंने तुमसे कुछ गलत कह दिया हो। तुमने तो बुरा नहीं माना। लेकिन मैं भी इतना बुरा नहीं हूं कि माफी भी नहीं मांगू।'' ''आप मुझे शर्मिंदा कर रहे हैं। आजकल सब चलता है। माफी नहीं भी मांगते तो मैं आपका क्या बिगाड़ लेता। इसलिए इतना मत सोचा करो। नेताओं को देखो। अब तो गाली-गलौच संसद में मारा-पीटी तक करते हैं। इतना अमर्यादित आचरण पहले कभी नहीं देखा। महिलाओं तक से बदतमीजी हो रही है।'' मैंने कहा तो मेहता साहब मूड़ में आ गए, बोले, ''शर्मा, चाय बनवाओ। विषय अच्छा है। इस पर बातचीत हो जाए, तो घण्टे दो घण्टे रविवार के आसानी से निकल जाएंगे।'' मैं सन्न रह गया। मुझे लगा मेहता साहब बदतमीजी पर उतर आए हैं। मुझे मॉर्निंग वॉक पर जाना था और उसके बाद पत्नी की दवा लेने। दोनों ही जरूरी काम ध्वस्त होने वाले थे। मैंने सोचा कि अब क्या किया जाए। मन ने कहा बदतमीजी, बदतमीजी को मारती है। इसलिए अब समय लिहाज छोडऩे का है। मैं बोला, ''मेहता साहब, यह समय तो मेरे मॉर्निंग वॉक का है। यह शाश्वत विषय है। इस पर फिर कभी सही।'' ''शर्मा कमाल कर दिया तुमने तो। बदतमीजी की हद होती है। तुमने तो औपचारिकता का भी परित्याग कर दिया है। मैंने बढक़र चाय की पेशकश की है और तुम मॉर्निंग वॉक का बहाना करके मुझे टरका रहे हो। एक दिन घूमने नहीं जाओगे तो शुगर नहीं बढ़ जाएगा। चलो पहले चाय बनवाओ।'' मेहता हठधर्मिता पर उतर आए थे। मैंने भी पैंतरा मारा, ''मेहता साहब, मैं चाय घूमने के बाद पीता हूं। आप माफी मांगने आए थे या मेरा खून पीने?'' मेहता साहब की आंखों से क्रोध की चिंगारियां निकलने लगी, वे चीखे, ''शर्मा मैं चाय पीकर जाऊंगा।'' मैं लगभग डर गया, तभी मेहता की चीख सुनकर पत्नी आ गई। आते ही बोली, ''क्यों क्या बात हुई मेहता साब? आप नाराज क्यों हो रहे हो?'' ''अरे मिसेज शर्मा, मामूली सी बात है। मैंने कहा कि मैं चाय पीकर जाऊंगा और शर्मा कह रहा है कि उसका घूमने का वक्त हो गया। तनिक भी तमीज नहीं है इसे। मैंने आते ही अपनी बदतमीजी की माफी मांगी, लेकिन इसने सारे नियम-कायदे, छोटे-बड़े का लिहाज ताक में रखकर चाय की बात को टाले जा रहा है। तुम भी सुन लो मिसेज शर्मा, मैं चाय पिये बिना यहां से नहीं जाने वाला।'' मेहता जी का व्याख्यान सुनकर पत्नी ने मुझे और मैंने पत्नी को देखा। मुझे लगा यह जमाना जिसकी लाठी-उसकी भैंस का है। मजबूरन हमें चाय बनवानी पड़ी। बेमन से चाय पीकर उन्हें विदा किया।

देश दुनीया से

एक कभी ना भूलने वाली त्रासदी, आखिर अब भी कितना जानते हैं हम?

इतिहास के काले पन्नों में दर्ज इस जघन्यतम और क्रूरतम्नरसंहार को हुए 105 साल गुजर गए मगर भारतवासियों के दिलो-दिमाग में यह हादसा इतनी गहराई तक बैठा हुआ है कि जनसंघर्षों के दमन के मामलों की तुलना के लिए इसी जघन्य कांड का उदाहरण दिया जाता है। इस कांड के बारे में कुछ भ्रांतियां बनी रहीं जैसे डायर नाम के दो खलनायकों को लेकर भी। महान क्रांतिकारी ने जनरल डायर को नहीं बल्कि लेफ्टिनेंट गवर्नर ड्वायर को मारा था। मानवता के खिलाफ इस भयंकर कांड के पीछे दो खलनायकों के मिलते-जुलते उच्चारण वाले नाम अक्सर भ्रांति पैदा करते हैं। दरअसल 13 अप्रैल 1919 को जब यह कांड हुआ उस समय सर माइकल फ्रांसिस ओ' ड्वायर पंजाब का लेफ्टिनेंट गवर्नर था।

जलियांवाला बाग की एक और बरसी आ गई। इतिहास के काले पन्नों में दर्ज इस जघन्यतम और क्रूरतम्नरसंहार को हुए 105 साल गुजर गए मगर भारतवासियों के दिलो-दिमाग में यह हादसा इतनी गहराई तक बैठा हुआ है कि जनसंघर्षों के दमन के मामलों की तुलना के लिए इसी जघन्य कांड का उदाहरण दिया जाता है। इस कांड के बारे में कुछ भ्रांतियां बनी रहीं जैसे डायर नाम के दो खलनायकों को लेकर भी। महान क्रांतिकारी ने जनरल डायर को नहीं बल्कि लेफ्टिनेंट गवर्नर ड्वायर को मारा था। मानवता के खिलाफ इस भयंकर कांड के पीछे दो खलनायकों के मिलते-जुलते उच्चारण वाले नाम अक्सर भ्रांति पैदा करते हैं। दरअसल 13 अप्रैल 1919 को जब यह कांड हुआ उस समय सर माइकल फ्रांसिस ओ'ड्वायर पंजाब का लेफ्टिनेंट गवर्नर था। इसकी स्पेलिंग का उच्चारण डायर के तौर पर भी किया जाता है। प्रख्यात इतिहासकार और लेखिका डॉ. इंदु बग्गा के अनुसार हालांकि ब्रिगेडियर-जनरल डायर मौके पर मौजूद सैन्य कमाडर था। लेकिन उस समय पंजाब का लेफ्टिनेंट गवर्नर सर माइकल फ्रांसिस ओ' ड्वायर था, जिसने जलियांवाला नरसंहार का आदेश दिया था। यह शख्स घोर साम्राज्यवादी था और इसी ने रोलेट एक्ट के खिलाफ भड़के आन्दोलन को सख्ती से कुचलने के आदेश दिए थे, ताकि ब्रिटिश राज की बर्बरता आन्दोलनकारियों में भय पैदा कर सके। इस नरसंहार का दूसरा खलनायक ब्रिगेडियर जनरल रेजिनाल्ड एडवर्ड हैरी डायर था। डायर मूलतः एक कर्नल था जिसे अस्थाई ब्रिगेडियर जनरल के तौर पर वहां पर सेना की कमान दी गई थी। कमाडर के तौर पर डायर ने ही आन्दोलनकारियों पर रायफलों और मशीनगनों से तब तक बरसाई जब तक गोलियां समाप्त नहीं हो गई। इन दोनों ही डायरों की मौत अलग-अलग कारणों से हुई। पंजाब के इतिहास की विशेषज्ञ डॉ. इंदु बगा के अनुसार दानों ही डायरों का जन्म सन-1864 में हुआ था। लेफ्टिनेंट गवर्नर फ्रांसिस ओ' ड्वायर की 13 मार्च 1940 को लंदन के कैक्सटन हॉल में महान क्रांतिकारी उधम सिंह ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। उधमसिंह को माइकल ओ' डायर की हत्या का दोषी ठहराया गया और 31 जुलाई 1940 को उन्हें फांसी पर लटका दिया गया। जबकि डायर की 1927 में मस्तिष्क रक्तस्राव और धमनीकाठिन्य से मृत्यु हो गई थी। जबकि रेजिनाल्ड एडवर्ड हैरी डायर की मृत्यु छब्बीस साल बाद 23 जुलाई 1927 को इंग्लैड के ब्रिस्टल के निकट लॉन्ग एश्टन में 1927 में मस्तिष्क रक्तस्राव और धमनी काठिन्य से मृत्यु हो गई थी। अमर शहीद उधमसिंह जलियांवाला बाग नेरसंहार के वक्त घटनास्थल पर ही थे और बचे हुए लोगों में से एक थे। जलियांवाला बाग नरसंहार में गोलियों की बौछारें कराने वाले डायर जिसे अमृतसर का कसाई भी कहा जाता है का जन्म और पालन पोषण पंजाब के मुर्री में हुआ था जो कि अब पाकिस्तान में है। वह अंग्रेजी के साथ ही हिन्दुस्तानी भाषाओं का अच्छा ज्ञाता था। डायर को 1885 में वेस्ट सरे रेजिमेंट में कमीशन मिला था और बाद में भारतीय सेना में स्थानांतरित कर दिया गया। वह 1886-87 में बर्मा के अभियान में भी शामिल और उसने 1901-02 में वजीरिस्तान (अब पाकिस्तान में) की नाकाबंदी में भाग लिया। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान उसके पास पूर्वी फारसी घेरे का प्रभार था, जिसका उद्देश्य अफगानिस्तान में जर्मन घुसपैठ को रोकना था। वहां भी डायर ने लोगों पर अपनी मर्जी से ज्यादतियां कीं जिस कारण उसे वहां से हटा दिया गया था। उसे ब्रिगेडियर जनरल की अस्थाई पद्वी मिली थी अन्यथा वह कर्नल ही था और इसी पद से सेना से हटाया गया था। इस नरसंहार की पृष्ठभूमि में रॉलेट एक्ट के विरुद्ध भड़का जनाक्रोश था। महात्मा गांधी के आह्वान पर इस एक्ट के विरुद्ध देश के विभिन्न हिस्सों में सत्याग्रह 6 अप्रैल, 1919 को शुरू हो गया था। पंजाब में तो स्थिति विस्फोटक होने वाली थी। उस समय पंजाब के सबसे बड़े शहर लाहौर में प्रदर्शनकारियों की संख्या इतनी अधिक थी कि ऐसा लगा मानो पूरा शहर सड़कों पर उतर आया हो। मदन मोहन मालवीय, मुहम्मद अली जिन्ना और मजहर उल हक जैसे कई नेताओं ने इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल से इस्तीफा दे दिया। उस समय पंजाब के ब्रिटिश लेफ्टिनेंट-गवर्नर, माइकल ओ'डायर इस बारे में विशेष रूप से परेशान था। डॉ. सैफुद्दीन किचलू और डॉ. सत्यपाल ने रॉलेट एक्ट के खिलाफ पंजाब के अमृतसर में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया और जनता के बीच हिंदू-मुस्लिम एकता को प्रेरित किया।

आप का नजरीया

आर्थिक पटरी पर मेले

पर्यटक सीजन में हिमाचली मेले एक बड़ी संभावना का आयोजन देख रहे हैं, लेकिन इस क्षमता को प्रदेश की आर्थिकी से जोड़ा ही नहीं गया। इसी तरह धार्मिक स्थलों की कमाई और आयोजनों को भविष्य की आर्थिकी नहीं माना गया। सुक्खू सरकार अगर व्यवस्था परिवर्तन के एहसास में पारंपरिक मेलों, धार्मिक आयोजनों, मंदिरों की आय तथा हिमाचल के लोक जीवन व कलाओं को आर्थिक पटरी पर रखे, तो आय के स्रोत खजाने को राहत दे सकते हैं। हिमाचल के हर गांव, कस्बे और शहर से जुड़ा कोई न कोई मेला है और इसी तरह धार्मिक स्थल भी वार्षिक रूप से धार्मिक मेलों की तरह योगदान दे रहे हैं। एक मोटे अनुमान के अनुसार तमाम मेलों के आयोजन में सरकारी गैरसरकारी व सामाजिक योगदान से करीब सौ करोड़ जुटाए जाते हैं और करीब इतनी ही आय विभिन्न मंदिरों से हो रही है। इस तरह दो सौ करोड़ के व्यय से मेले और मंदिर अपनी वार्षिक बजटीय व्यवस्था का निर्वहन कर रहे हैं, लेकिन आय-व्यय के हिसाब में न आगे बढने का संकल्प और न ही पारदर्शी नियम सामने आए हैं। इस रौनक में कुछ चेहरे वीआईपी नजर आते हैं, लेकिन वर्षों बाद भी परंपराओं के दूत कब्जा जमाए बैठे हैं। उदाहरण के लिए धर्मशाला के धुम्मू शाह मेले का आयोजन पुनः एक निरर्थक अभ्यास की तरह कई पाटों और हकदारों में विभक्त दिखाई दे रहा है। एक ओर प्रशासन तो दूसरी ओर सियासी निर्वाचन चुगली कर रहा है। मोटे तौर पर एक करोड़ के करीब आय की पहली खिडक़ी खुली है। यही मेला आय की दृष्टि से दस करोड़ का हो सकता है और इसी तरह हिमाचल का हर छोटा बड़ा मेला प्रेरित, परिष्कृत और वित्तीय रूप में अनुशासित किया जाए, तो आज सौ करोड़ कमा रहे मेले आगे चलकर हजार करोड़ के और इसी तरह मंदिरों की आय दस गुना बढ़ कर हजार करोड़ हो सकती है। इसके लिए योजना, अधोसंरचना तथ व्यवस्था का एक स्थायी ढांचा खड़ा करना पड़ेगा। मसलन हिमाचल में मेलों की क्षमता में स्थान व अतिक्रमण अवरोधक बना है। हर मेला स्थल को निश्चित जमीन तथा पार्किंग व ट्रैफिक प्लान चाहिए। कई मेले सडक़ों के किनारे होते आए हैं, जिन्हें अन्यत्र व्यवस्थित करना होगा। उदाहरण के लिए लिदबड़ (नगरोटा बगवां) मेले का स्तर सरकार ने बढ़ाया है, उसके आयोजन का स्थल अस्सी फीसदी घट चुका है। बड़े मेलों, यानी रेणुका जी, मंडी की शिवरात्रि, रामबुशहर की लवी, चंबा की मिंजर या सुजानपुर की होली की भी यही दिक्कत है कि आयोजन स्थल सिकुड़ रहे हैं, जबकि लोगों की रुचि से ये एक नए आयाम पर हैं। मेला विकास प्राधिकरण के तहत अगर मेलों का वर्गीकरण, मेला स्थलों का विकास, ट्रैफिक प्लान तथा पार्किंग व्यवस्था के समाधान करें, तो ये आयोजन पर्यटन की खूबसूरती में हिमाचली व्यंजनों, धाम तथा स्थानीय उत्पादों के बिक्री स्थल भी बन सकते हैं। इसी के साथ विभिन्न छिंजों को कुश्ती की प्रतिभा में समृद्ध कर सकते हैं। तमाम लोक व अन्य कलाकारों के साथ वार्षिक कान्ट्रेक्ट के तहत इन्हें स्थायी रोजगार दिया जा सकता है।

हिंद प्रशांत क्षेत्र में मिलकर कर सकते हैं काम, भारतीय सेनाओं की क्षमता बढ़ाने पर ऑस्टिन ने दिया जोर

वॉशिंगटन ।

अमेरिका ने भारतीय सेना की क्षमताओं को बढ़ाने पर बात की। रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने सांसदों से कहा कि भारतीय सेना की क्षमताओं को बढ़ाकर दोनों देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति का अधिक स्थिर संतुलन बनाए रखने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। वहीं

अमेरिका और भारत की सेनाएं अभियान गतिविधियों को तेज कर रहीं - ऑस्टिन ने सदन की सशस्त्र सेवा समिति के सदस्यों को इस हफ्ते रक्षा मंत्रालय के वार्षिक बजट पर सांसदों की सुनवाई के दौरान बताया कि हिंद महासागर में समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए अमेरिका और भारत की सेनाएं अभियान गतिविधियों को तेज कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना की ताकत बढ़ाकर दोनों देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति का अधिक स्थिर संतुलन बनाए रखने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बजट के इस अनुरोध के साथ हम अपनी प्रमुख रक्षा साझेदारी के तहत अमेरिका-भारत संबंधों में एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं।

संयुक्त अभ्यास में तेजी ला रहे - रक्षा सचिव ने कहा, हमारी सेनाएं हिंद महासागर में समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त अभ्यास, सूचना-साझाकरण और अन्य परिचालन गतिविधियों में तेजी ला रही हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि अमेरिका-भारत की बढ़ती साझेदारी हमारे सहयोगियों विशेष रूप से ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका के बीच चतुष्कोणीय सुरक्षा वार्ता का समर्थन करे।

वैश्विक रणनीतिक साझेदारी आवश्यक - हिंद-प्रशांत पर सांसदों की एक अलग सुनवाई के दौरान अमेरिका हिंद-प्रशांत कमान के कमांडर एडमिरल जॉन सी एक्विलिनो ने सांसदों से कहा कि मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका-भारत के बीच वैश्विक रणनीतिक साझेदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि साल 2023 में अमेरिका-भारत ने इंडस एक्स शुरू किया और द्विपक्षीय रक्षा औद्योगिक सहयोग और नवाचार को बढ़ाने के लिए अमेरिका-भारत रक्षा औद्योगिक सहयोग के लिए एक रोडमैप पूरा किया।

क्या है अमेरिका की हिंद प्रशांत महासागर रणनीति - अपनी हिंद प्रशांत महासागर रणनीति के तहत अमेरिका हिंद प्रशांत महासागर इलाके के विभिन्न देशों के तहत सुरक्षा सहयोग बढ़ा रहा है। विभिन्न देशों को सैन्य तौर पर मजबूत किया जा रहा है। साथ ही क्वाड के तहत अमेरिका ने भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ रणनीतिक साझेदारी भी बनायी है। इस पूरी कवायद को चीन को काउंटर करने और हिंद प्रशांत महासागर को मुक्त और समृद्ध रखने के तौर पर देखा जा रहा है। क्वाड के बाद अब अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया के साथ भी एक सैन्य गठबंधन बनाने की तैयारी कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

भारतीयों की नाराजगी से घबराया मालदीव, अब पर्यटकों को लुभाने के लिए बनाई खास रणनीति

माले। भारत और मालदीव में इस साल की शुरुआत से विवाद बना हुआ है। दोनों देशों के बीच जारी तनाव का नुकसान कहीं न कहीं मालदीव को हो रहा है। यहां भारतीय पर्यटकों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। ऐसे में मालदीव उन्हें फिर से लुभाने के लिए भारत के प्रमुख शहरों में रोड शो करेगा। यह घोषणा उसके प्रमुख पर्यटन निकाय मालदीव एसोसिएशन ऑफ ट्रैवल एजेंट्स एंड टूर ऑपरेटर्स (माटाटो) ने की है। हालांकि, रोड शो किन शहरों में और कब कराया जाएगा, इसकी जानकारी नहीं दी गई। भारतीय पर्यटकों की कमी से जूझने के बीच, माटाटो ने दोनों देशों के बीच यात्रा और पर्यटन सहयोग बढ़ाने पर यहां भारत के उच्चायुक्त मुनु महावर के साथ चर्चा की। भारत के बहिष्कार से मालदीव में विभिन्न क्षेत्रों पर प्रभाव पड़ रहा है, विशेषकर पर्यटन पर, जो मालदीव की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह है मामला गौरतलब है, पीएम मोदी तीन जनवरी को लक्षद्वीप के दौरे पर गए थे। उन्होंने छह जनवरी को वहां की खूबसूरती से जुड़ी तस्वीरें साझा कर कहा था, प्राकृतिक सुंदरता के अलावा लक्षद्वीप की शांति भी मंत्रमुग्ध कर देने वाली है। इसके बाद लक्षद्वीप और मालदीव की तुलना होने लगी। इस पर मालदीव के कुछ मंत्रियों ने पीएम मोदी और भारत के खिलाफ अपमान टिप्पणी की थी। इस पर भारत के लोगों में गुस्सा भड़क गया और जमकर आलोचना की थी। ये आलोचना इस नौबत तक जा पहुंची कि सोशल मीडिया में हैशटैग बॉयकॉट मालदीव ट्रेंड करने लगा था। बॉयकॉट के चलते मालदीव को भारी नुकसान हुआ। कई हस्तियों समेत भारतीयों ने अपनी यात्रा रद्द कर दी थी। आंकड़ों से हुआ खुलासा आंकड़े दर्शाते हैं कि शीर्ष पर्यटक देश होने से भारत का स्थान जनवरी के बाद पहले पांचवें और अब छठे स्थान पर आ गया है।मालदीव के पर्यटन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इस साल 10 अप्रैल तक, आने वाले कुल 6,63,269 पर्यटकों में से चीन 71,995 के साथ शीर्ष पर रहा, इसके बाद यूनाइटेड किंगडम (66,999) दूसरे, रूस (66,803) तीसरे, इटली (61,379) चौथे , जर्मनी (52,256) पांचवें और भारत (37,417) छठे स्थान पर है। भारत के साथ सहयोग करना चाहता है मालदीव माले में भारतीय उच्चायोग में आयोजित एक बैठक में चर्चा के बाद, माटोटो ने एक बयान में कहा कि उन्होंने पर्यटन पहल को बढ़ावा देने के लिए मालदीव में भारतीय उच्चायोग के साथ मिलकर सहयोग करने का इरादा व्यक्त किया है। माटोटो और भारतीय हाई कमिश्नर की बैठक के बाद जारी हुए बयान में कहा गया, भारतीय पर्यटकों को मालदीव भेजने के लिए प्रमुख भारतीय शहरों में व्यापक रोड शो शुरू करने और आगामी महीनों में इंफ्लूएंसर्स को मालदीव भेजने से जुड़ी योजना पर काम चल रहा है। मालदीव के लिए भारत एक महत्वपूर्ण टूरिस्ट मार्केट बयान में आगे कहा गया, भारत मालदीव के लिए एक महत्वपूर्ण टूरिस्ट मार्केट बना हुआ है। माटोटो का कहना है कि वे मालदीव को एक प्रमुख ट्रैवल डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने के लिए भारत के प्रमुख ट्रैवल एसोसिएशन और इस उद्योग से जुड़े लोगों के साथ साझेदारी करने के लिए तत्पर है।

वाणिज्य दूतावास पर एयर स्ट्राइक के बाद बौखलाए ईरान की चेतावनी, अलर्ट पर इजराइल

यरुशलम । हमास-इजराइल जंग के बीच एक और युद्ध छिड़ता दिख रहा है। बताया जा रहा कि ईरान

इजराइल पर बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। इस चेतावनी को देखते हुए इजराइल अलर्ट पर था। दरअसल, हाल ही में सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला हुआ था। इसमें दो ईरानी जनरलों की मौत हो गई थी। ईरान ने हमले का आरोप इजराइल पर लगाया है। साथ ही उसने जवाबी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। लड़ाकुओं को छुट्टी न देने का फैसला अमेरिका ने भी ईरान और उसके सहयोगियों द्वारा हमला किए जाने की चेतावनी दी है। हमले की संभावना को देखते हुए मध्य पूर्व तनाव बढ़ गया है। वहीं हाल ही में इजराइल ने अपनी हवाई सुरक्षा को मजबूत करने और लड़ाकू इकाइयों को छुट्टी न देने का फैसला लिया। बाइडन ने दिया इजराइल का साथ ईरान द्वारा जवाबी कार्रवाई की कसम खाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजराइल को अपना समर्थन दिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा था, जैसा कि मैंने प्रधानमंत्री नेतन्याहू से कहा, ईरान और उसके सहयोगियों से इन खतरों से इजराइल की सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ है। हम इजराइल की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। यह है मामला एक अप्रैल को सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला हुआ था। इससे दूतावास का एक खंड पूरी तरह ध्वस्त हो गया था। वहीं, ईरान के दो शीर्ष सैन्य जनरल और पांच अन्य अधिकारी भी मारे गए थे। इस हमले का ईरान इजराइल पर आरोप लगा रहा है। साथ ही उसने जवाबी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।

चीन की बढ़ेगी परेशानी, व्हाइट हाउस में फिलीपींस और जापान के राष्ट्राध्यक्षों से पहली बार एक साथ मिले बाइडन

वॉशिंगटन ।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने व्हाइट हाउस में फिलीपींस के राष्ट्रध्यक्षों से मुलाकात की। यह इन देशों के बीच पहली त्रिपक्षीय औपचारिक मुलाकात है। तीनों नेताओं की एकसाथ बैठक को चीन की बढ़ती चुनौती से जोड़कर देखा जा रहा है। दरअसल जापान और फिलीपींस दोनों ही देशों का चीन के साथ सीमा विवाद चल रहा है।

चीन की बढ़ती चुनौती से निपटने की तैयारी

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने व्हाइट हाउस में जापान के पीएम फुमियो किशिदा और फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्दिनांद मार्कोस जूनियर के साथ बैठक की। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि अमेरिका, जापान और फिलीपींस की सुरक्षा के लिए समर्पित है। बाइडन ने कहा कि जब हम एकजुट होते हैं तो हम सभी के लिए सुनहरा भविष्य बनाने में सक्षम होते हैं। यह बैठक ऐसे समय हो रही है, जब जापान का चीन के साथ सेनकाकु द्वीप को लेकर विवाद चल रहा है। वहीं फिलीपींस का दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ सीमा विवाद चल रहा है।

हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती चुनौती से निपटने के लिए अमेरिका लगातार साझेदारियां बना रहा है। भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर अमेरिका ने क्वाड का गठन किया है। वहीं ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर ऑक्स का गठन किया है। अब फिलीपींस, जापान के साथ मिलकर अमेरिका ने एक नया त्रिपक्षीय गठबंधन तैयार किया है। तीनों नेताओं की बैठक में चीन के ताइवान और दक्षिण चीन सागर में आक्रामक रुख, उत्तर कोरिया द्वारा परमाणु युद्ध की चुनौती और इसके रूस के साथ बढ़ते संबंधों पर चर्चा हुई।

फिलीपींस और चीन में है सीमा विवाद

फिलीपींस और चीन के बीच विवाद का कारण सेकंड थॉमस शोल इलाके को लेकर है। यह इलाका फिलीपींस के पलावन द्वीप के तट से करीब 200 किलोमीटर दूर है। फिलीपींस और चीन दोनों ही देश इस जगह अपना दावा करते हैं। साल 1990 में फिलीपींस ने यहां अपना एक जहाज तैनात किया था ताकि इस इलाके पर उसका अधिकार रहे। अब भी वह जहाज वहां तैनात है, लेकिन अब वह बेकार हो चुका है, लेकिन इसके बावजूद अपने दावे को मजबूत रखने के लिए फिलीपींस ने जहाज पर अपने सैनिकों का एक छोटा दल तैनात किया हुआ है, जिन्हें फिलीपींस द्वारा राशन की सप्लाई की जाती है। बीते साल अक्तूबर में फिलीपींस का एक जहाज जब सेकंड थॉमस शोल में तैनात सैनिकों के लिए राशन की सप्लाई करने जा रहा था तो चीनी नौसेना के जहाजों ने फिलीपींस के जहाज को टक्कर मार दी और वाटर कैनन से फिलीपींस के जहाज पर हमला भी किया, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया।

गौरतलब है कि फिलीपींस और अमेरिका के बीच साल 1951 में एक संधि भी हुई थी, जिसमें किसी भी तीसरे देश के हमला करने पर दोनों देश एक दूसरे की मदद करेंगे। व्हाइट हाउस में हुई बैठक चीन की बढ़ती आक्रमकता को ही जवाब देने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। बैठक में अमेरिका ने जापान और फिलीपींस, दोनों देशों को चीन की आक्रामकता के खिलाफ साथ देने का आश्वासन दिया।

खुद पर विश्वास रखे अमेरिका

जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने अमेरिकी कांग्रेस की संयुक्त बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अमेरिकी नेतृत्व इन दिनों विश्वास की कमी से जूझ रहा है और यह समस्या तब आ रही है, जब अमेरिकी नेतृत्व की सबसे ज्यादा जरूरत है। किशिदा ने कहा कि दुनिया को अमेरिका की जरूरत है कि वह विभिन्न देशों के मामलों में अहम भूमिका निभाता रहे। आज जब मैं यहां हूं तो मैं महसूस कर रहा हूं कि कुछ अमेरिकियों को ये पता ही नहीं है कि दुनिया में उनकी क्या भूमिका होनी चाहिए। किशिदा ने अमेरिका से अपील की कि वह खुद पर विश्वास रखे और वैश्विक मामलों में अपना दखल बरकरार रखे। किशिदा ने ये भी कहा कि आज जो यूक्रेन के साथ हो सकता है, कल वो पूर्वी एशिया में भी हो सकता है।

अमेरिकी कांग्रेस में उठा हिंदू मंदिरों पर हमले और हिंदूफोबिया का मामला, पूछा- जांच एजेंसियां क्या कर रहीं

वॉशिंगटन ।

अमेरिकी संसद में एक प्रस्ताव पेश किया गया है, जिसमें अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर हमले की घटनाओं और हिंदूफोबिया की कड़ी निंदा की गई है। इस प्रस्ताव को भारतीय मूल के कांग्रेसमैन श्री थानेदार ने पेश किया है। फिलहाल यह प्रस्ताव समीक्षा के लिए सदन की समिति के पास भेजा गया है। इससे पहले भारतीय मूल के सांसदों ने न्याय विभाग को चिट्ठी लिखकर भी हिंदू मंदिरों पर हो रहे हमलों पर जवाब मांगा था।

हिंदू समुदाय को झेलना पड़ रहा पक्षपात

प्रस्ताव में कहा गया है कि हिंदू अमेरिकी समुदाय ने अमेरिका की तरक्की में अहम योगदान दिया है, लेकिन इसके बावजूद इस वर्ग को पक्षपात का सामना करना पड़ता है। स्कूल-कॉलेजों में हिंदू अमेरिकी छात्रों को चिढ़ाया जाता है। साथ ही उन्हें पक्षपात, घृणा अपराध और पक्षपाती अपराध का सामना करना पड़ता है। एफबीआई की घृणा अपराध से संबंधित एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में हिंदुओं के खिलाफ घृणा अपराध की घटनाएं, मंदिरों पर हमले बढ़े हैं। प्रस्ताव के अनुसार, साल 1900 से दुनिया के विभिन्न हिस्सों से हिंदू समुदाय के लोग अमेरिका आ रहे हैं और इनकी संख्या करीब 40 लाख है। अमेरिका की अर्थव्यवस्था और प्रत्येक औद्योगिक क्षेत्र के विकास में इस समुदाय का अहम योगदान रहा है।

भारतीय मूल के सांसदों ने न्याय विभाग को लिखी थी चिट्ठी

बीते दिनों 29 मार्च को भारतीय अमेरिकी मूल के सांसद राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना, थानेदार, एमी बेरा और प्रमिला जयपाल ने भी न्याय विभाग को पत्र लिखकर हिंदू मंदिरों पर हुए हमलों की घटनाओं की जांच की जानकारी मांगी है। पत्र में कहा गया कि न्यूयॉर्क से कैलिफोर्निया तक मंदिरों पर हमले हुए हैं। जिससे अमेरिका में रहने वाले हिंदू समुदाय में डर और घबराहट का माहौल है। मंदिरों पर हमले के मामलों में जांच की प्रगति पर भी सांसदों ने नाराजगी जाहिर की और पूछा कि जांच एजेंसियों ऐसे मामलों से निपटने के लिए क्या कर रही हैं।

गाजा पर हमलों के लिए इजराइल ने एआई तकनीक का किया इस्तेमाल, रिपोर्ट में लगाए गए गंभीर आरोप

तेल अवीव ।

इजराइल सेना पर आरोप लगे हैं कि वह गाजा में हमले के लिए एआई तकनीक का इस्तेमाल कर रही है। एक रिपोर्ट में ये खुलासा किया गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एआई तकनीक से हुए हमलों में बड़ी संख्या में आम नागरिकों की मौत हुई। यह रिपोर्ट बीते हफ्ते प्रकाशित हुई है, जिसे इजराइली और फलस्तीनी पत्रकारों द्वारा संचालित की जाने वाली एक मैग्जीन में प्रकाशित किया गया है।

रिपोर्ट में किए ये दावे

इस रिपोर्ट में इजराइली खुफिया एजेंसी के छह अनाम सूत्रों के हवाले से यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, जिस एआई सिस्टम का इस्तेमाल इजराइली सेना द्वारा किया जा रहा है, उसे लैवेंडर के नाम से जाना जाता है। लैवेंडर के साथ ही कई अन्य एआई सिस्टम का भी इस्तेमाल टारगेट को पहचानने के लिए किया जा रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि एआई सिस्टम की मदद से कई संदिग्ध आंतकियों की पहचान की गई और उन्हें निशाना बनाया गया। जब इन संदिग्धों को निशाना बनाया गया तो रिपोर्ट में दावा है कि उस वक्त कई अपने घरों में मौजूद थे। इससे हमलों में आम नागरिकों की मौतें हुईं।

इजराइली सेना ने किया आरोपों से इनकार

हालांकि इजराइली सेना ने इन दावों को खारिज कर दिया है। इजराइली सेना का कहना है कि आतंकियों को पहचानने में किसी एआई तकनीक का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। इजराइली सेना ने कहा कि लैवेंडर कोई एआई सिस्टम नहीं है बल्कि सिर्फ एक डाटाबेस है, जिसका इस्तेमाल खुफिया सूचनाओं की पुष्टि के लिए होता है। हालांकि साल 2021 में इजराइली मीडिया की खबरों में बताया गया था कि इजराइली सेना में एआई तकनीक का इस्तेमाल शुरू हो गया है।

लोकसभा चुनाव के बीच विदेश सचिव विनय क्वात्रा अमेरिका दौरे पर, कई अहम बैठकों में हुए शामिल

वॉशिंगटन ।

भारत के विदेश सचिव विनय क्वात्रा अमेरिका के दौरे पर हैं। अमेरिका दौरे पर विनय क्वात्रा अमेरिकी सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और उद्योगपतियों से मिले। विनय क्वात्रा का अमेरिका दौरा दोनों देशों के संबंधों को रक्षा और तकनीक के क्षेत्र में और मजबूत करने के उद्देश्य से हो रहा है। विनय क्वात्रा ने अमेरिका के स्टेट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसोर्स विभाग के डिप्टी सेक्रेटरी रिचर्ड वर्मा से मुलाकात की।

उद्योगपतियों से भी विदेश सचिव ने की मुलाकात

इनके अलावा भारतीय विदेश सचिव ने अमेरिका के विदेश विभाग के उप-सचिव कर्ट कैंपबेल से भी मुलाकात की। रिचर्ड वर्मा ने सोशल मीडिया पर साझा किए एक पोस्ट में लिखा कि भारतीय विदेश सचिव के साथ भारत-अमेरिका के संबंधों को मजबूत करने, दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने और क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर

बातचीत हुई। क्वात्रा ने यूएस इंडिया बिजनेस काउंसिल के एक कार्यक्रम में भी शिरकत की, जिसमें उन्होंने काउंसिल के चीफ और नैस्डेक के वाइस चेयरमैन एड नाइड से मुलाकात की। दोनों के बीच निवेश, इनोवेशन और तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर बात हुई।

मीडिया की सुर्खियों से दूर है विनय क्वात्रा का अमेरिका दौरा

विनय क्वात्रा अमेरिका में वहां की सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारियों से मिल रहे हैं। लोकसभा चुनाव के बीच क्वात्रा का यह अमेरिका दौरा मीडिया की सुर्खियों से दूर है। पीएम मोदी के बीते साल जून में हुए अमेरिका दौरे के बाद दोनों देशों के रिश्तों में बीते दिनों उस वक्त तल्खी आई, जब अमेरिका में खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू को मारने की साजिश में भारतीय नागरिक पर आरोप लगे। वहीं बीते दिनों दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के मुद्दे पर अमेरिका ने बयान जारी किया था, जिस पर भारत ने नाराजगी जताई थी।

अमेरिका के रक्षा विभाग के प्रेस सचिव मेजर जनरल पैट राइडर का कहना है कि भारत, अमेरिका का अहम सहयोगी है और दोनों देशों के बीच रिश्ते मजबूत होने चाहिए। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने भी सीनेट की रक्षा मामले की समिति को बताया कि बाइडन प्रशासन में भारत-अमेरिका के संबंधों का नया अध्याय शुरू हुआ है। दोनों देशों में संयुक्त युद्धाभ्यास, जानकारी का आदान-प्रदान और मेरीटाइम सिक्योरिटी को लेकर साझेदारी मजबूत हुई है।

ईरान की धमकी के बाद अमेरिका ने इन देशों से की बात, कहा- मध्य पूर्व में तनाव बढ़ना किसी के हित में नहीं

वॉशिंगटन ।

हमास-इजराइल जंग के बीच एक और युद्ध छिड़ता दिख रहा है। बताया जा रहा है कि ईरान इजराइल पर बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। हालांकि, अमेरिका लगातार इस बात पर जोर दे रहा कि मध्य पूर्व में तनाव बढ़ना किसी के हित में नहीं होगा। दरअसल हाल ही में सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला हुआ था। ईरान ने इसका आरोप इजराइल पर लगाया है। इसी हमले के जवाब में ईरान, इजराइल के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी कर रहा है।

तनाव बढ़ना किसी के हित में नहीं

ईरान लगातार चेतावनी दे रहा है। इसको देखते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने पिछले 24 घंटों में अपने तुर्की, चीनी और सऊदी समकक्षों से बात की और स्पष्ट किया तनाव बढ़ना किसी के हित में नहीं है।

अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि क्षेत्र में तनाव बढ़ने के खतरे के बारे में वाशिंगटन चिंतित है, विशेष रूप से ईरान द्वारा इजराइल को दी गई धमकियों के बाद। वहीं, ब्रिटिश विदेश सचिव डेविड कैमरन ने भी कहा कि उन्होंने अपने ईरानी समकक्ष से बात की और यह स्पष्ट कर दिया था कि ईरान को मध्य पूर्व को संघर्ष में नहीं खींचना चाहिए।

आगे के हमलों को रोकने के लिए काम हो

उन्होंने कहा, आज मैंने विदेश मंत्री अमीर अब्दुल्लाहियान से बात की और स्पष्ट कर दिया कि ईरान को मध्य पूर्व को संघर्ष में नहीं खींचना चाहिए। मैं गलत अनुमान के कारण आगे की हिंसा की संभावना के बारे में गहराई से चिंतित हूं। ईरान को इसके बजाय तनाव कम करने और आगे के हमलों को रोकने के लिए काम करना चाहिए।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान ने किसी भी हमले का सख्त जवाब देने का संकल्प लिया है। इसको देखते हुए इजराइली रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने

अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन को फोन किया और ईरान द्वारा हमला किए जाने की संभावना की तैयारियों पर चर्चा की। गैलेंट ने सोशल मीडिया पर कहा, इजराइल और अमेरिका के बीच सुरक्षा सहयोग शक्तिशाली है। इससे पहले, ईरान द्वारा जवाबी कार्रवाई की कसम खाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजराइल को अपना समर्थन दिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, जैसा कि मैंने प्रधानमंत्री नेतन्याहू से कहा, ईरान और उसके सहयोगियों से इन खतरों से इजराइल की सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ है। बाइडन ने यहां आए जापानी प्रधानमंत्री किशिदा फुमियो के साथ व्हाइट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम इजराइल की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

ईरान ने दी थी धमकी

ईरानी राष्ट्रपति के राजनीतिक मामलों के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद जमशीदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया था। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा था कि अमेरिका को बीच में नहीं आना चाहिए ताकि वह हमले की चपेट में न आ जाए। जमशीदी ने कहा था कि अमेरिका ने ईरान से कहा है कि वह अमेरिकी ठिकानों को निशाना न बनाए। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, ईरान की चेतावनी के बाद अमेरिका भी हाई अलर्ट पर है और इजराइल में अपने ठिकानों की सुरक्षा को लेकर चिंतित है। बीते दिनों सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला हुआ था। इस हमले में ईरानी सेना के एक वरिष्ठ जनरल समेत 13 लोग मारे गए थे। ईरान इस हमले का आरोप इजराइल पर लगा रहा है, लेकिन इजराइल ने आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

पश्चिम एशिया में लड़ाई बढ़ने की बढ़ी आशंका

इजराइल द्वारा काफी दिनों से सीरिया में ईरान से जुड़े ठिकानों पर हमला किया जा रहा था, लेकिन ताजा हमला अपने आप में पहला है, जिसमें ईरानी दूतावास को निशाना बनाया गया। ईरानी दूतावास पर हमले में हिजबुल्ला के लड़ाके भी मारे गए हैं। अब हिज्बुल्ला के नेता हसन नसरल्ला ने बीते कहा था कि बेशक ईरान जवाब देगा। लेकिन उन्होंने कहा था कि हिज्बुल्ला इसमें कोई दखल नहीं देगा। इजराइल हमास युद्ध के बीच ईरान द्वारा इजराइल पर हमले की तैयारी से संघर्ष के पश्चिम एशिया के बड़े इलाके में फैलने का डर भी पैदा हो गया है। हाई अलर्ट पर इजराइल मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि ईरान के संभावित हमले को देखते हुए इजराइल भी हाई अलर्ट पर है और इजराइल में कई जगहों पर नेविगेशन सिस्टम बंद कर दिया गया है।

भारत के परमाणु हथियार समाप्त करना चाहता है इंडी गठबंधन : मोदी

बाड़मेर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि हम 400 सीट की बात इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि आपने दस साल अच्छे काम करने से मुझे रोकने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन के दल देश से परमाणु हथियार खत्म करना चाहते हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि आखिर किसके दबाव में आपका गठबंधन हमारी परमाणु ताकत को खत्म करना चाहता है। प्रधानमंत्री मोदी शुक्तवार को भाजपा उम्मीदवार कैलाश चौधरी के पक्ष में बाड़मेर में चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह चुनाव लोकतंत्र को मजबूत करने का चुनाव है। कांग्रेस ने पांच दशक से ज्यादा देश पर हुकूमत की लेकिन एक भी ऐसी बड़ी समस्या नहीं है, जिसका पूरा समाधान दिया हो। उन्होंने कहा कि राजस्थान के रेगिस्तान में महिलाएं कहती थीं कि घी ढुल जाए तो मेरा कुछ नहीं जाएगा लेकिन पानी नहीं ढुलना चाहिए। मोदी ने इस समस्या को दूर करने के लिए जल जीवन मिशन की शुरुआत की लेकिन कांग्रेस सरकार ने इसमें भी भ्रष्टाचार किया। कांग्रेस की सोच ही विकास विरोधी है। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ इंडी गठबंधन वाले कितनी नफरत से भरे हुए हैं, ये इनके घोषणा पत्र में नजर आता है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में बंटवारे की गुनहगार मुस्लिम लीग की छाप नजर आती है। अब इस गठबंधन में शामिल एक और दल ने देश के खिलाफ बहुत खतरनाक ऐलान किया है। उन्होंने अपने घोषणा पत्र में लिखा है कि हम भारत के परमाणु हथियार नष्ट कर देंगे। भारत जैसा देश, जिसके दोनों तरफ के देश के पास परमाणु हथियार हो, उस देश के पास से परमाणु हथियार समाप्त करने की घोषणा इनकी नीयत उजागर करता है। एक तरफ मोदी भारत को शक्तिशाली बना रहा है, दूसरी तरफ इंडी गठबंधन भारत को कमजोर करना चाहता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के सीमावर्ती गांवों को वे जानबूझकर विकास से दूर रखते थे। वे कारण बताते थे कि सीमा के पास विकास होगा तो दुश्मन के कब्जा करने की संभावना बढ़ जाएगी। ये शर्म की बात है। किस दुश्मन के कलेजे में हिम्मत है कि वो बाड़मेर की सीमा में कब्जा करने की सोचे। हम देश के सीमावर्ती गांव को पहला गांव मानते हैं। मोदी ने कहा कि कांग्रेस राजस्थान से एक भी सीट जीतने की हकदार नहीं है। इस बार तो उनकी सीटों पर जमानत जब्त होनी चाहिए। उन्हें साफ कर दीजिए, वे सुधरेंगे नहीं। जब मैं बाड़मेर रिफाइनरी के उद्घाटन के लिए यहां आऊंगा तो आपको इसका महत्व बताउंगा। मेरा

अनुरोध है कि पहले मतदान करें, फिर जलपान करें। मोदी ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस हर उस काम का विरोध करती है जो देशहित में होता है। हम शक्ति की उपासना करते हैं लेकिन कांग्रेस के शहजादे कहते हैं कि वो हिंदू धर्म की शक्ति का विनाश कर देंगे। मेरी माताओं-बहनों की ताकत तुम नहीं जानते। इस शक्ति को नष्ट करने वालों से मेरी माता-बहनें ही निपट लेंगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी भारत को सिर्फ जमीन का टुकड़ा मानती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस आजकल एक पुराना रिकॉर्ड बजा रही है। चुनाव आते ही संविधान के नाम पर झूठ बोलना उनका फैशन है। कांग्रेस ने अंबेडकर को भारत रत्न नहीं मिलने दिया, उन्हें चुनाव हरवाया, वो कांग्रेस मोदी को गाली देने के लिए संविधान के नाम पर झूठ की आड़ ले रही है। ये मोदी है, जिसने देश में पहली बार संविधान दिवस मनाना शुरू किया है। कांग्रेस ने संसद में संविधान दिवस मनाने का विरोध किया था। ये बाबा साहेब अंबेडकर का अपमान है। मोदी ने कहा कि मैं अमेरिका गया तो राष्ट्रपति ने भोज पर बुलाया। वहां मुझे बाजरा-मक्का से बना भोजन परोसा गया। ये श्रीअन्न हम पूरी दुनिया में बेच रहे हैं। मोदी ने कहा कि अगर यहां कांग्रेस की सरकार नहीं होती तो मैं दूसरे टर्म में ही बाड़मेर की रिफाइनरी का उद्घाटन कर जाता लेकिन मैं गारंटी देता हूं कि तीसरे टर्म में उद्घाटन करने जरूर आउंगा। आने वाले समय में यहां रोजगार के अवसर पैदा होंगे। गुजरात के कच्छ में भी बाड़मेर जैसे हालात थे, लेकिन हमने वहां खूब काम किया। आज मुंबई से महंगी जमीन कच्छ में है। ऐसा ही विकास बाड़मेर का करेंगे। कांग्रेस सरकार ने अड़ंगा नहीं लगाया होता तो यहां का एयरपोर्ट भी तैयार हो जाता। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि रक्षा के क्षेत्र में भारत तेजी से विकास कर रहा है। प्रचंड हेलीकॉप्टर, ब्रह्मोस मिसाइल जैसे उत्पादन भारत में हो रहे हैं। 2014 से पहले भारत में एक भी ऐसा निर्माण नहीं होता था। सभा से पहले पूर्व विदेश मंत्री जसवंत सिंह के बेटे और पूर्व सांसद मानवेंद्र सिंह कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए। उनकी छह साल बाद घर वापसी हुई है। बाड़मेर-जैसलमेर संसदीय सीट पर भाजपा ने दूसरी बार कैलाश चौधरी को टिकट दिया है। कांग्रेस ने आरएलपी चोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए उम्मेदाराम बेनीवाल पर भरोसा जताया है।

विधानसभा चुनाव 30 सितंबर से पहले कराना केंद्र की मजबूरी : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर (हिंस)। नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही कह चुका है कि चुनाव 30 सितंबर से पहले होने चाहिए और ऐसा करना केंद्र की मजबूरी है। अगर प्रधानमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले चुनाव कराया होता तो एक उपकार होता। अब्दुल्ला शुक्तवार को यहां पत्रकारों से वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर अपनी टिप्पणी करे थे। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्तवार को उधमपुर में एक रैली में कहा था कि वह समय दूर नहीं जब जम्मू-कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव होंगे। जम्मू-कश्मीर को उसका राज्य का दर्जा वापस मिलेगा। आप अपने सपनों को अपने विधायकों और अपने मंत्रियों के साथ साझा कर सकेंगे। नेशनल कांफ्रेंस नेता ने संवाददाताओं से कहा कि 30 सितंबर से पहले जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराना सुप्रीम कोर्ट का फैसला है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर केंद्र सरकार विधानसभा चुनाव पहले करा लेती तो यह एहसान होता लेकिन अब उसे सुप्रीम कोर्ट की तय समयसीमा का पालन करना होगा। चुनाव कराना अब उनके लिए मजबूरी है। जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने पर प्रधानमंत्री मोदी के आश्वासन संबंधी सवाल पर उमर अब्दुल्ला ने कहा कि केंद्र सरकार अब तक जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम के पीछे का कारण नहीं बता पाई है। जहां तक राज्य का दर्जा का सवाल है, वह हमें इसका कारण नहीं बता सके कि यह हमसे क्यों छीन लिया गया। उन्होंने कहा कि हम समझते हैं कि उनके घोषणापत्र में अनुच्छेद 370 को हटाने का उल्लेख किया गया था लेकिन राज्य का दर्जा क्यों लिया गया। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के सरकार के फैसले को बरकरार रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल दिसंबर में भारत के चुनाव आयोग को 30 सितंबर, 2024 से पहले चुनाव कराने का निर्देश दिया था।

सिटी रेलवे स्टेशन के पास मचा हड़कंप फैली सनसनी

पठानकोट। सुबह सिटी रेलवे स्टेशन के पार्सल घर के पास संदिग्ध हालात में अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। वहां खड़े लोगों में हड़कंप मच गया उन्होंने तुरंत स्टेशन अधीक्षक को सूचना दी, जिन्होंने जी.आर.पी. को मैमो दिया। इसके बाद मौके पर पहुंचे जी.आर.पी. कर्मियों ने शव को कब्जे में लेकर पहचान के लिए सिविल अस्पताल के शवगृह में 72 घंटो के लिए रखवा दिया। जांच अधिकारी जी.आर.पी. के एएसआई हरजीत सिंह ने बताया कि सुबह पार्सल घर के बाहर अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने के बाद आस-पास रहने वाले लोगों से शव के बारे में पूछताछ की गई, परंतु वहां पर मौजूद किसी ने भी शव को नहीं पहचाना। इसके बाद शव को पहचान हेतु स्थानीय सिविल अस्पताल के शवगृह में रखा गया है। बता दें मृतक व्यक्ति ने पाजामा व कमीज पहनी हुई है और उसकी आयु करीब 25 से 27 वर्ष होगी। दूसरी ओर जीआरपी ने धारा 174 के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी।

हरियाणा के राज्यपाल ने दिल्ली में लालकृष्ण आडवाणी से की मुलाकात

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने शुक्तवार को पूर्व उप-प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी को भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान *भारत रत्न* से सम्मानित होने पर उनके दिल्ली स्थित आवास पर जाकर उन्हें बधाई दी। दत्तात्रेय ने आडवाणी के अमूल्य योगदान को मान्यता देने और उन्हें यह प्रतिष्ठित पुरस्कार देने के लिए भारत सरकार को भी धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि मैं ऐसे महान व्यक्तित्व वाले दिग्गज से मिलकर बहुत प्रसन्न और धन्य महसूस कर रहा हूं। दिल्ली में आडवाणी से उनके आवास पर मुलाकात करने के पश्चात दत्तात्रेय ने कहा कि हमने पुरानी यादों को ताजा करते हुए चर्चा

की और संस्मरण सांझे किए। उन्होंने वर्ष 2014 तक देश को विकसित करने के लिए साथ बिताए गए अपने सफर के दौरान की बातों को भी साझा किया। राज्यपाल ने कहा कि आडवाणी के योगदान ने आधुनिक भारत के विकास के परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से आकार दिया है और उन्होंने महत्वपूर्ण नेतृत्व प्रदान किया तथा देश को सही दिशा में ले जाने में एक *राजनेता* होने की अपनी क्षमता का बेहतरीन प्रदर्शन किया। दत्तात्रेय ने आडवाणी के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की ताकि उनकी गरिमामय उपस्थिति युवा नेताओं को राष्ट्र निर्माण के सही मार्ग पर चलने को प्रेरित करती रहे।

हर गांव-शहर में अभूतपूर्व विकास किया मोदी सरकार ने : अर्जुनराम

बीकानेर (हिंस)। मोदी सरकार ने हर गांव, हर शहर में अभूतपूर्वक विकास किया है। पीएम ने जनता से जो वादे किये उन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा किया है। बात चाहे भारतमाला प्रोजेक्ट की हो या पेट्रोल-डीजल से वैट कम करने की। ये उद्गार बीकानेर संसदीय सीट से भाजपा के उम्मीदवार अर्जुनराम मेघवाल ने शुक्तवार खाजूवाला के अनेक गांवों मे जनसंपर्क के दौरान व्यक्त किये। मेघवाल ने आज लाखूसर, कालासर, केला, राजासर, सत्तासर, छत्तरगढ़, एक केएम, 465 आरडी, राणेर आदि का दौरा किया। मेघवाल ने केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने सबका साथ सबका विकास को अपना ध्येय मानते हुए अनेक योजनाएं चलाई। जिसका लाभ आज सभी वर्गों को मिल रहा है। खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल में भारत में एक नए युग की शुरूआत हुई है। जहां न केवल भारत की वैश्विक शक्ति बढ़ी है। बल्कि जनता को भी अनेक योजनाओं का लाभ मिला है। रोजगार व कौशल, उर्जा उत्पादन, कृषक कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन हुए है।

कांग्रेस ने लगा रखे थे भ्रष्टाचार के उद्योग, भाजपा ने लगाई रोक : मनोहर लाल

हिसार (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के बड़े आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने समय में भ्रष्टाचार के उद्योग लगा रखे थे, जिन्हें भाजपा सरकार ने बंद करके जनता की आशाओं के अनुरूप शासन दिया है। वे शुक्तवार को बरवाला कपास मंडी में पार्टी की विजय संकल्प रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में जनता ने भ्रष्टाचार का दंश व मूलभूत सुविधाओं का अभाव झेला है। वर्ष 2014 में केंद्र व प्रदेश में सत्ता संभालने के बाद भाजपा ने जहां भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई, वहीं जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने पर जोर दिया। उन्होंने मंच पर मौजूद लोकसभा प्रत्याशी रणजीत सिंह की प्रशंसा करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार के प्रयासों व रणजीत सिंह के नेतृत्व में काम करते हुए बिजली निगम राज्य के 5800 गांवों में 24 घंटे बिजली दे रहा है, जो एक रिकॉर्ड है। इस अवसर पर लोकसभा उम्मीदवार रणजीत सिंह चौटाला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता केवल भारत में ही नहीं बल्कि विश्व के हर देश में है। उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 10 वर्षों में अनेक ऐतिहासिक कार्य किए हैं, जिनकी बदौलत भाजपा तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने जनता से वोटों की अपील करते हुए कहा कि हिसार से उन्हें जीत दिलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 400 पार के नारे को पूरा करने में अपना योगदान दें। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने रैली को संबोधित करते हुए केंद्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियां गिनवाई। उन्होंने पूर्व सांसद बिरेन्द्र सिंह व बृजेन्द्र सिंह पर निशाना साधते हुए कह कि इन दोनों ने भाजपा को धोखा दिया है, जनता उन्हें सबक सिखाएगी। रैली में उपरोक्त के अलावा स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कमल गुप्ता व विधायक विनोद भ्याना ने भी अपने विचार रखे। रैली में बरवाला नगर परिषद चेयरमैन रमेश सरदाना, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, जिला अध्यक्ष डॉक्टर आशा खेदड़, प्रदेश सचिव कैप्टन भूपेंद्र, हिसार लोकसभा प्रभारी अमरपाल राणा, सह प्रभारी रवि सैनी, वरिष्ठ नेता श्रीनिवास गोयल, पूर्व विधायक वेद नारंग, जिला उपाध्यक्ष रणधीर सिंह धीरू व चेयरमैन नरेश जांगड़ा सहित अनेक वरिष्ठ नेता व पदाधिकारी शामिल रहे।

डीएवी पुलिस स्कूल में धूमधाम से मनाया गया वैसाखी का पर्व

फतेहाबाद (हिंस)। पुलिस लाइन स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में शुक्तवार को वैसाखी पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। विद्यार्थियों ने पंजाबी भांगड़ा, कविता गायन आदि मनमोहक गतिविधियों से सभी का खूब मनोरंजन किया। ढोल की थाप पर विद्यार्थियों ने जमकर डांस किया। पंजाबी गीतों पर विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए डांस ने खूब वाहवाही लूटी। कार्यक्तम में हिस्सा लेने पहुंचे बच्चे बैसाखी पर्व पर रंग-बिरंगी पोशाकों को धारण कर स्कूल प्रांगण को चार चांद लगा रहे थे। इस अवसर पर प्राचार्य अरूण शर्मा ने विद्यार्थियों के लिए अपने संदेश में कहा कि वैसाखी समृद्धि और हर्षोल्लास का पर्व है और

हमें इसे भाईचारे और सद्भाव से मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वैसाखी का पर्व फसलों का एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। इस अवसर पर किसानों की फसल पककर तैयार हो जाती है, इसी खुशी में भारत के विभिन्न हिस्सों में यह पर्व जोश, उल्लास व उत्साह के साथ मनाया जाता है। प्राचार्य अरूण शर्मा ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्तम की सराहना करते हुए कहा कि भारत त्यौहारों का देश है और प्रत्येक त्यौहार से हमें जीवन में कुछ ना कुछ सीखने को अवश्य मिलता है। इसलिए हमें प्रत्येक त्यौहार को मिलकर प्रेम और भाइचारे से मनाना चाहिए।

रेजिडेंट डॉक्टर्स की स्ट्राइक के कारण बड़े अस्पतालों में बिगड़े हालात

जयपुर (हिंस)। प्रदेश भर में शुक्तवार से रेजिडेंट डॉक्टरों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सभी मेडिकल कॉलेजों में रेजिडेंट डॉक्टरों की ओर से हड़ताल का ऐलान किया गया है। जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर, बीकानेर, अजमेर सहित अन्य सभी मेडिकल कॉलेज में रेजिडेंट डॉक्टर स्ट्राइक पर चले गए हैं। रेजिडेंट डॉक्टरों की ओर से हड़ताल करने के बाद सरकारी अस्पतालों के हालात बिगड़ गए हैं। सभी शहरों में मरीज परेशान हो रहे है। राजधानी जयपुर में रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल का आज पांचवा दिन है। पिछले दिनों कांवटिया अस्पताल में खुले में एक महिला के प्रसव के मामले में तीन रेजिडेंट डॉक्टरों को एपीओ किया गया था। इसके बाद जयपुर एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स ने आरोप लगाया कि उनके रेजिडेंट्स को झूठे मामले में फंसाया गया है। ऐसे में जिन रेजिडेंट्स को एपीओ किया गया है। उनके एपीओ आदेश निरस्त किए जाए। अन्यथा वह तब तक हड़ताल करेंगे, जब तक रेजिडेंस के एपीओ आदेश निरस्त नहीं होंगे। जार्ड का कहना है कि रेजिडेंट डॉक्टर्स को हमेशा झूठे मामलों में फंसा कर एपीओ कर दिया जाता है। पहले भी सचिन शर्मा की मौत के मामले में दो रेजिडेंट को एपीओ

किया गया है, जो अब तक एपीओ चल रहे हैं और अब कांवटिया अस्पताल के मामले में तीन रेजिडेंट डॉक्टरों को एपीओ किया गया है। ऐसे में अब तक पांच रेजिडेंट डॉक्टर एपीओ चल रहे हैं। यह सभी रेजीडेंट डॉक्टर निर्दोष हैं। उनकी कोई गलती नहीं है इन्हें गलत तरीके से एपीओ किया गया है। ऐसे में अन्य रेजिडेंट को डर है कि आगामी तौर पर अगर कुछ भी होगा तो उन्हें भी झूठे तरीके से फंसा कर एपीओ कर दिया जाएगा। ऐसे माहौल में रेजीडेंट डॉक्टर काम नहीं कर सकते हैं। इसलिए जब तक इन पांच रेजिडेंट डॉक्टरों के एपीओ आदेश को निरस्त नहीं किया जाएगा तब तक रेजिडेंट हड़ताल करेंगे। जार्ड ने कहा कि पहले जयपुर में एसएमएस मेडिकल कॉलेज से संबंधित अस्पतालों में हड़ताल की गई थी। लेकिन पिछले चार दिनों में किसी भी प्रशासनिक अधिकारी ने इस संबंध में उनसे कोई वार्ता नहीं की। ऐसे में सुलह के आसार नजर नहीं आए। इसके बाद अब पूरे राजस्थान में सभी रेजिडेंस को मजबूरन स्ट्राइक पर जाना पड़ा है। प्रदेश भर में पांच हजार से ज्यादा रेजिडेंट स्ट्राइक पर चले गए हैं। जयपुर एसएमएस मेडिकल कॉलेज में करीब दो हजार रेजिडेंट डॉक्टर हैं। इसके अलावा कोटा, अजमेर, बीकानेर, उदयपुर आदि मेडिकल कॉलेज को मिलाकर करीब तीन हजार रेजिडेंट डॉक्टर हैं। ऐसे में कुल करीब पांच हजार से ज्यादा रेजिडेंट डॉक्टर स्ट्राइक पर चले गए हैं। इस वजह से अस्पतालों में हालात बिगड़ गए हैं। राजधानी जयपुर में रेजिडेंट डॉक्टरों की ओर से पूरे दिन की हड़ताल की जा रही है। इसके अलावा प्रदेश के अन्य मेडिकल कॉलेज से संबंधित अस्पतालों में सुबह 8 बजे से 10 तक दो घंटे की स्ट्राइक की गई है। सभी अस्पतालों में यह दो घंटे की स्ट्राइक की गई है। स्ट्राइक से सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर, एमबीएस अस्पताल कोटा, उम्मेद अस्पताल जोधपुर, महाराणा भूपाल हॉस्पिटल उदयपुर, जेएलएन अस्पताल अजमेर, पीबीएम अस्पताल, बीकानेर में मरीज परेशान है। रेजिडेंट डॉक्टर्स की हड़ताल का सबसे ज्यादा प्रभाव ओपीडी में दिख रहा है। चैम्बरों में डॉक्टरों के नहीं मिलने से मरीजों को इंतजार करना पड़ रहा है। असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर रैंक के डॉक्टरों के साथ कुछ इन सर्विस डॉक्टर ओपीडी में बैठकर मरीजों को देख रहे है।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No.216PSC/DR-21/5/2022-23

NOTIFICATION

It is for information to all concerned that the Assam Public Service Commission will hold the Interview/Viva-Voce for the post of **Junior Manager (IT) in Assam Power Distribution Company Limited (APDCL)** (Advt. No.08/2023, dated 30th March/2023) as per programme given below at its office at Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22. The detailed programme for the Interview/Viva-Voce is given below:

Sl. No	Name of the Post & Department	Date of Interview/ Viva - Voce	Reporting Time
1	Junior Manager (IT) in Assam Power Distribution Company Limited (APDCL)	23-04-2024 & 24-04-2024	9:00 AM

Kindly note that the candidates appearing the interview/viva-voce **must bring the following testimonials in original alongwith self attested photocopies in chronological order, thereof for verification/scrutiny on the day of the interview:**

i. H.S.L.C Admit/Pass Certificate as a proof of age.
ii. H.S.L.C Marksheet and Pass Certificate.
iii. H.S.S.L.C Marksheet and Pass Certificate(if applicable).
iv. Diploma Marksheet (All Semester) and Pass Certificate.
v. Degree Marksheet (All Semester) and Pass Certificate (if applicable).
vi. CGPA Conversion Formula of the respective universities
vii. Permanent Residential Certificate/Employment Exchange Registration/Voter ID.
viii. **State Government Employees of Assam must submit No Objection Certificate from their respective employer or Permanent Residential Certificate/Employment Exchange Registration/Voter ID as domicile proof.**
ix. Caste/PwBD certificate/BPL Card (if applicable).
x. Declaration Form A *("May be downloaded from APSC's website")*.
xi. **Ex-Servicemen Identity Card issued by Zila Sainik Welfare Office of the state of Assam and Discharge Book (for Ex-Servicemen category candidates).**
xii. Any other documents that may be relevant for their candidature.

No intimation letter to the eligible candidates shall be sent separately by post. **The intimation letters shall be uploaded on 17-04-2024 in the APSC's website (www.apsc.nic.in).** The candidates shall have to download their own intimation letter from the aforesaid website.

sd/-
Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/229/ 24/13-Apr 24

आम आदमी पार्टी की प्रदेश संयुक्त सचिव डॉ. दिव्या सेठी भाजपा में शामिल

हिसार (हिंस)। आम आदमी पार्टी को उस समय जोर का झटका लगा जब पार्टी की महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश संयुक्त सचिव डॉ. दिव्या सेठी महता ने चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा में शामिल होने की घोषणा की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने डा. दिव्या सेठी महता व उनके समर्थकों को पार्टी में पूरा मान-सम्मान दिए जाने का आश्वासन दिया। हिसार निवासी डा. दिव्या सेठी महता ने शुक्तवार को बताया कि आम आदमी पार्टी से उन्होंने हाल ही में त्यागपत्र दे दिया था। वह भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हुई हैं। उन्होंने कहा कि आज देश को विकास के पथ पर केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ही ले जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं।

पृथ्वी पर जीवन बचाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण करना चाहिए : डॉ. रमेश आर्य

हिसार (हिंस)। शहर के राजकीय महिला महाविद्यालय व ग्रीन हिसार-फिट हिसार फाउंडेशन के बीच सहमति पत्र पर हस्ताक्षर हुए हैं। इसके तहत दोनों संस्थान पर्यावरण के लिए काम करेंगे। इस ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए प्राचार्य डॉ. रमेश आर्य ने शुक्तवार को बताया कि महाविद्यालय पर्यावरण सुरक्षा में हमेशा से काम करता रहा है। पृथ्वी पर जीवन बचाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण करना चाहिए। इस दिशा में और सकारात्मक प्रयास के लिए महाविद्यालय ने ग्रीन हिसार फिट हिसार संस्था के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, ताकि दोनों संस्थाएं इस दिशा में आगे भी मिलकर काम कर सकें। उन्होंने यह भी बताया कि संस्था के सहयोग से पहले भी

महाविद्यालय द्वारा धांसू गांव में पौधारोपण करवाया जा चुका है। आगे भी इसी तरह प्रयासरत रहेंगे। ग्रीन हिसार फिट हिसार की तरफ से इस ज्ञापन पर डॉ. रमेश भट्टी, राजेंद्र सिंह, चंद्रकांत व देवेंद्र रोहिल्ला ने हस्ताक्षर किए। डॉ. रमेश भट्टी ने संस्था के कार्य के बारे बताते हुए कहा कि संस्था पिछले कुछ सालों से लगातार प्रतिदिन पौधारोपण का कार्य कर रही है। पर्यावरण से जुड़े अन्य कार्य भी कर रही है। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्तम अधिकारी हिना पाहूजा व शाइना तहरिया मौजूद रहे।

क्या वोडा-आइडिया के दिन बहुरेंगे अब तक का सबसे बड़ा एफपीओ लाकर इतने अरब रुपये जुटाएगी कंपनी

नई दिल्ली ।
भारतीय दूरसंचार ऑपरेटर वोडाफोन ने बताया है कि कंपनी इस महीने के अंत में नए शेयरों की बिक्री के माध्यम से 180 अरब रुपये (2.16 बिलियन) तक जुटाएगी। यह देश की सबसे बड़ी फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफरिंग (एफपीओ) होगी।

कर्ज में डूबी कंपनी ने फरवरी में कहा था कि वह इक्विटी के जरिए 200 अरब रुपये जुटाएगी, जिसमें एक शीर्ष शेयरधारक इकाई से 20 अरब रुपये की वित्तीय सहायता भी शामिल है। यह सार्वजनिक पेशकश 10 रुपये प्रति शेयर के फ्लोर प्राइस पर होगी और 18 अप्रैल से 22 अप्रैल तक बोली के लिए खुलेगी।

वोडाफोन आइडिया ग्राहकों की संख्या के हिसाब से देश की तीसरी सबसे बड़ी दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी है। शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में वोडाफोन आइडिया का शेयर 2.3 प्रतिशत गिरकर 12.65 रुपये के भाव पर कारोबार करता दिखा। इससे पहले सबसे बड़ा एफपीओ यस बैंक की ओर से 150 अबर रुपये के शेयरों की बिक्री के लिए 2020 में लाया गया था।

वोडाफोन आइडिया ने ऋण के माध्यम से अतिरिक्त 250 अरब रुपये जुटाने की भी योजना बनाई है, जिसके लिए वह ऋणदाताओं के साथ बातचीत कर रहा है, हालांकि फिलहाल इसके बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। कंपनी ने कहा कि वह इक्विटी और डेट फंडिंग का उपयोग फंड हासिल करने के छह से सात महीने के भीतर अपनी 5जी नेटवर्क सेवा शुरू करने और अपने 4जी कवरेज का विस्तार करने के लिए करेगी।

बड़े प्रतिद्वंद्वी भारती एयरटेलऔर रिलायंस जियो ने पहले ही देश के अधिकांश हिस्सों में अपनी 5जी सेवाएं शुरू कर दी हैं। अगस्त 2018 में यूके के वोडाफोन और आदित्य बिड़ला समूह के आइडिया सेल्युलर की भारतीय शाखा के विलय के रूप में गठित, दूरसंचार ऑपरेटर ने तब से हर तिमाही में नुकसान दर्ज किया है क्योंकि इसके ग्राहकों ने तेजी से प्रतिद्वंद्वियों का रुख कर लिया है।

न्यूज ब्रीफ

फैशन की इतनी बड़ी कीमत! पेड़ों की कटाई, भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप, कई बड़े ब्रांड्स के नाम

रियो डे जेनोरियो । एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कई बड़े फैशन ब्रांड्स जैसे एचएंडएम और जारा आदि उन कंपनियों से कपास खरीदते हैं, जिन पर ब्राजील में बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई, जमीन कब्जाने, पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के आरोप हैं। पर्यावरण समूह अर्थसाइट की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्राजील में कपास की खेती की वजह से जैव विविधता वाले इलाकों में पेड़ों की कटाई हो रही है, जिससे पर्यावरण को गंभीर खतरा पैदा हो रहा है। रिपोर्ट में लगाए गए ये आरोप अर्थसाइट की इस रिपोर्ट को फैशन क्राइम नाम दिया गया है, जिसमें बताया गया है कि सैटेलाइट तस्वीरों, कोर्ट के आदेशों और शिपमेंट के रिकॉर्ड से पता चला है कि कई फैशन कंपनियां ब्राजील की दो बड़ी कंपनियों एसएलसी एग्रिकोला और होरिता ग्रुप से कपास खरीद रहे हैं। इन दोनों कंपनियों पर पर्यावरण के लिए संवेदनशील ब्राजील के जैव विविधता वाले इलाके सेराडो में कपास की खेती के लिए पेड़ों की कटाई के गंभीर आरोप हैं। वहीं इस कपास को बेटर कॉटन द्वारा सर्टिफाइड किया गया है, जिससे कपास की नियामक प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े हुए हैं।
पर्यावरण के लिए खतरनाक ब्राजील में बड़े पैमाने पर कृषि आधारित उद्योग संचालित हो रहे हैं, जिससे दुनिया में सबसे ज्यादा जैव विविधता वाला ब्राजील का इलाका सेराडो तेजी से खत्म हो रहा है।
अर्थसाइड के आंकड़ों के अनुसार, साल 2014 से 2023 के बीच ब्राजील की कंपनियों एसएलसी और होरिता ग्रुप ने करीब 8,16,000 करोड़ टन कपास का निर्यात किया। इस दौरान सेराडो का करीब एक लाख हेक्टेयर का क्षेत्र में पेड़ काटे गए। यह कपास आठ एशियाई कपड़े बनाने वाली कंपनियों को भेजा गया, जिनके ग्राहकों में कई बड़े ब्रांड जैसे एचएंडएम और जारा जैसे नाम शामिल हैं। रिपोर्ट के सामने आने के बाद मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। वहीं फैशन कंपनियों जारा और एचएंडएम ने भी आरोपों को लेकर गंभीरता दिखाई है और जांच में मिले तथ्यों की जानकारी देने की मांग की है।

जल्द मिलेगा आयकर रिफंड, जब्त संपत्तियां भी होंगी वापस; अपील पर सुनवाई में तेजी की बन रही योजना

नई दिल्ली। आप अगर टैक्स भरते हैं तो आपके लिए राहत की बात है। आयकर विभाग चालू वित्त वर्ष यानी 2024-25 से टीडीएस भुगतान और टैक्स से संबंधित अपील को जल्द-से-जल्द निपटाएगा। इससे आपको आयकर रिफंड भी जल्द मिल जाएगा।विभाग इसके लिए एक कार्ययोजना तैयार कर रहा है, जिसे शीघ्र ही लागू किया जाएगा। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर विभाग से कहा है कि ऐसी कार्ययोजना बनाएं, जिससे टैक्स से जुड़े संभावित मामलों की पहचान कर उसका तुरंत निपटान किया जाए। इस योजना में जब्त की गई संपत्ति को फिर से वापस करने के लिए एक तय समय सीमा होगी। विभाग ने बताया कि ऐसी संपत्तियां 30 जून 2024 तक वापस कर दी जाएंगी। इसमें 31 मार्च, 2024 तक लंबित कंपाउंडिंग प्रस्तावों को अंतिम रूप देने और 30 जून तक कम-से-कम 150 अपीलों के निपटान का लक्ष्य रखा गया है। एक अप्रैल, 2020 से पहले दायर अपीलों के निपटान को प्राथमिकता विभाग ने बताया कि एक अप्रैल, 2020 से पहले दायर अपीलों के निपटान को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके बाद एक अप्रैल, 2020 के बाद दायर अपीलों का निपटान किया जाएगा। यह फैसला प्रशासन दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ई-निवारण और सीपीजीआरएएम प्लेटफार्मों के माध्यम से शिकायतों के समाधान के लिए तत्काल उपाय शुरू किए गए हैं। मूल्यांकन अधिकारी के समक्ष दाखिल कर सकते हैं मामला आयकर विभाग के नए फैसले के तहत करदाताओं को अब लंबित रिफंड के लिए मूल्यांकन अधिकारी के समक्ष आवेदन दाखिल करना होगा। धारा 195/197/206सी के तहत शून्य/कम टीडीएस या टीसीएस प्रमाणपत्रों के आवेदनों के प्रसंस्करण में तेजी लाई जाएगी। एक अप्रैल, 2024 से आवेदन प्राप्ति के एक महीने के भीतर उनका समाधान कर दिया जाएगा। एकेएम ग्लोबल (साझेदार कर) संदीप सहगल का कहना है कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपनी अंतरिम कार्ययोजना जारी की है। यह कर प्रशासन दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बोइंग के खिलाफ व्हिसलब्लोअर ने फिर लगाए गंभीर आरोप कहा- उड़ान के दौरान विमान के हो सकते हैं दो टुकड़े

वॉशिंगटन ।
व्हिसलब्लोअर बार-बार बोइंग के 787 ड्रीमलाइनर को लेकर चिंता जता रहे हैं। उन्होंने एक बार फिर इसे लेकर कहा कि उड़ान के दौरान विमान के दो टूकड़े हो सकते हैं। बता दें, व्हिसलब्लोअर ने यह बात ऐसे समय में कही, जब हाल ही में अमेरिका की हवाई सुरक्षा संस्था फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि वे बोइंग की जांच कर रहे हैं। हालांकि, बोइंग ने ड्रीमलाइनर में कमी होने वाले दावों को खारिज कर दिया है।

व्हिसलब्लोअर का यह दावा

यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) व्हिसलब्लोअर के दावों की जांच कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, एफएए बोइंग इंजीनियर व्हिसलब्लोअर सैम सालेहपुर के आरोपों की जांच कर रहा है। सालेहपुर ने दावा किया है कि बोइंग ने अपने 787 ड्रीमलाइनर जेट का निर्माण करते समय जल्दबाजी की है। विमान को असेंबल करने वाले कर्मचारी ढांचे के अलग-अलग हिस्सों को जोड़ते समय छोटे गैप को ठीक से भरने में नाकाम रहे हैं। इससे हजारों यात्राओं के बाद मध्य-उड़ान में अलग हो सकता है। वहीं, सालेहपुर के वकीलों ने आरोप लगाया कि इससे विमान पर अधिक घिसाव होता है। इससे इसका जीवनकाल छोटा हो जाता है और विनाशकारी विफलता का खतरा होता है।

इंजीनियर सैम सालेहपुर ने बोइंग में 10 से अधिक वर्षों तक काम किया है। उनके आरोपों के बाद वर्जीनिया स्थित विमान उद्योग की कंपनी बोइंग जांच के दायरे में आ गई है। सालेहपुर के आरोपों से पहले साल 2019 में, दक्षिण कैरोलिना के चार्ल्सटन कारखाने (जहां 787 बनाया गया है) में काम कर रहे बोइंग कर्मचारी ने यह मुद्दा उठाया था। उनका कहना था कि तय समय में विमानों को तैयार करना था। इसलिए सुरक्षा चिंताओं को नजरअंदाज कर दिया गया था। बारनेट ने बोइंग के खिलाफ उठाई थी आवाज जॉन बारनेट बोइंग में बतौर क्वालिटी मैनेजर कंपनी के नॉर्थ चार्ल्सटन प्लांट में काम करते थे। उनका काम कंपनी के 787 ड्रीमलाइनर विमान के प्रोडक्शन में गुणवत्ता का ध्यान रखना था। साल 2019 में बारनेट ने आरोप लगाए थे कि कंपनी के कर्मचारी दबाव में विमान में घटिया उपकरण लगा रहे हैं। बारनेट ने विमान के ऑक्सीजन सिस्टम में भी गंभीर गड़बड़ी का दावा किया था। हालांकि, वह इस साल मार्च में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए थे। बता दें, जॉन बारनेट ने 32 साल तक बोइंग में सेवाएं दी थीं और साल 2017 में ही बारनेट बोइंग से रिटायर हुए थे।

दो समितियों के सामने रखी अपनी चिंता

पेशे से इंजीनियर सालेहपुर ने फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) और सीनेट होमलैंड सिक्योरिटी एंड गवर्नमेंटल अफेयर्स के सामने अपनी चिंता रखी हैं।

बोइंग ने क्या कहा

बोइंग ने 787 के बारे में सालेहपुर की चिंताओं से इनकार कर दिया। कंपनी ने एक बयान में कहा, 787 की संरचनात्मक अखंडता के बारे में ये दावे गलत हैं और विमान की गुणवत्ता और दीर्घकालिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बोइंग द्वारा किए गए व्यापक काम का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। कंपनी का कहना है कि बोइंग के 787 ड्रीमलाइनर विमान, (जो 2011 से सेवा में हैं) का जीवनकाल 50 साल का हो सकता है, लगभग 44,000 उड़ानों जितना।

समिति कर रही जांच

बोइंग की सुरक्षा की जांच करने वाली सीनेट समिति की अध्यक्षता कनेक्टिकट के सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल कर रहे हैं। उन्होंने सालेहपुर को अगले सप्ताह अपनी बात रखने के लिए बुलाया है।

सालेहपुर के वकीलों ने आरोप लगाया कि बोइंग ने उनकी चिंताओं को नजरअंदाज किया है। अटॉर्नी डेबरा काट्ज और लिसा बैंक्स का कहना है कि सालेहपुर की चेतावनियों पर ध्यान देने के बजाय, बोइंग ने विमानों को जल्द से जल्द बाजार में लाने को प्राथमिकता दी। हालांकि, बोइंग ने व्हिसलब्लोअर के खिलाफ कोई भी कार्रवाई करने से इनकार कर दिया। उसका कहना है कि कर्मचारियों को सुरक्षा चिंताओं की रिपोर्ट करने का हक है।

सीआईआई प्रमुख का सुझाव- रोजगार प्रोत्साहन योजना लेकर आए सरकार चार क्षेत्रों में सुधार जरूरी

नई दिल्ली ।
भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष आर दिनेश ने सुझाव दिया कि सरकार उन उत्पादन से जुड़ी योजनाओं (पीएलआई) के अनुरूप रोजगार प्रोत्साहन योजना लेकर आए, जिन्हें उसने कई क्षेत्रों के लिए शुरू किया है। उन्होंने कहा कि रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना न केवल नौकरियां पैदा करेगी बल्कि पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा, आतिथ्य और रसद जैसे क्षेत्रों को भी बढ़ने में मदद करेगी। सीआईआई प्रमुख ने कहा, हम रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना का सुझाव दे रहे हैं, खासतौर पर पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा और रसद जैसे उच्च रोजगार पैदा करने वाले कुछ क्षेत्रों का समर्थन करने के लिए। चुनावी मौसम में दिनेश ने कहा कहा कि भारत के नीति घोषणापत्र में बड़ा सुधार होना चाहिए। भारत को मौटे तौर पर चार क्षेत्रों में बड़े सुधारों की जरूरत है- श्रम सुधार, कृषि सुधार, लघु, कुटीर एवं मध्यम उपक्रम (एमएसएमई) के क्षेत्र में सुधार और फिनटेक क्षेत्र में सुधार। दिनेश ने कहा, कृषि और श्रम सुधारों के लिए केंद्र और राज्यों के बीच व्यापक सहमति की जरूरत है। कृषि और श्रम क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधारों के लिए केंद्र और राज्यों के बीच आम सहमति तक पहुंचने के लिए वस्तु एवं सेवा कर परिषद (जीएसटी काउंसिल) जैसी एक संस्था बनाई जानी चाहिए। यह संस्था इन सुधारों का उचित और समय पर क्रियान्वयन सुनिश्चित कर सकता है। उन्होंने कहा, आज हमारे पास एमएसएमई हैं। उन्होंने औपचारिक अर्थव्यवस्था, बैंकों और फिनटेक से फंडिंग तक बेहतर पहुंच मिलनी चाहिए। जरूरत इस बात की है कि आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) को उनके समर्थन के लिए संस्थागत बनाया जा सकता है। ऐसा करने के लिए इसे एक रेटिंग एजेंसी के साथ गठजोड़ की आवश्यकता है। यह एमएसएमई के लिए रेटिंग को उपयुक्त बनाने में मदद कर सकती है। उन्होंने कहा, एमएसएमई की मुख्य चुनौती स्थिरता और हरित उर्चा में बदलाव के लिए धन प्राप्त करना है। इस मकसद के लिए एक कोष बनाया जाना चाहिए। दिनेश ने स्वास्थ्य और शिक्षा पर सरकारी खर्च बढ़ाने का भी सुझाव दिया।

ब्रिटेन में वीजा नियम सख्त: पारिवारिक वीजा के लिए आय सीमा में रिकॉर्ड बढ़ोतरी, अब कम से कम इतनी आमदनी जरूरी

लंदन ।
ब्रिटेन ने वीजा नियमों को सख्त कर दिया है। इससे यहां रहने वालों को झटका लग सकता है। दरअसल, जो नागरिक और निवासी पारिवारिक वीजा पर अपने रिश्तेदारों को ब्रिटेन में बुलाना चाहते हैं, उनकी न्यूनतम आय सीमा 55 प्रतिशत बढ़ा दी गई है। यह फैसला प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की आव्रजन स्तर में कमी लाने की योजना के तहत लिया गया है।

इतनी बढ़ सकती है सीमा

पारिवारिक वीजा पर अपने रिश्तेदारों को ब्रिटेन बुलाने वाले लोगों की अब न्यूनतम वार्षिक आय 29,000 पाउंड होनी चाहिए। पहले यह सीमा 18,600 पाउंड थी। बताया जा रहा है कि अगले साल तक यह सीमा दो बार और बढ़ाई जाएगी। इससे यह बढ़कर 38,700 पाउंड हो जाएगा।

आव्रजन प्रमुख चुनावी मुद्दा

ब्रिटेन में इस साल होने वाले आम चुनावों से पहले आव्रजन प्रमुख चुनावी मुद्दों में से एक है। सर्वे से संकेत मिला है कि सुनक की पार्टी कंजर्वेटिव भारी हार की ओर बढ़ रही है। इसलिए वह लगातार नए प्रयास कर रहे हैं। इसी के तहत यह नया फैसला लिया गया है।

ब्रिटेन सरकार का कहना है कि यह वैध प्रवासन को कम करने और यहां के करदाताओं पर बाहर से आने वाले लोगों का बोझ नहीं पड़े, यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री ऋषि सुनक तथा गृह मंत्री जेम्स क्लीवरली द्वारा लाए गए पैकेज के तहत अंतिम प्रयास है। क्लीवरली ने कहा, 'बड़ी संख्या में प्रवास होने से स्थिति चरम पर पहुंच गई है।

मूडीज ने भारत के लिए स्थिर दृष्टिकोण बरकरार रखा, विकास दर के बारे में जताया यह अनुमान

नई दिल्ली ।
रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भारत सरकार के लिए स्थिर दृष्टिकोण बनाए रखा है। एजेंसी की ओर से भारत सरकार की दीर्घकालिक और अल्पकालिक रेटिंग क्रमश: बीएएएक्स और पी-3 पर आंकी गई है। स्थिर दृष्टिकोण के तहत इस संभावना को शामिल किया गया है कि भारत के राजकोषीय मैट्रिक्स में करीबी साथियों की तुलना में मजबूत विकास धीरे-धीरे जारी रहेगा। स्थिर परिदृश्य बनाए रखते हुए मूडीज ने कहा कि भारत उच्च वृद्धि क्षमता, अपेक्षाकृत मजबूत बाह्य स्थिति, उच्च सामान्य सरकारी ऋण के जरिए अपनी विशाल और विविध अर्थव्यवस्था को संतुलित करता है।मूडीज ने कहा कि महामारी के बाद से एक मजबूत और अधिक स्थिर अर्थव्यवस्था उभरी है, हालांकि शुरू हुए वित्तीय वर्ष में क्रमिक राजकोषीय समेकन के बीच ऋण में भौतिक कमी की उम्मीद नहीं है। मूडीज की ओर से यह भी कहा गया कि भारत को बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटलीकरण और वित्तीय प्रणाली की मजबूती से लाभ हुआ है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की पहली तीन तिमाहियों में अपेक्षाकृत मजबूत जीडीपी के आंकड़ों की एक शृंखला के बाद, मूडीज ने पूरे वर्ष के लिए भारत के वास्तविक जीडीपी विकास अनुमान को संशोधित कर 8 प्रतिशत कर दिया है।

मूडीज का अनुमान है कि अगले दो वित्त वर्षों में आर्थिक वृद्धि दर 6 प्रतिशत से अधिक बनी रहेगी, हालांकि अनुमानों में ऊपर की ओर जोखिम हैं। इस बीच मूडीज रेटिंग्स ने भारत की रेटिंग और इससे जुड़ी अन्य रेटिंग्स की आवधिक समीक्षा पूरी कर ली है। यह समीक्षा 4 अप्रैल, 2024 को रेटिंग समिति के माध्यम से पूरी की गई।

मूडीज ने मार्च में जारी एक रिपोर्ट में उम्मीद जताई है कि 2024-25 में भारत की आर्थिक वृद्धि अन्य उभरते बाजार (जी20 साथियों) की तुलना में अधिक होगी, क्योंकि यह अपनी घरेलू मांग गति बनाए रखने में कामयाब रही। चालू वित्त वर्ष 2023-24 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान भारत की जीडीपी में 8.4 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई और देश सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहा।

सुप्रीम कोर्ट ने बीमा कंपनियों को दी हिदायत

कहा- सारी बीमा कंपनियाँ पॉलिसी के बारे में ग्राहकों को पूरी जानकारी दें

नई दिल्ली ।
उच्चतम न्यायालय ने अपने एक फैसले में कहा है कि जिस तरह बीमित व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह अपने बारे में सभी प्रासंगिक तथ्यों का खुलासा करे, उसी तरह बीमा कंपनियों का भी वैधानिक दायित्व है कि वह बीमा के बारे किसी भी विवरण को छिपाए बिना बीमाधारकों को पॉलिसी के नियमों और शर्तों के बारे में पूरी जानकारी दे।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने एक फैसले में कहा, जिस तरह बीमित व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह अपने बारे में सभी भौतिक तथ्यों का खुलासा करे, उसी तरह बीमाकर्ता को भी ग्राहक को पॉलिसी के नियमों और शर्तों के बारे में पूरी जानकारी देनी चाहिए। उन्हें प्रस्ताव फॉर्म या प्रॉस्पेक्टस में दी गई जानकारी या उसके एजेंटों की ओर से कही गई बातों का सख्ती से पालन करना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने फ्यूचर जनरल इंडिया लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को शिकायतकर्ता महाकाली सुजाता के जीवन बीमा दावे भुगतान करने निर्देश दिया। सुजाता मूल रूप से बीमित व्यक्ति एस वेंकटेश्वरलू की एकमात्र कानूनी उत्तराधिकारी हैं। एस वेंकटेश्वरलू की फरवरी 2011 में मृत्यु हो गई थी।

फैसले में हालांकि यह स्पष्ट नहीं हुआ कि कंपनी ने वास्तव में क्या छिपाया था, लेकिन फर्म ने यह तर्क दिया था कि वेंकटेश्वरलू ने यह सूचित नहीं किया था कि उन्होंने विभिन्न कंपनियों से अलग-अलग पॉलिसी ले रखी थी।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा, एनसीडीआरसी (राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग) द्वारा दिनांक 22.07.2019 को पारित आदेश को रद्द कर दिया गया है। प्रतिवादी कंपनी को अपीलकर्ता को दी गई दोनों पॉलिसियों के बीमा के दावे की राशि 750,000 रुपये और 960,000 रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया जाता है। उन्हें शिकायत दर्ज करने की तारीख से 7 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज के साथ (वास्तविक प्राप्ति की तिथि तक) भुगतान किया जाए।

इससे पहले एनसीडीआरसी ने शिकायतकर्ता के दावे को खारिज कर दिया था और कंपनी के रुख को स्वीकार कर लिया था कि पॉलिसी के तहत दावे का भुगतान नहीं किया जा सकता।

कंपनी ने कहा था कि मृतक ने विभिन्न फर्मों से 15 जीवन बीमा पॉलिसियां ले रखी थी और भौतिक तथ्यों को छिपाते हुए बीमा कंपनी फ्यूचर जनरल इंडिया को इसकी जानकारी भी नहीं दी गई थी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि बीमा कंपनी ने जिला फोरम के समक्ष यह साबित करने के लिए कोई दस्तावेजी प्रमाण पेश नहीं किया जिससे यह साबित हो सके कि बीमित व्यक्ति ने विभिन्न कंपनियों से कई बीमा पॉलिसियां ले रखी थीं और इस तथ्य को छिपाया था।

कमल हासन की फिल्म इंडियन जून में आयेगी

अपकमिंग फिल्म इंडियन 2 का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। सुपरस्टार कमल हासन की निर्देशक शंकर के निर्देशन में बनी यह फिल्म 23 साल पहले सिनेमाघरों में आई इसी जोड़ी की ब्लॉकबस्टर फिल्म इंडियन का सीक्वल है। इस फिल्म को लेकर लंबे वक्त से कयासों का दौर जारी है। पिछली फिल्म की तरह ही इस फिल्म में कमल हासन एक बार फिर देश की समस्याओं का मुद्दा उठाने वाले हैं। तमिल स्टार कमल हासन की मूवी इंडियन 2 की रिलीज को लेकर काफी लंबे वक्त से चचाएं चल रही थीं। मगर आधिकारिक तौर पर फिल्म की रिलीज डेट सामने नहीं आ पा रही थी। अब मेकर्स ने लंबे इंतजार के बाद इंडियन 2 की रिलीज डेट का खुलासा कर दिया है। इंडियन 2 की रिलीज डेट ने तहलका मचा दिया है। इस मूवी की निमार्ता कंपनी ने एक धमाकेदार नया पोस्टर जारी कर कमल हासन की फिल्म इंडियन 2 की रिलीज डेट का धांसू ऐलान किया है। सामने आए नए पोस्टर में कमल हासन व्हाइट कुर्ता और लुंगी में नजर आए हैं। साथ ही पोस्टर पर लिखा है कि ये मूवी जून 2024 में सिनेमाघर पहुंचने वाली है।

हालांकि मेकर्स ने किसी तय तारीख का खुलासा अभी तक नहीं किया है। मगर तमिल फिल्मी गलियारों की खबरों की मानें तो ये मूवी 12 जून को सिनेमाघर पहुंच सकती है। लंबे वक्त से बन रही सुपरस्टार कमल हासन की मचअवेटेड पैन इंडिया रिलीज फिल्म इंडियन 2 को मेकर्स ने मोटी लागत से बनाया है। इस फिल्म का प्रोडक्शन पिछले करीब 4-5 साल से चल रहा है। बार-बार फिल्म की शूटिंग रुकने और मेकिंग में लगते लंबे वक्त की वजह से इसकी मेकिंग कॉस्ट पर भी खासा असर पड़ा है। रिपोर्ट्स की मानें तो लायका प्रोडक्शन कंपनी के बैनर तले बनी निर्देशक शंकर की इस फिल्म को करीब 250 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। जो एक बेहद बड़ी रकम है। ऐसे में इस फिल्म के लिए जरूरी होगा ये सिनेमाघरों में जबरदस्त प्रदर्शन करे।

आयुष की रुसलान दुनिया भर में देखी जाएगी

अभिनेता आयुष शर्मा, सुश्री मित्रा और साउथ फिल्मों के विलेन जगपति बाबू, सुनील शेट्टी की फिल्म 26 अप्रैल, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के निमार्ता केके राधामोहन हैं। बालीवुड की एक्शन-थ्रिलर फिल्म रुसलान को दुनिया भर में रिलीज किया जाएगा। इसके लिए निमार्ताओं ने एनएच स्टूडियोज के साथ हाथ मिलाया है। बालीवुड एक्टर आयुष शर्मा ने इस साझेदारी के बारे में बात करते हुए कहा कि फिल्म निर्माण के बाद डिस्ट्रीब्यूशन काफी अहम भूमिका अदा करता है। एनएच स्टूडियोज अपने शानदार ट्रैक रिकॉर्ड के लिए जाना जाता है। यह पिंक, शिवाय, अक्टूबर, ट्यूबलाइट और जब हैरी मेट सेजल जैसी कुछ सबसे मशहूर फिल्मों से जुड़ा रहा है। आयुष शर्मा ने कहा, फिल्म निर्माण यात्रा में सही सहयोगियों को ढूंढना महत्वपूर्ण है और एनएच स्टूडियोज के साथ साझेदारी हमारे लिए महत्वपूर्ण है। रुसलान के लिए हमारे पास एक साझा दृष्टिकोण है। प्रभावशाली सिनेमा देने का उनका ट्रैक रिकॉर्ड मेरे साथ गहराई से जुड़ा हुआ है और मैं उन्हें अपने साथ पाकर रोमांचित हूं। हमारा लक्ष्य रुसलान को दुनिया भर के दर्शकों के सामने लाना है और यह सुनिश्चित करना है कि हमारी फिल्म दुनिया के हर कोने तक पहुंचे। वितरण व्यवसाय के अलावा, एनएच स्टूडियोज के पास निमार्ता के रूप में एक प्रभावशाली पोर्टफोलियो है, जिसमें फ्रेडी और ओमेर्टा जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। एनएच स्टूडियोज के नरेंद्र हीरावत ने कहा, हम रुसलान के लिए श्री सत्य साईं आर्ट्स के केके राधामोहन के साथ हाथ मिलाकर रोमांचित हैं। हमने पहले दुनिया भर के बाजार में कई हिंदी फिल्में सफलतापूर्वक रिलीज की हैं और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि रुसलान को दुनिया भर में थियेट्रिकल रिलीज मिले ताकि मनोरंजक एक्शन फिल्म का आनंद लेने वाले हिंदी फिल्म प्रेमियों को इसे देखने का मौका मिले। निमार्ता केके राधामोहन ने कहा, मुझे खुशी है कि एनएच स्टूडियोज रुसलान को दुनिया भर के दर्शकों के सामने पेश करने में हमारे साथ शामिल हुआ है। मिलकर, हम हर तरह के दर्शकों के साथ अपने दृष्टिकोण को साझा करने के लिए तत्पर हैं, यह जानते हुए कि हमारी फिल्म रुसलान दर्शकों को चाहे वे कहीं भी हों, प्रभावित करेगी।

अभिनेता कृप सूरी को अच्छा लगता है टीवी पर काम करना

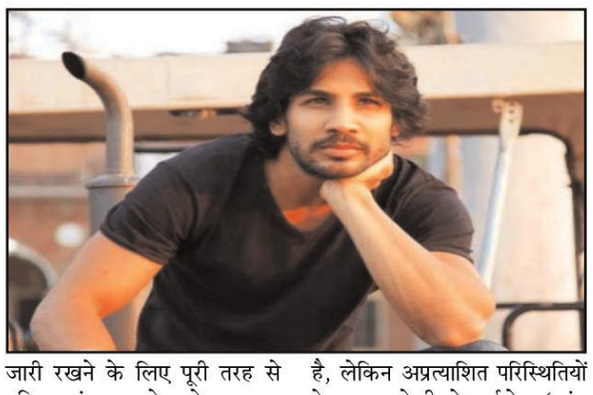

अभिनेता कृप सूरी ने कहा है कि टेलीविजन पर काम करना हमेशा से मेरा जुनून रहा है। मुझे टेलीविजन में प्रतिष्ठित निमार्ताओं के साथ सहयोग करने का सौभाग्य मिला है और वर्षों से असाधारण परियोजनाओं का हिस्सा बनने का भी मौका मिला है। उन्होंने कहा, मैं वेब शो और अन्य परियोजनाओं जैसे विभिन्न प्रोजेक्ट में व्यस्त रहा, हो सकता है कि महत्वपूर्ण टेलीविजन भूमिकाएं हासिल करने के लिए यह समय अनुकूल न हो। कृप सूरी ने कहा, वह लगातार सार्थक भूमिकाओं के लिए उत्सुक रहते हैं। उन्होंने कहा, अब जब मैं शो बाधिन के साथ एक मजबूत किरदार के रूप में लौट आया हूं तो मैं इंडस्ट्री में अपने सहयोगियों को एक संदेश देना चाहता हूं। मैं उनसे भूमिकाओं के लिए मेरे बारे में विचार करने का आग्रह करता हूं क्योंकि मैं अपनी टेलीविजन यात्रा जारी रखने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं। एक्टर ने आगे कहा, यह वह माध्यम है जो मेरे लिए सबसे अधिक महत्व रखता है, और मैं इस-ाका अभिन्न अंग बने रहने के लिए तैयार हूं। यह शो अनेरी द्वारा निभाए गए किरदार गौरी के इर्द-गिर्द घूमता है, जो एक साधारण लड़की है जो वीर (जीशान खान) से प्यार करती है, लेकिन अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण उसे वीर के भाई देवा (अंश बागरी) से शादी करनी पड़ती है। बाधिन स्टार भारत पर प्रसारित होता है। बता दें कि कृप फुलवा, उतरन, लाल इश्क और फनाः इश्क में मरज-ावां जैसे टीवी शो का हिस्सा रहे हैं। इन टीवी शोज में एक्टर को दर्शकों का अपार स्नेह मिला है।

दिव्या ने मनाया अपना पहला गुड़ी पड़वा

बिग बॉस ओटीटी विनर और अभिनेत्री दिव्या अग्रवाल ने 20 फरवरी 2024 अपूर्व पडगांवकर संग शादी की थी। तब से वह अपने पति के साथ हैप्पी मैरिड लाइफ जी रही हैं। शादी के बाद दिव्या ने पति संग अपना पहला गुड़ी पड़वा (नव वर्ष) मनाया जिसकी तस्वीरें उन्होंने इंस्टा पर शेयर की हैं। तस्वीरों में दिव्या स-ाड़ी में काफी खूबसूरत लग रही थीं। इस खास मौके पर दिव्या ने व्हाइट कलर की बांधनी साड़ी पहनी थी, जिसके साथ उन्होंने कॉन्ट्रास्टिंग ब्लाउज और चूड़ियां पेयर की थीं। खुले बाल, बहुत कम मेकअप और एक बिंदी लगाए न्यूली मैरिड दिव्या बेहद खूबसूरत लग रही थीं। अपनी तस्वीरों की इस सीरीज में उन्होंने गुड़ी पड़वा के लिए बनाए गए महाराष्ट्रीयन व्यंजनों की एक झलक भी दी। उन्होंने लिखा, पहला गुड़ी पड़वा।

हमेशा अपने आप को किरदार के मुताबिक ढलती है कृति

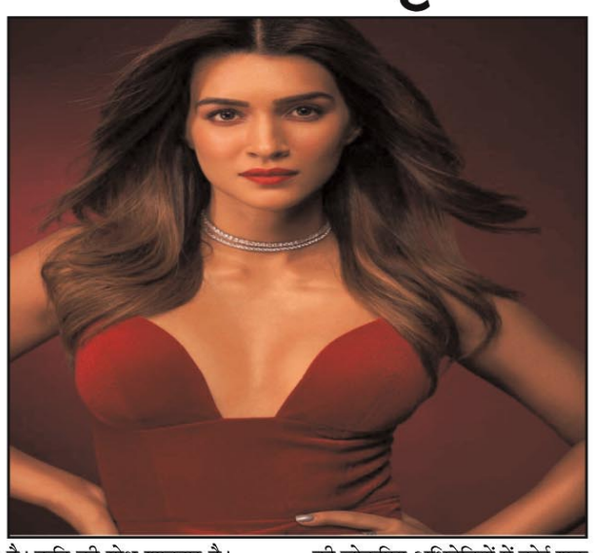

बालीवुड अभिनेत्री कृति सेनन ने इस साल अपनी फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया और क्रू के साथ लोगों के दिलों पर ही नहीं बल्कि बॉक्स ऑफिस पर भी राज कर रही हैं। कृति ने अपनी डेब्यू फिल्म से लेकर अब तक अपने क्राफ्ट पर काफी मेहनत की है और आज उसका फल उन्हें सफलता के रूप में चखने मिल रहा है। आज की तारीख में बहुत कम एक्टर्स हैं जिनकी फिल्में लगातार हिट होती हैं, और कृति ने यह साबित कर दिया है कि वह अपनी एक्टिंग स्किल से यह मुमकिन बना सकती हैं। कृति हमेशा अपने आप को किरदार के मुताबिक ढलती हैं। उन्होंने अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर अलग तरह के किरदार निभाए हैं, जिसमें मिमी (सरोगेट मदर), तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया (ह्यूमोनॉइड रोबोट) और अब क्रू (केबिन क्रू) जैसी भूमिकाएं शामिल हैं। क्रू ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन दिखाया है और इस तरह से यह कृति की बॉक्स ऑफिस पर सफल होने वाली लगातार दूसरी फिल्म बन गई है। कृति की ग्रोथ शानदार है।

उनकी यात्रा, जिसमें मिमी के लिए नेशनल अवॉर्ड भी शामिल है, उनकी लगन और मेहनत को दशार्ती है। साल की पहली छमाही में लगातार हिट फिल्मों के साथ, दीपिका पादुकोण, आलिया भट्ट और कियारा आडवाणी सहित बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में कोई शक नहीं है। कृति सेनन जो की बॉक्स ऑफिस पर नंबर्स में बदलाव लाने वाली फैक्टर हैं, वह इंडियन सिनेमा में बड़ा बदलाव लाने वाली हैं। वह पूरी तरह से आने वाले दिनों में अपनी वर्सेटिलिटी के साथ दर्शकों को यादगार किरदार देंगे के लिए तैयार हैं।

कोरियाई हैनबोक पहने फोटोज शेयर की अनुष्का ने

बालीवुड एक्ट्रेस अनुष्का सेन आजकल बुसान में छुट्टियों का आनंद ले रही हैं, जहां से उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कोरियाई हैनबोक पहने फोटोज शेयर की। उन्होंने अपनी खूबसूरत फोटो का एक कोलाज शेयर किया। जिसमें उन्हें सफेद और पेस्टल नीले रंग का हैनबोक (कोरियाई लोगों का पारंपरिक पहनावा) पहने देखा जा सकता है। वह फोटो में पहाड़ों के सामने पोज दे रही हैं। उन्होंने अपने लुक को पूरा करने के लिए मैचिंग पर्स और सफेद जूतों को चुना। अनुष्का बालों की अपनी चोटी पर खूबसूरत हेयर एक्सेसरीज भी फ्लॉन्ट कर रही हैं। पोस्ट का शीर्षक दिया, नाटकीय क्षणों को जीना। एक्ट्रेस वेब सीरीज क्रैश और म्यूजिक वीडियो तेरी आदत 2 में नजर आई थीं। बता दें कि अनुष्का सेन के इंस्टाग्राम पर 39.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

गुरिंदर चड्ढा की फिल्म में प्रिंसेस की भूमिका निभाएंगी आलिया भट्ट

बालीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट अब एक ऐसे नए अवतार में दिखाई देंगी, जिसे दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा है। इंडो-ब्रिटिश फिल्म निर्देशक गुरिंदर चड्ढा की फिल्म में प्रिंसेस के रोल के लिए आलिया भट्ट का नाम फाइनल कर लिया गया है। इस फिल्म की शूटिंग 2025 जून में शुरू हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म में अभी तक सिर्फ आलिया भट्ट का नाम ही शामिल हुआ है। बाकी स्टारकास्ट को फिल्म की कहानी के पूरा होने के बाद ही तय किया जाएगा। हालांकि अपनी इस फिल्म के लिए शुरू से ही गुरिंदर की पहली पसंद आलिया ही थीं। फिल्म मेकर गुरिंदर चड्ढा अपने अच्छे निर्देशन के लिए जानी जाती हैं। बहरहाल, गुरिंदर अपनी आने वाली फिल्म भारतीय प्रिंसेस की कहानी को डिजनी के साथ पूरा करेंगी। इस फिल्म की कहानी को लेकर गुरिंदर और आलिया कई बार मुलाकात भी कर चुकी हैं। गुरिंदर ने अपने सोशल मीडिया पर अपनी और आलिया की एक फोटो भी पोस्ट की थी, जिससे यह साफ गया कि दोनों की मुलाकात की बात तो पक्की है। अगर गुरिंदर और आलिया की यह डील फाइनल होती है तो इस फिल्म से आलिया को काफी फायदा मिलेगा। इस फिल्म से आलिया को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर और भी अधिक पहचान मिलेगी। फिल्म हॉर्ट ऑफ स्टोन से आलिया को पहले ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल चुकी है। यहां तक की लंदन में हुई आलिया की वेब सीरीज पोचर की स्कीनिंग के दौरान गुरिंदर मौजूद थीं। हाल ही में हुए लंदन के होप गाला इवेंट में भी चड्ढा उपस्थित थीं। गत वर्ष आलिया निर्देशक करण जौहर की फिल्म रॉकी रानी की प्रेम कहानी में नजर आईं थीं। इस फिल्म में उनके अपोजिट रणवीर सिंह थे। आलिया ने हाल ही में एक्शन थ्रिलर फिल्म जिगरा की शूटिंग खत्म की है। आलिया जल्द ही आदित्य चोपड़ा की स्पाई यूनिवर्स की शूटिंग शुरू करेंगी। इसके अलावा आलिया संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में नजर आएंगी।

नई मर्सिडीज मेबैश में घूम रही कंगना, कर रही प्रचार

बालीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत अपनी नई मर्सिडीज मेबैश कार में घूमती हुई नजर आ रही हैं। गौरतलब है कि कंगना इन दिनों अपने लोकसभा क्षेत्र मंडी में चुनाव प्रचार-प्रसार में व्यस्त हैं। उन्हें मुंबई में इस कार के साथ देखा गया। इस दौरान वह सैलून के बाहर नजर आईं। पैपराजी ने यह वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसमें कंगना लूज वाइट आउटफिट पहने थी और सैलून से बाहर निकलकर मर्सिडीज में जाकर बैठ जाती हैं। इस दौरान पैपराजी ने उन्हें कैप्चर किया जिसके कई वीडियो और फोटो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। कंगना अपने नो-मेकअप लुक और नई हेयरस्टाइल को फ्लॉन्ट करती नजर आईं। बताया जा रहा है कि कार की कीमत 2 करोड़ 43 लाख रुपए है। कई बड़े फिल्मी सितारों की तरह कंगना भी लग्जरी कारों की शौकीन हैं। उनके पास पहले से ही कई महंगी कारें मर्सिडीज मेबैश एस680, बीएमडब्ल्यू 7-सीरीज 730एलडी, मर्सिडीज जीएलई 350डी एसयूवी और ऑडी क्यू3 हैं। बता दें कि हिमाचल प्रदेश के मंडी क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ने जा रही अभिनेत्री कंगना रनौत को जब से भाजपा ने अपना प्रत्याशी बनाया है, तब से ही वे लगातार विवादों में आ गई हैं।

मुमताज के साथ मेरा बहुत करीबी रिश्ता थाः अरुणा ईरानी

- प्यार से मुमताज को मुमू बुलाती है एक्ट्रेस

मुंबई (ईएमएस)। अपने जमाने की मशहूर अभिनेत्री अरुणा ईरानी ने हाल ही में अदाकारा मुमताज के साथ अपने बॉन्ड को याद किया। उन्होंने बताया कि कैसे साथ काम करते-करते उनकी दोस्ती मुमताज के साथ बहुत अच्छी हो गई। अरुणा ईरानी और मुमताज ने अपने-अपने करियर की शुरूआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी। दोनों ने साथ में पत्थर के सनम, ताला और बंधन जैसी फिल्मों में स्क्रीन स्पेस साझा किया था। दोनों इतने अच्छे दोस्त रहे कि अरुणा, मुमताज के पुराने कपड़े भी पहन लेते थी। यह खुलासा अरुणा ईरानी ने हाल ही एक इंटरव्यू में किया है। अरुणा ईरानी ने एक इंटरव्यू में बीते दिनों की यादें ताजा करते हुए मुमताज से जुड़ा किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा कि मुमताज के साथ मेरा बहुत करीबी रिश्ता था। एक साथ काम करने के दौरान दोनों में नजदीकियां बढ़ीं और दोनों दोस्त बन गए। अरुणा ईरानी प्यार से मुमताज को मुमू बुलाती हैं। एक्ट्रेस ने बताया वो मुझे अपने पुराने कपड़े देती थीं। वह घर से अपने पुराने कपड़े लातीं और मुझसे कहती थीं, तू ये लेकर जाना। उन्होंने आगे कहा, मैं अपने साइज के हिसाब से उन कपड़ों की फिटिंग करके पहन लेती थी। अरुणा ईरानी और मुमताज का 60-70 के दशक में खूब जलवा था। दोनों ने ही बचपन से गरीबी के दिन देखे, पर उन्हें अपनी किस्मत नहीं बनने दिया। बल्कि मुमताज और अरुणा ईरानी ने कड़ी मेहनत के दम पर किस्मत की रेखाएं बदलीं और स्टार बन गईं। बता दें कि अरुणा ईरानी, जिन्होंने कभी खूंखार सास तो कभी खड़ूस पत्नी का किरदार निभाया। कारवां, बॉम्बे टू गोवा, पत्थर के सनम और बंधन जैसी शानदार फिल्मों में काम करने वालीं अरुणा ईरानी ने 70-80 के दौर में बॉलीवुड में एक से बढ़कर एक फिल्में दी।

सूडोकु नवताल- 6760

सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6759 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्दजाल - 7507

यु	क	दो	अ	ल्जी	रि	या	तू	ग	झ	क	
ज	पा	ल	प	ह	भा	पू	ना	ट	र्की	को	
अं	इ	कि	म	सं	र	ल	श	र	ला	ल	
क	कु	दा	स्ता	धा	त	क	फ	लो	श	या	
क	मो	श	न्न	न	क	ट	री	ग	रि	ता	
द	र	ल	प	व	ज्पि	र्त	ऐ	जी	प	रु	
ती	क्को	ल	श	इ	प	म	इ	कौ	ला	इ	
क	इं	डो	ने	शि	या	ना	प्प	न	श	रा	
क	स	बा	तें	व	न	ज	द	शा	जू	न	
द	र	ल	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	प	रु	
बां	ग	ला	दे	श	नी	हो	जा	एं	प	क	

शब्द जाल में उन 10 देशों के नाम हैं जहां मुस्लिम आबादी सर्वाधिक है. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

पाकिस्तान, भारत, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, टर्की, इरान, नाईजीरिया, अल्जीरिया, मोरक्को, इज्पिट.

शब्दजाल - 7506 का हल

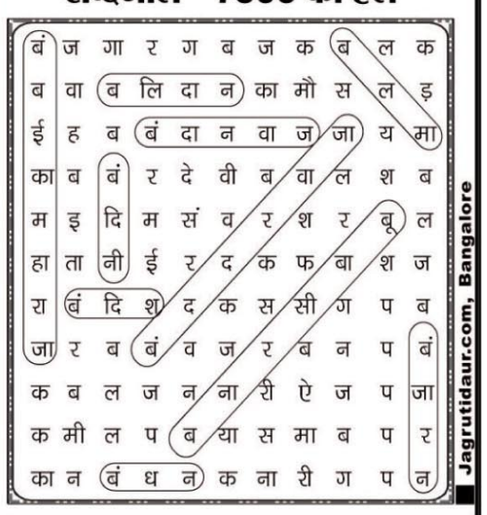

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6460

	7	2		3		1
3	31		23	6	32	
6		4	1		7	5
1	30		33	4	36	
2		7			6	3
	35		35	7	37	
	6	5	3		2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6459 का हल

3	6	1	4	7	2	5
6	36	6	29	2	30	1
2	7	5	1	3	4	6
4	33	4	29	4	34	4
1	7	3	4	5	6	2
7	34	2	32	6	36	7
5	2	7	4	1	6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

सुमित नागल मोंटे कार्लो से बाहर : दूसरे राउंड में वर्ल्ड नंबर-7 रुने ने हराया; टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती खत्म

लखनऊ।
भारत के नंबर-1 टेनिस प्लेयर सुमित नागल रोलेक्स मोंटे कार्लो मास्टर्स से बाहर हो गए हैं। उन्हें दूसरे राउंड में वर्ल्ड नंबर-7 होल्गर रुने ने हराया। इसी के साथ टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती खत्म हो गई।

दूसरे राउंड में बारिश से बाधित मैच में रुने ने नागल को दो घंटे 11 मिनट तक चले मुकाबले में 6-3, 3-6, 6-2 से हराया।

रोहन बोपन्ना की जोड़ी मोंटे कार्लो से बाहर

भारत के रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियन पार्टनर मैथ्यू एब्डेन मोंटे कार्लो मास्टर्स 2024 में मेंस डबल्स इवेंट के 32वें राउंड में हार गए। यह जोड़ी एक घंटे 16 मिनट तक चले मैच में अल साल्वाडोर के मार्सेलो अरेवलो और क्रोएशिया के मेट पाविक से 3-6, 6-7 (6-8) से हार गई। इस जोड़ी ने इस साल की शुरुआत में 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता था।

42 साल बाद कोई भारतीय मोंटे कार्लो मुख्य ड्रॉ में

सुमित नागल 42 साल बाद रोलेक्स मोंटे कार्लो मास्टर्स के मुख्य ड्रॉ में पहुंचने वाले भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले 1982 में रमेश कृष्णन ने सिंगल्स इवेंट के मुख्य ड्रॉ में अपनी जगह बनाई थी।

सुमित नागल का इस साल प्रदर्शन बेहतर रहा

सुमित नागल का इस साल प्रदर्शन बेहतर रहा है। उन्होंने साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन में एलेक्जेंडर बुब्लिक को हराकर जीत के साथ शुरुआती की थी। इसके बाद, उन्होंने चेन्नई ओपन में जीत हासिल की और एटीपी रैंकिंग में शीर्ष 100 में जगह बनाई।

पिछले सप्ताह की शुरुआत में नागल ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 95वीं रैंकिंग हासिल की थी।

क्या है मोंटे कार्लो मास्टर्स

मोंटे-कार्लो मास्टर्स मेंस प्रोफेशनल प्लेयर्स का टेनिस टूर्नामेंट है, फ्रांस के रोकेब्रून-कैप-मार्टिन में खेला जाता है। यह मोंटे कार्लो कंट्री क्लब में क्ले कोर्ट पर खेला जाता है और अप्रैल में होता है। इसका आयोजन हर साल होता है। यह टूर्नामेंट एटीपी टूर पर नौ एटीपी टूर मास्टर्स 1000 इवेंट्स का हिस्सा है।

न्यूज ब्रीफ

उम्मीद है कि हम मयंक यादव को सीएसके के खिलाफ एक्शन में देखेंगे जस्टिन लैंगर

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मुख्य कोच जस्टिंग लैंगर को उम्मीद है कि तेज गेंदबाज मयंक

यादव 19 अप्रैल को एकाना क्रिकेट स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ क्रिकेट एक्शन में वापसी करेंगे, क्योंकि स्टार गेंदबाज को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच के दौरान पेट के निचले हिस्से में चोट के कारण दर्द का सामना करना पड़ा था।। जस्टिंग लैंगर ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहला ओवर फेंकने के बाद सीधे उनके पेट के निचले हिस्से में दर्द हुआ और इसी कारण उनकी गति थोड़ी कम हो गई। हमने एमआरआई कराया और रिपोर्ट में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आगामी मैच के लिए उनकी अनुपलब्धता की पुष्टि की गई। फिर भी, उम्मीद है कि वह चेन्नई के खिलाफ मैच में उपलब्ध रहेंगे। एकाना क्रिकेट स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में, मयंक को सिर्फ एक ओवर फेंकने के बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा, जहां उनकी गति धीमी थी और उन्हें तीन चौके लगे, जिससे कुल मिलाकर 13 रन बने। हालांकि, लैंगर ने दिल्ली कैपिटल्स मैच के खिलाफ मोहसिन खान की उपलब्धता की पुष्टि की, जो आरसीबी के खिलाफ एक्शन से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह यश ठाकुर को लिया गया है। मोहसिन ने अब तक एलएसजी के लिए दो मैच खेले हैं और तीन विकेट लिए हैं। वह फिट हैं और डीसी के मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। वह नेट्स और अभ्यास सत्र में प्रशिक्षण ले रहे हैं। वह पूरी तरह से फिट दिख रहे हैं और अच्छी लय के साथ गेंदबाजी कर रहे हैं, उन्हें कल एक्शन में देखा जा सकता है। एलएसजी का मुकाबला शुक्रवार को एकाना क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स से होगा।

अधिकतर विदेशी खिलाड़ियों के पास ही रही है सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी

नई दिल्ली । पैट कमिंस की कप्तानी में आईपीएल 2024 में खेल रही सनराइजर्स हैदराबाद की कमान

अधिक अधिकतर विदेशी खिलाड़ियों के हाथों में रही है। इस टीम ने पिछले 12 साल में 10 कप्तान बदले हैं। इसमें से 7 विदेशी खिलाड़ी रहे हैं। साल 2016 में डेविड वार्नर की कप्तानी में खिताब विजेता रही इस टीम ने अलग-अलग समय पर ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के खिलाड़ियों को कप्तान बनाया है। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल में पहली बार 2013 में उतरी थी। इसके पहले ये टीम डेक्कन चार्जर्स के नाम से लीग में उतरती थी। साल 2012 में टीम को सन समूह ने खरीद लिया। इस समूह ने इसके बाद टीम का नाम बदल लिया। तब श्रीलंका के कुमार संगकारा कप्तान थे। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने साल 2013 से 2024 के बीच 10 खिलाड़ियों को कप्तान के तौर पर रखा है। इनमें कुमार संगकारा, कैमरून वॉइट, शिखर धवन, डैरेन सैमी, डेविड वॉर्नर, केन विलियम्सन, भुवनेश्वर कुमार, मनीष पांडे, एडेन मार्करम और पैट कमिंस आदि हैं। इससे साफ है कि शिखर धवन को छोड़ दिया जाए तो सनराइजर्स हैदराबाद ने किसी भी भारतीय खिलाड़ी को अपनी टीम का नियमित कप्तान नहीं बनाया। शिखर ने 2013-14 में 16 मैचों की कप्तानी की, जिनमें से 7 में जीत मिली और 9 में हार का सामना करना पड़ा। सनराइजर्स ने इस सत्र में अपने 5 में से 3 मैच जीते हैं। सनराइजर्स ने अपने पिछले मैच में पंजाब किंग्स को हराया था। इस जीत के साथ ही अब वह 4 टीमों में शामिल हो गई है, जिन्होंने लीग में 3-3 मैच जीते हैं। लीग में सबसे अधिक 4 मैच राजस्थान रॉयल्स ने जीते हैं।

धोनी की कमाई 1040 करोड़ पहुंची

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की लोक्रपियता और कमाई दिन प्रतिदिन

बढ़ती जा रही है। अब धोनी की नेट वर्थ 1040 करोड़ रुपये से भी ऊपर निकल गयी है। धोनी को आजकल विज्ञापन के अलावा कई कारोबारों से कमाई होती है। धोनी के फार्महाउस हैं जहां सब्जियों के साथ ही कई प्रकार के फल भी होते हैं। इसके अलावा वह सेवन नाम से एक कपड़ों का ब्रांड भी चलाते हैं। उनकी एक एक स्पोर्ट कंपनी भी है, इसके अलावा करोड़ों के विज्ञापनों भी उनके पास है। इसके अलावा धोनी कई और कारोबार भी कर रहे हैं। हससे उन्हें हर साल करोड़ों रुपये की आय होती है। धोनी का रांची में एक होटल भी है। इसका नाम होटल माही रेजीडेंसी है। इसके अलावा धोनी ने माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के साथ मिलकर बैंगलोर में एक एमएस धोनी ग्लोबल स्कूल भी खोला है। इस स्कूल में बीबीएसई पाठ्यक्रम से पढ़ाई होती है। यहां विशेषज्ञों की सलाह और उनके मार्गदर्शन पर ही पाठ्यक्रम तैयार किया जाता है। धोनी ने कई जगह निवेश भी किया है। उन्होंने बेवरेज ब्रांड सेवन इंक ब्रियू में भी निवेश किया है। इसके अलावा उनका पैसा चॉकलेट की कंपनी में भी लगा है। ये कॉप्टर 7 नाम से बाजार में चॉकलेट बेचती है। कुल मिलाकर देखा जाये तो धोनी से खेल से हुई कमाई का निवेश कई क्षेत्रों में किया है। जिसके कारण उनकी कमाई लगातार बढ़ती जा रही है।

स्वर्ण विजेता को..., विश्व एथलेटिक्स के 41 लाख रुपये देने की घोषणा पर नीरज चोपड़ा की प्रतिक्रिया

पेरिस ।
स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने विश्व एथलेटिक्स के पेरिस ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले सभी एथलीट को 50,000 डॉलर (करीब 41.60 लाख रुपये) का पुरस्कार देने के फैसले की प्रशंसा की। उन्होंने यह भी कहा कि वह चाहेंगे कि अन्य वैश्विक प्रतियोगिताओं में भी इसी तरह का प्रोत्साहन मिले।

यह पहली बार होगा कि जब इस साल पेरिस ओलंपिक की 48 एथलेटिक्स स्पर्धाओं के स्वर्ण पदक विजेताओं को विश्व एथलेटिक्स द्वारा भारी राशि दी जाएगी। विश्व एथलेटिक्स ने अपने इस दायरे को बढ़ाने का वादा किया है कि 2028 लास एंजिलिस चरण में सभी तीनों पदक विजेताओं को शामिल किया जाएगा।

टेनिस या फुटबॉल से नहीं की जा सकती तुलना

नीरज ने कहा, पैसे के मामले में एथलेटिक्स में उस तरह की राशि नहीं है जैसे टेनिस या फुटबॉल और अन्य खेलों में है। विश्व एथलेटिक्स का पेरिस ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता एथलीट के लिए पुरस्कार राशि की घोषणा करने का फैसला अच्छी शुरुआत है। यह अच्छा फैसला है।विश्व एथलेटिक्स बहुत सक्रिय होता जा रहा है। आने वाले समय में मुझे लगता है कि वे डायमंड लीग जैसी प्रतियोगिताओं में भी वित्तीय प्रोत्साहन देंगे, जो अच्छा होगा।

परिवार को मिल रही आराम की जिंदगी

चोपड़ा ने खिलाड़ियों के लिए वित्तीय सुरक्षा की जरूरत पर बात करते हुए कहा, 'हम जो कमाई करते हैं, वो खिलाड़ियों के लिए पर्याप्त है। इससे हमें आराम की जिंदगी जीने में मदद मिल रही है, हमारे परिवार को आराम की जिंदगी मिल रही है।

ट्रैक एवं फील्ड एथलीट का मुख्य योगदान

विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने कहा कि ओलंपिक पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि देना लंबे समय से लंबित था क्योंकि ओलंपिक खेलों में जो भारी राजस्व मिलता है, उसमें ट्रैक एवं फील्ड एथलीट का मुख्य योगदान होता है। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) से फैसले पर चर्चा नहीं की जिसके अंतर्गत ओलंपिक खेल आयोजित होते हैं। यह दोनों के बीच तनाव का कारण हो सकता है।

90 मीटर फेंक सकता हूं भाला

नीरज चोपड़ा पेरिस ओलंपिक से पहले 90 मीटर दूर भाला फेंकने का लक्ष्य बनाए हैं और उनका कहना है कि जिस तरह से उनकी तैयारी चल रही है, यह किसी भी समय हो सकता है। चोपड़ा ने अपना 89.94 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो 2022 स्टॉकहोम डायमंड लीग के दौरान फेंका था। ट्रेनिंग में वह 90 मीटर दूर भाला फेंक चुके हैं, लेकिन प्रतियोगिता में वह अभी तक इसकी बराबरी नहीं कर पाए हैं। उन्होंने कहा, 'मैं पेरिस ओलंपिक से पहले 90 मीटर दूर भाला फेंकने का प्रयास करूंगा। उम्मीद करता हूं कि यह पेरिस ओलंपिक से पहले हो जाए। वैसे अभी हर चीज सही दिशा में आगे बढ़ रही है इसलिए लोगों को शायद ओलंपिक तक इंतजार नहीं करना पड़े और यह इससे पहले ही हो जाए। तैयारियां अच्छी चल रही हैं।

संगकारा ने अश्विन को महानतम स्पिनरों में से एक बताया

जयपुर । राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा अब तक आईपीएल में उम्मीदों के अनुसार प्रदर्शन नहीं करने वाले अनुभवी स्पिनर आर अश्विन के बचाव में उतरे हैं। संगकारा ने कहा कि मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बाद रविचंद्रन अश्विन का समर्थन किया। संगकारा ने कहा, अश्विन खेल के महानतम स्पिनरों में से एक है, हर दिन अच्छा नहीं हो सकता और कभी-कभी आपका दिन खराब भी होता है। चीजें चलती रहती हैं, हम सीखते हैं और हम आगे बढ़ते हैं। वह एक भयंकर प्रतिस्पर्धी है, और मुझे भरोसा है कि वह सत्र में आगे आने वाले मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। अश्विन गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में भी प्रभावी गेंदबाजी नहीं कर पाये। वह इस मैच में गेंदबाजी के दौरान संघर्ष करते दिखे। अपने चार ओवर के स्पेल में उन्होंने 10.00 40 रन दे दिए हालांकि उन्होंने दूसरी पारी के पहले भाग के दौरान दो ओवरों में सिर्फ 10 रन दिए पर इसके बाद उनके अगले दो ओवरों में वह प्रभावी नहीं दिखे और 30 रन दिए। इस सत्र में इससे पहले हुए मैचों भी अश्विन कुछ खास नहीं कर सके।

सैमसन को रोकना पंजाब के लिए बड़ी चुनौती

मुल्लांपुर।
आईपीएल 2024 के 27वें मैच में पंजाब किंग्स के सामने राजस्थान रॉयल्स की चुनौती होगी। राजस्थान ने इस सीज़न पांच में से चार मैच जीते हैं और अंक तालिका में पहले स्थान पर हैं तो वहीं पंजाब ने पांच में से तीन मैच गंवाए हैं और आठवें स्थान पर हैं। राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन शानदार फ़ॉर्म में चल रहे हैं और उनकी टीम को उनसे एक और अच्छी पारी की उम्मीद होगी। आइए जानते हैं पंजाब के ख़िलाफ़ उनका प्रदर्शन कैसा रहा है। पंजाब के ख़िलाफ़ संजू सैमसन का प्रदर्शन

सैमसन ने पंजाब के ख़िलाफ़ 21 आईपीएल मैचों की 21 पारियों में 39 के औसत और लगभग 144 की स्ट्राइक रेट से 702 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और दो अर्धशतक भी लगाए हैं। सैमसन इस टीम के ख़िलाफ़ अभी क्रिकेट खेल रहे बल्लेबाज़ों में छठे सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज़ हैं। वह इस टीम के ख़िलाफ़ तीन बार नाबाद भी रह चुके हैं। पंजाब के प्रमुख गेंदबाज़ों के ख़िलाफ़ सैमसन का प्रदर्शन तेज़ गेंदबाज़ अर्शदीप सिंह ने पिछले मैच में चार विकेट चटकाए थे और उनकी गेंदबाज़ी पर पंजाब काफ़ी निर्भर रहती है। हालांकि अर्शदीप के ख़िलाफ़ भी सैमसन के आंकड़े काफ़ी प्रभावी रहते हैं। सात आईपीएल पारियों में सैमसन ने अर्शदीप के ख़िलाफ़ केवल 30 गेंदों में 57 रन बना दिए हैं। अर्शदीप केवल एक बार सैमसन को आउट कर सके हैं। सैमसन ने अर्शदीप के ख़िलाफ़ 57 की औसत और 190 के स्ट्राइक-रेट से रन बनाए हैं। कगिसो रबाडा भी पंजाब के गेंदबाज़ी आक्रमण का अहम हिस्सा हैं। रबाडा के ख़िलाफ़ सैमसन ने तीन आईपीएल पारियों में लगभग 153 के स्ट्राइक-रेट और 26 की औसत से 26 रन बनाए हैं। 17 गेंदों में एक बार रबाडा ने सैमसन का विकेट भी निकाला है। रबाडा के ख़िलाफ़ बनाए 26 में से 20 रन सैमसन ने चौकों के जरिए बनाए हैं। पंजाब के पास राहुल चाहर स्पिन विभाग में मुख्य स्पिनर की भूमिका निभाते हैं। हालांकि, उनके लिए यह सीज़न अब तक काफ़ी ख़राब रहा है। सैमसन के ख़िलाफ़ वह पंजाब के लिए तुरुप का इक्का साबित हो सकते हैं।

धाविका ज्योति को प्रशिक्षण के लिए स्पेन भेजेगा खेल मंत्रालय

नई दिल्ली।

खेल मंत्रालय धाविका ज्योति याराजी सहित कई खिलाड़ियों को आगामी पेरिस ओलंपिक को देखते हुए प्रशिक्षण के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। इसी के तहत ही मंत्रालय ने ज्योति को स्पेन भेजे जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। ज्योति ने इससे पहले हुए हांगझोउ एशियाड में 100 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीता था। खेल मंत्रालय की मिशन ओलंपिक इकाई (एमओसी) के अनुसार यह एथलीट डेढ़ माह के लिए स्पेन जाकर अभ्यास करेंगी।

इस दौरान सरकार उनके सभी प्रकार के खर्च खेल मंत्रालय उठाएगा। इसमें आने-जाने के किराये के साथ ही रहने ओर स्थानीय परिवहन के अलावा अन्य सभी प्रकार के खर्च भी शामिल रहेंगे, इस दौरान उन्हें हर दिन के हिसाब से भत्ता भी दिया जाएगा।ज्योति के अलावा एमओसी ने बैडमिंटन खिलाड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के पेरिस ओलंपिक से पहले अभ्यास के लिए जोड़ीदार को लेकर एक वित्तीय सहायता का प्रस्ताव भी स्वीकार कर लिया है। चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज दोनों ही जून में मुंबई में स्कॉटलैंड के एलेक्जैंडर डुन और एडम हाल तथा इसके बाद जुलाई में इंडोनेशिया के रेन एगुंग और बेरी एग्रियावान के साथ हैदराबाद में अभ्यास करेंगे। एमओसी ने निशानेबाज रेजा ढिल्लों और राजेश्वरी कुमार के विदेश में प्रशिक्षण के प्रस्ताव को भी मंजूर कर दिया। रेजा अपने व्यक्तिगत कोच के साथ जबकि राजेश्वरी कोच डेविड कोस्टेलेकी के साथ इटली में ट्रेनिंग करेंगी।

अगरकर ने विराट की प्रशंसा करते हुए कहा उन्होंने फिटनेस के नये मानक स्थापित किये

नई दिल्ली ।
भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति के प्रमख अजीत अगरकर ने विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। अगरकर ने कहा है कि विराट ने फिटनेस के मामले में अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानक स्थापित किये हैं जिससे खेल को लाभ हुआ है। विराट से प्रेरित होकर अन्य युवा खिलाड़ी भी अब अपनी फिटनेस पर पूरा ध्यान दे रहे हैं।

अगरकर ने कहा, भारतीय क्रिकेट में अच्छी बात यह है कि अब आपके पास चयन के लिए बहुत बड़ा पूल है, भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। पिछले एक दशक से अधिके समय के अंदर जो बड़ा अंतर आया है उसे आप देख सकते हैं। विराट उन लोगों में से एक हैं, जिन्होंने फिटनेस को लेकर एक बेंचमार्क स्थापित किया है, और अब अपने 15 साल के करियर में वह और भी फिट हो गए हैं। इस प्रकार जो भी खिलाड़ी प्रभावित होकर उनके जैसे बनने का प्रयास कर रहे है , उससे एक माहौल बनता है ओर फिटनेस पर अधिक से अधिक खिलाड़ी ध्यान देते हैं। अगरकर ने बड़े स्तर पर देश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान और उन्हें निखारने के लिए आईपीएल की भूमिका की भी प्रशंसा की है। उन्होंने कहा, आप देख सकते हैं कि हर साल, आईपीएल नई प्रतिभाओं को सामने लाता रहता है। एक चयनकर्ता के रूप में कुछ खिलाड़ी होते हैं, जिन पर हम नजर रखते हैं पर कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो अचानक आते हैं और बड़े मंच पर भी दिखाई देते हैं। दबाव और बड़ी भीड़ के कारण यह एक बड़ा मंच साबित हुआ है। इसमें आप दुनिया के शीर्ष बल्लेबाजों को गेंदबाजी कर रहे होंगे या शीर्ष गेंदबाजों में से एक का सामना कर रहे होंगे, यह वह जगह है जहां आप खिलाड़ी के स्वभाव का आंकलन कर सकते हैं। आधुनिक क्रिकेट जगत में तेजी से अपनाए जा रहे डेटा-केंद्रित रवैये को लेकर अगरकर ने कहा कि कैसे चयन में डेटा अहम हो जाता है पर कहा कि कोई भी क्रिकेट में दबाव में आंतरिक भावना और प्रदर्शन को नजरअंदाज नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा, जितना डेटा उपलब्ध है, वह अविश्वसनीय है। आप एक पूरी पारी की योजना बना सकते हैं और मुझे लगता है कि अब हर कोई ऐसा करता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह हर समय काम करेगा। एक कोच, कप्तान या चयनकर्ता के रूप में आप किसी के बारे में तब तक कोई पक्की राय नहीं बना सकते हैं जब तक आप उन्हें दबाव में खेलते हुए नहीं देख लेते हैं।

सूर्यकुमार यादव ने आईपीएल 2024 में मुंबई के लिए जड़ी सबसे तेज फिफ्टी, फटाफट क्रिकेट में पूरे किए 7 हजार रन

नई दिल्ली।
भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने टी20 क्रिकेट में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। चोट से उबरने के बाद सूर्या ने टी20 क्रिकेट में अपने 7,000 रन पूरे कर लिए हैं। आईपीएल 2024 के 25वें में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ इस मुकाम को हासिल किया। सूर्या ने मैच के दौरान 31वें रन के साथ यह उपलब्धि हासिल की।

टी20 क्रिकेट में यह उपलब्धि हासिल करने वाले सूर्यकुमार यादव आठवें भारतीय बल्लेबाज हैं। वह केवल विराट कोहली (12,310), रोहित शर्मा (11,200 प्लस), शिखर धवन (9,783), सुरेश रैना (8,654), एमएस धोनी (7,309), रॉबिन उथप्पा (7,272) और केएल राहुल (7,159) से पीछे हैं। वहीं, केवल पांच अन्य भारतीय बल्लेबाजों के नाम 6,000 से अधिक टी20 रन हैं।

जड़ी इस सीजन मुंबई के लिए सबसे तेज फिफ्टी

आरसीबी के खिलाफ सूर्यकुमार यादव ने इस सीजन मुंबई इंडियंस के लिए सबसे तेज फिफ्टी जड़ी। सूर्या ने 17 गेंद पर अपना पचासा पूरा किया। आउट होने से पहले सूर्यकुमार ने 19 गेंद का सामना करते हुए 5 चौके और 4 छक्कों की मदद से 52 रन की तेज पारी खेली। सूर्या के नाम आईपीएल 3301 रन दर्ज हो चुके हैं।

आईपीएल में एमआई के लिए सबसे तेज 50 (गेंद का सामना)

- 16- ईशान किशन बनाम एसआरएच, 2021
- 17- पोलार्ड बनाम केकेआर, 2016
- 17- किशन बनाम केकेआर, 2018
- 17- पोलार्ड बनाम सीएसके, 2021
- 17- हार्दिक पांड्या बनाम केकेआर, 2019
- 17- सूर्यकुमार यादव बनाम आरसीबी, 2024

आकाशदीप के ओवर में जड़े 22 रन

सूर्यकुमार जब बल्लेबाजी करने तो अपने रंग में दिखे। दिल्ली के खिलाफ बिना खाता खोले आउट हुए सूर्यकुमार ने आरसीबी के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की।

सूर्या ने आरसीबी के तेज गेंदबाज आकाशदीप को निशाना बनाया। आरसीबी की तरफ से 11वां ओवर लेकर आए आकाशदीप के ओवर में सूर्या ने एक चौका और तीन सिक्स के साथ कुल 22 रन लिए।

धूमधाम से मनाया जा रहा है पोइला बोइसाख

पोइला बोइसाख, जिसे पोहेला बैसाख के नाम से भी जानते हैं पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, झारखंड और असम में बंगाली समुदायों द्वारा मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्योहार है। यह त्योहार बंगाली नव वर्ष का प्रतीक है और इस का काफी महत्व है, जिसे आज काफी धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस दिन को नए उद्यम शुरू करने, नई खरीदारी करने और मिल-जुलकर नए काम आयोजित करने के लिए एक शुभ दिन माना जाता है। इस दिन लोग पारंपरिक पोशाक पहनते हैं, खास पकवान तैयार करते हैं और प्रार्थना करने के लिए मंदिरों में जाते हैं। इसके अलावा अलग-अलग जुलूस और मेले भी आयोजित किए जाते हैं, जहां लोग संगीत और नृत्य का आनंद लेते हैं। पोइला बैसाख की उत्पत्ति को लेकर कई तरह की मान्यताएं हैं। ऐसा माना जाता है कि मुगल शासन के दौरान, इस्लामी हिजरी कैलेंडर के साथ करों का संग्रह किया जाता था। लेकिन हिजरी कैलेंडर से चंद्र कैलेंडर मेल नहीं (कृषि चक्रों अलग होने के कारण) खाता था। इसलिए, बंगालियों ने इस त्योहार की शुरुआत की और बंगाली कैलेंडर को बंगबाड़ा के नाम से जाना जाने लगा। वहीं एक अन्य मान्यता के अनुसार, बंगाली कैलेंडर को राजा शशांक से जोड़ा गया है। बंगबाड़ा का उल्लेख दो शिव मंदिरों में मिलता है, जो इस बात का संकेत देता है कि इसकी उत्पत्ति अकबर काल से पहले हुई थी। पोहेला बैसाख का बंगाल समुदाय के लोगों के बीच बहुत महत्व है क्योंकि यह दिन उनके लिए शुभ माना जाता है।

असम की पारंपरिक संस्कृति को दर्शाता है रोंगाली बिहू का पर्व

भारत के पूर्वोत्तर राज्य असम में रोंगाली बिहू मुख्य रूप से मनाया जाने वाला एक पारंपरिक त्योहार है। साथ ही यह पर्व असमिया नव वर्ष की शुरुआत का प्रतीक भी माना जाता है। इस पर्व को वसंत ऋतु के आने की खुशी में भी मनाया जाता है। अधिकतर आदिवासी मूल के लोगों द्वारा रोंगाली बिहू का त्योहार बड़े ही उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस पर्व में असम की पारम्परिक संस्कृति के दर्शन भी किए जा सकते हैं। बिहू का पर्व तीन चरणों में बंटा हुआ है। जनवरी माह के मध्य से भोगली बिहू मनाया जाता है। इसे माघ बिहू भी कहते हैं। वहीं, अप्रैल के मध्य में रोंगाली बिहू मनाया जाता है, इसे बोहाग और हित बिहू भी कहा जाता है। तीसरा होता है कोंगाली बिहू या काती बिहू, जो कार्तिक माह में मनाया जाता है। बोहाग या रोंगाली बिहू 14 अप्रैल 2024 से शुरू हो रहा है, जो 20 अप्रैल 2024 तक मनाया जाएगा। असम संस्कृत में महत्व रखने वाला यह त्यौहार बड़ी उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दौरान घर की अच्छे से साफ-सफाई की जाती है और उसे सजाया जाता है। घर के मुख्य द्वार पर फूलों की मलाई लगाई जाती हैं और रंगोली बनाई जाती है। इस त्यौहार पर महिलाओं और पुरुषों द्वारा पारंपरिक पोशाक पहनी जाती हैं। महिलाओं की पोशाक को मेखला चादोर कहा जाता है, तो वहीं इस अवसर पर पुरुष धोती-कुर्ता पहनते हैं। साथ ही इस दौरान स्थानीय व्यंजन जैसे पिठा, लारू, दोई-चीरा, आलू पिटिका, फिश करी आदि बनाकर एक-दूसरे के घर भिजवाने की भी परंपरा है। बिहू के दौरान असम संस्कृति को दर्शाने वाली झांकियां भी लगाई जाती हैं। रोंगाली बिहू के विषय में मान्यताएं प्रचलित हैं। रोंगाली बिहू के पहले दिन मवेशियों को पानी में काली दाल और कच्ची हल्दी मिलाकर नहलाया जाता है। साथ ही इस पर्व के दौरान गायों की साफ-सफाई की जाती है और उनकी पूजा की जाती है। इस दौरान उन्हें लौकी, बैंगन आदि भी खिलाएं जाते हैं। इस परम्परा को लेकर यह मान्यता है कि ऐसा करने से मवेशी स्वस्थ रहते हैं और परिवार में भी सुख-समृद्धि का वास बना रहता है। बिहू के इस पर्व के दौरान महिलाओं और पुरुषों ढोल नगाड़े बजाए जाते हैं और पारम्परिक बिहू नृत्य किया जाता है। माना जाता है कि इससे इंद्रदेव प्रसन्न होते हैं और वर्षा कर अच्छी फसल का वरदान देते हैं।

आदर्शों के स्मरण का पर्व है बैसाखी

वैशाख मास के प्रथम दिन को पर्व के रूप में मनाने की परंपरा सिखों के तृतीय गुरु श्रीगुरु अमरदास जी के काल में आरंभ हुई थी। यह मान्यता भी है कि इस दिन सूर्य मेष राशि में प्रवेश करता है। यही कारण है कि बैसाखी को हिंदू और सिखों के साझे पर्व के रूप में देखा जाता है। इसका धार्मिक महत्व तब बढ़ गया, जब गुरु गोविंद सिंह जी ने वर्ष 1699 में वैसाखी के ही दिन आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ सजाया। गुरु अमरदास जी के काल से प्रत्येक वर्ष सिख बैसाखी के दिन बड़ी संख्या में एकत्र होते और गुरु के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लेकर कृतार्थ होते थे। इस अवसर पर उनके उल्लास का अन्य कारण होता महीनों के कठिन परिश्रम के फलस्वरूप खेतों में रबी की फसल का पक कर तैयार हो जाना। इस तरह बैसाखी आत्मिक लाभ और भौतिक उपलब्धि का संयुग्म बन गई थी। 1699 की बैसाखी के दिन पूरे भारत से आये लगभग अस्सी हजार सिख आनंदपुर साहिब में एकत्र हुए। पूर्व की भांति सजा दीवान जब समाप्ति की ओर अग्रसर था, गुरु गोविंद सिंह जी अकस्मात उठे और नंगी तेग लहराते हुए बोले कि उन्हें एक शीश चाहिए। सभी स्तब्ध रह गए। उनके पुन: दोहराने पर एक सिख उठा और स्वयं को प्रस्तुत कर दिया। उसे गुरु साहिब निकट के एक छोटे तंबू में ले गए। इसके बाद गुरु साहिब ने एक के बाद एक चार और शीश मांगे। बाद में पांचों सिखों को गुरु साहिब वापस लाए और उन्हें अमृत पान कराकर पांच ककारों से सुसज्जित किया। इन्हें पंच पियारे कहा गया। गुरु गोविंद सिंह जी ने स्वयं भी और वहां उपस्थित सारी संगत ने अमृत छका। गुरु गोविंद सिंह जी ने इस अवसर पर सिखों को खालसा नाम दिया, जिसका अभिप्राय था सारे विकारों, अवगुणों से मुक्त होना और सद्गुण धारण कर परमात्मा को समर्पित हो जाना। खालसा एक ऐसा समाज था, जहां न कोई जाति थी, न वर्ण अथवा वर्ग। यह ऐसे धर्म पालकों की संगत थी, जो उपकार करने और दीन-दुखी के हित हेतु त्याग करने के लिए सदैव तत्पर रहे। इसीलिए इसे अकाल पुरख की फौज कहा गया। खालसा होना वस्तुत: श्रेष्ठ आत्मिक अवस्था धारण करना है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**